

# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 36] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 6, 1986 (भाद्रपद 15, 1908)  
No. 36] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 6, 1986 (BHADRA 15, 1908)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 1

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखायुक्त, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

कामिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय  
कामिक और प्रशिक्षण विभाग  
लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी  
मसूरी, दिनांक 13 अगस्त 1986

सं० 2/8/85-स्थापना—कामिक और प्रशिक्षण विभाग, नई दिल्ली के पत्र सं० 13014/1/86- टी० आई० एम० (III) दिनांक जुलाई 21, 1986 के अनुसरण में श्री एस० एस० एल० तकरू, स्थायी वरिष्ठ आशुलिपिक को लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में निदेशक के व्यक्तिगत सचिव (ग्रुप "बी"— राजपत्रित) के पद पर रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतन मान में, दिनांक 21 जुलाई 1986 (पूर्वाह्न) से नियुक्त किया जाता है।

अनुपम कुलश्रेष्ठ  
उप निदेशक

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली-3, दिनांक 8 अगस्त 1986

सं० -11/डी० डी०(ए)/सी० बी० आई०/86—निदेशक  
के० अ० ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना  
1-226GI/86

श्री हंस राज बुलबुल को दिनांक 1 अगस्त, 1986 से अगले आदेश होने तक, के० अ० ब्यूरो में, नियमित आधार पर पदोन्नति होने पर, कार्यालय अधीक्षक, के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 12 अगस्त 1986

सं० ए० 19036/16/82-प्र०-5—प्रत्यावर्तन होने पर हिमाचल प्रदेश राज्य पुलिस से के० अ० ब्यूरो में प्रतिनियुक्ति पर आए, श्री कर्ण सिंह, पुलिस उपाधीक्षक की सेवाएं दिनांक 31 जुलाई 1986 अपराह्न से हिमाचल प्रदेश सरकार को सौंपी जाती है।

सं० 3/36/86-प्रशासन-5—निदेशक, के० अ० ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना उड़ीसा राज्य पुलिस के अधिकारी श्री मोहम्मद अब्दुल करीम, पुलिस उप-अधीक्षक को दिनांक 31 जुलाई, 1986 पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के० अ० ब्यूरो, भुवनेश्वर में प्रतिनियुक्ति पर स्थानापन्न पुलिस उपाधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

धर्मपाल भट्टा  
प्रशासन अधिकारी (स्थापना)  
के० अ० ब्यूरो

## गृह मंत्रालय

महानिदेशालय, के० रि० पु० बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 11 अगस्त 1986

सं० डी० एक-10/86-स्थापना-I—श्री सी० एल० शर्मा, सहायक कमांडेंट, 4 सिगनल बटा०, के० रि० पु० बल, नीमच को सेवाएं दिनांक 5-8-1986 (अपराह्न) से हरियाणा राज्य सरकार को प्रतिनियुक्ति आधार पर सौंपी जाती हैं।

किशन लाल  
सहायक निदेशक (स्थापना)

नई दिल्ली-110003, दिनांक 8 अगस्त 1986

सं० ओ० दो०/86—स्थापना—राष्ट्रपति जी ने, डाक्टर अजयकुमार सिन्हा को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ड्यूटी आफिसर ग्रेड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर दिनांक 23 जुलाई 1986 पूर्वाह्न से सहर्ष नियुक्त किया है।

सं० ओ० दो०/86—स्थापना—राष्ट्रपति जी ने, डाक्टर जीवन प्रकाश मदन गोपाल अग्रवाल को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ड्यूटी आफिसर ग्रेड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर दिनांक 28 जुलाई 1986 पूर्वाह्न से सहर्ष नियुक्त किया है।

अशोक राज महीपथी  
सहायक निदेशक (स्थापना)

समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार)

नई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त 1986

सं० ए-12012/2/86-प्रशासन-II—राष्ट्रपति, सर्वश्री टी० के० जी० कृष्णन तथा बी० एस० आर० मूर्ति स्थायी सहायक निदेशकों को उप-निदेशक के पद पर 1200-50-1600/-रूपए के वेतनमान में 1 अगस्त 1986 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

बी० के० दुबे  
निदेशक  
पुलिस दूर संचार

महानिदेशालय, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 1 अगस्त 1986

सं० ई-16014(2)/14/85-कार्मिक-I—पुनर्नियुक्ति पर, श्री एम० एस० श्रीनख ने 21 जुलाई, 1986 के पूर्वाह्न से, कमांडेंट, प्रथम रिजर्व बटालियन, के० ओ० सु० ब०, बड़वाह (मध्य प्रदेश), के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 4 अगस्त 1986

सं० ई-16013(1)/4/86-कार्मिक-1—प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति होने पर श्री एस० जे० बरमन, भा० पु० से० (पश्चिमी बंगाल: 57) ने 14 जुलाई, 1986 के अपराह्न से महानिरीक्षक, पूर्वी क्षेत्र, के० ओ० सु० ब०, कलकत्ता के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई-32015(2)/6/86-कार्मिक-1—राष्ट्रपति, श्री पी० पी० जॉन एलेक्स, सहायक कमांडेंट को प्रोन्नति पर, 7 जुलाई 1986 के पूर्वाह्न से नियमित आधार पर कमांडेंट, के० ओ० सु० ब० यूनिट, एफ० एस० टी० पी० पी० फरकका, के रूप में नियुक्त करते हैं।

ह० अपठनीय  
महानिदेशक,

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक-महालेखा परीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली दिनांक 2 अगस्त 1986

सं० 18-वा० ले० प० 1-498-84—निम्नलिखित सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी (वार्निज्यिक) अधिवाषिता आयु प्राप्त करने पर प्रत्येक के सामने लिखी तारीख से सेवा-मुक्त हो गए हैं।

क्र० सं०	अधिकारी का नाम	कार्यालय जहाँ कार्यरत थे अधिवाषिता की तारीख
सर्वश्री—		
1.	बी० पी० श्रीवास्तव	महालेखाकार (लेखा परीक्षा-II) (अपराह्न) उत्तर प्रदेश, लखनऊ
2.	एम० पी० चौधरी	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक (अपराह्न) वार्निज्यिक लेखापरीक्षा बम्बई।

के० पी० लक्ष्मण राव  
सहायक नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (वा०)

कार्यालय महालेखाकार (ले० प०)-1. बम्बई

बम्बई, दिनांक 21 जुलाई 1986

सं० प्रशासन 1/ले० प०/सामान्य/ले० प० अ०/1(1)/2—महालेखाकार महोदय ने निम्नलिखित सहायक लेखा परीक्षा अधिकारियों को उनके नामों के समक्ष लिखी गयी स्थितियों से प्रभावी, पुनः आदेश जारी होने तक, लेखा परीक्षा अधिकारी पद पर, सहर्ष नियुक्त किया है।

क्र० सं०	नाम	ले० प० अ० पद पर नियुक्ति की तिथि
1.	श्री आर० सुब्रमणियन	23-6-1986 पूर्वाह्न
2.	श्री एम० वाय० केणी	30-5-1986 पूर्वाह्न

शुभ लक्ष्मी  
वरिष्ठ उपमहालेखाकार/प्रशासन

कार्यालय (निदेशक लेखापरीक्षा), केन्द्रीय

कलकत्ता-700001, दिनांक 11 अगस्त 1986

सं० प्रशा०-I/सी०/470/1321-22—निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय कलकत्ता ने निम्नलिखित सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों को 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 के वेतनमान पर आपन्न लेखापरीक्षा अधिकारी के पद पर उनके नामों के साथ दिए गए तारीख से अगले आदेश जारी किए जाने तक निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय) कलकत्ता के कार्यालय में नियुक्त किया है।

क्र०सं०	नाम	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
सर्वश्री		
1.	शान्तिराम षटर्जी	26-2-86 (पूर्वाह्न से)
2.	संजय कुमार बनर्जी	26-2-86 ,,
3.	अजीत कुमार बोस-III	29-5-86 ,,
4.	शंकर प्रसाद हूलदर	30-5-86 ,,
5.	सनत कुमार विश्वास	30-5-86 ,,
6.	हिमांशु कुमार भट्टाचार्य	30-5-86 ,,
7.	मदननाथ गुहा	30-5-86 ,,
8.	रवीन्द्रनाथ सरकार-II	30-5-86 ,,
9.	सुशील रंजन कर्मकार	30-5-86 ,,
10.	सुजीत कुमार गुहा	30-6-86 ,,

मुनील

उप नि० ले० परीक्षा (प्रशा०) (केन्द्रीय)

श्रम मंत्रालय

कारखाना सहाय सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र महानिदेशालय

बम्बई-22, दिनांक 14 अगस्त 1986

शुद्धि-पत्र

सं० 15/33/82-स्थापना—इस महानिदेशालय की अधिसूचना सं० 15/33/82-स्थापना दिनांक 23 जुलाई के संदर्भ में।

इस अधिकारी का सही नाम जोसफ, एस० मनोहरन के बदले जोसफ, एम० मनोहरन पढ़ा जाए।

के० ए० नारायणन

उप निदेशक (प्रशासन)

कृते महानिदेशक

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, 110001 दिनांक 5 अगस्त 1986

सं० ए-31014/1/85/ए-6—महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान निम्नलिखित स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारियों (धातुकर्म रसायन) को एतद्वारा उनके नाम के सामने उल्लिखित तारीखों से सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातुकर्म-रसायन) के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	स्थायी करने की तारीख
----------	----------------	----------------------

सर्वश्री

1.	पी० एन मिश्रा	09-07-1981
2.	श्रीमती जे० पी० एलेवेरी	01-02-1982
3.	आर० पी० सिन्हा	06-02-1983
4.	एस० अनन्तनारायणन	21-09-1983
5.	जे० पी० शर्मा	01-12-1983
6.	डी० बी० आसरी	07-05-1985
7.	सी० उत्तीकृष्णन	07-05-1985

सं० ए-17011/71/74/प्र०-6—निरीक्षण निदेशक कलकत्ता के कार्यालय में स्थायी सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभि०) श्री जी० सी० नाग, निवर्तन की प्राप्ति होने लेने पर 31 मई, 1986 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

आर० पी० शाही

उप निदेशक (प्रशासन)

कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान मंत्रालय)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 11 अगस्त 1986

सं० 5095बी/ए-19011(1-एम० एन० बी०)/61/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भूवैज्ञानिक (वरिष्ठ) श्री एम० एन० विश्वनाथ स्वेच्छा से 16-1-1986 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हो गए।

अमित कुशारी  
निदेशक (कार्मिक)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 11 अगस्त 1986

सं० ए-19012(226)/86-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री आर० वाय० कादीर,

वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) को भारतिय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में दिनांक 8 जुलाई 1986 के अपराह्न से सहर्षक खनन भूविज्ञानी के पद पर पदोन्नति प्रदान की गई ।

जी० सी० शर्मा  
सहायक प्रशासन अधिकारी  
कृते महानियंत्रक

#### दूरदर्शन महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 अगस्त 1986

सं० ए-12026/4/82-एस० 2 :—श्री सत्य पाल, लेखा अधिकारी, कार्यालय चीफ कंट्रोलर आफ एकाउन्ट्स सेन्ट्रल बोर्ड आफ डाइरेक्ट, टैक्स, नई दिल्ली को दिनांक 1-7-86 (पूर्वाह्न) से केन्द्रीय क्रय एवं भंडार, दूरदर्शन नई दिल्ली में 840-1200 रु० के वेतनमान में 2 वर्ष के लिए लेखा अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया जाता है ।

2. इनके वेतन व भत्तों का निर्धारण वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग) के कार्यालय शापन संख्या-10(24) ई-III/60 दिनांक 4-5-1961 में दिए गए व समय-समय पर संशोधित नियमों एवं शर्तों के आधार पर होगा ।

बी० एस० संघू  
प्रशासन उपनिदेशक  
कृते महानिदेशक

#### सूचना और प्रसारण मंत्रालय

##### फिल्म प्रभाग

बम्बई-400 026, दिनांक 7 अगस्त 1986

सं० 6/35/57-ई-1—मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग ने श्री एम० एस० गंगाधर, स्थायी कैमरामैन, फिल्म प्रभाग, बम्बई को दिनांक 6 जून, 1986 (पूर्वाह्न) से अगला आदेश होने तक कैमरामैन (वा० चि० सं०) नियुक्त किया है क्योंकि श्री बलदेव खोसला कैमरामैन (वा० चि० सं०) दि० 31-12-1985 (अपराह्न) सेवा निवृत्त हो गए ।

दिनांक 12 अगस्त 1986

सं० ए-32014/4/84-आर० सी०—मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग द्वारा श्री एन० विश्वनाथन, स्थानापन्न आशु-लिपिक श्रेणी-1, फिल्म प्रभाग, बम्बई को उसी कार्यालय में सदर्थ आधार पर दिनांक 7-8-1986 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक रुपए 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में सहायक प्रशासकीय अधिकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है ।

एन० एन० शर्मा  
प्रशासकीय अधिकारी  
कृते मुख्य निर्माता

#### कृषि मंत्रालय

कृषि एवं सहकारिता विभाग,  
विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 जुलाई 1986

मि० सं० 2(2)/74-स्था० (1)—इस निदेशालय की विभागीय पदोन्नति समिति थुप 'बी' की सिफारिश पर कृषि और सहकारिता विभाग के वरिष्ठ हिंदी अनुवादक श्री एम० पी० सिंह को, जो इस निदेशालय में सदर्थ आधार पर हिंदी अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे थे, दिनांक 11 जुलाई 1986 के अपराह्न से 3 वर्ष की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, इनमें से जो भी पहले हो, प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण द्वारा इस निदेशालय में उसी पद पर नियमित आधार पर नियुक्त किया जाता है ।

आर० जी० बन्जर्जी  
निदेशक प्रशासन

#### भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

##### कामिक प्रभाग (भरती अनुभाग)

बम्बई, 400085, दिनांक 1 अगस्त 1986

सं० पी० ए०/79(19)/84-आर०-III/1659—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र हैबराबाद के सलेक्शन ग्रेड लिपिक श्री मोहम्मद मिन्हाज रसूल को दिनांक 26 जून 1986 पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र को नाभिकीय अनुसंधान प्रयोगशाला, श्रीनगर में सहायक कामिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं ।

दिनांक 4 अगस्त 1986

सं० पी० ए०/79(19)/84-आर०-III/1660—नियंत्रक भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, इन्दिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केन्द्र कलपावकम के स्थायी आशुलिपिक, श्री अरुणा-चलम् पट्टाबिरामन को दिनांक 21 जुलाई 1976 पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के प्रगत प्रायोगिकी केन्द्र इंदौर में रुपए 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतन क्रम में सहायक कामिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं ।

सो० जी० सुकुमारन  
उपस्थापना अधिकारी

#### परमाणु ऊर्जा विभाग

##### क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-4000 01, दिनांक 6 अगस्त 1986

सं० क्र० भं० नि०/2/1(3)/85-प्रशा०/22466—परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक



ने स्थायी सहायक लेखापाल तथा स्थानापन्न लेखापाल, श्री अगस्त्य गोपाल साठे को इसी निदेशालय में दिनांक 19-7-1986 (पूर्वाह्न) से 30-9-1986 (अपराह्न) तक 650-30-040-35-880-द० रो०-40-960 रुपए के वेतनमान में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

बी० जी० कुलकर्णी  
प्रशासन अधिकारी

#### परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500 016, दिनांक 1 अगस्त 1986

सं० प० ख० प्र०-51(53)/85-पेंशन-परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग के स्थायी सहायक कार्मिक अधिकारी और स्थानापन्न प्रशासन अधिकारी-II श्री पी० एस० आर० मूति ने निवृत्ति की आयु पर पहुँचने पर 31 जुलाई, 1986 के अपराह्न को अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 11 अगस्त 1976

सं० प० ख० प्र०-8/1/86-मर्ती-निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी सहायक सुरक्षा अधिकारी, श्री एम० एस० विश्वनाथम् को उसी प्रभाग में श्री एस० के० सराफ सुरक्षा अधिकारी के छुट्टी पर जाने पर 28-7-86 से 5-9-86 तक तदर्थ रूप से स्थानापन्न सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० पद्मनाभन  
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

#### अन्तरिक्ष विभाग

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन

अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र

अहमदाबाद-380053, दिनांक 5 अगस्त 1976

सं० अ० उ० के०/स्था०/3.19/76-निदेशक अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र ने निम्नलिखित कर्मचारियों को दिनांक 1, अप्रैल 1986 के पूर्वाह्न से अन्तरिक्ष विभाग के अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र अहमदाबाद में वैज्ञानिक इंजीनियर एस० बी० के पद पर अगले आदेश तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

क्र०	सं०	नाम
1	2	
सर्वश्री—		
1.	पी० ए०	गेंड
2.	जे० पी०	जोशी
3.	एम० पी०	शर्मा
4.	आर० एस०	गडजर
5.	एम०	बामणिया
6.	जे० एन०	लुणाविया

1	2
7.	के० पी० भालसोद
8.	श्रीमती आर० के० चौहान
9.	एस० एम० भट्ट
10.	डी० आर० सेवक

के० एस० कृष्णन्  
प्रशासन अधिकारी-II (स्था०)

केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क

वडोदरा, दिनांक 8 अगस्त 1986

सं० 22/1986—श्री एन० डी० जोशी, अधोक्षक (वर्ग ख") केन्द्रीय उत्पादन और सीमा शुल्क, मण्डल-1 वडोदरा दिनांक 14-8-1986 के पूर्वाह्न में स्वीकृत रूप से सेवा निवृत्त होने वाले हैं।

श्रीमती वरालक्ष्मी राजमनिकम  
समाहर्ता,

#### केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110 066, दिनांक 7 अगस्त 1986

सं० ए-19012/1187/86-स्थापना-पांच-अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री खूब चन्द बालाजी, पर्यवेक्षक को अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- रुपए के वेतनमान में 23-6-1986 को पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्ण अस्थायी तथा तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 12 अगस्त 1986

सं० ए-19012/1117/85-स्था०-पांच-अध्यक्ष केन्द्रीय जल आयोग, श्री ए० एम० सेन, अनुसंधान सहायक (चयन ग्रेड) को केन्द्रीय जल आयोग में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-740-1200/- रुपए के वेतनमान में सहायक अनुसंधान अधिकारी (रसायन) के पद पर पूर्णतया अस्थायी और तदर्थ आधार पर 23 जून 1986 की पूर्वाह्न से छः माह की अवधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

मीनाक्षी अरोड़ा  
अवर सचिव  
केन्द्रीय जल आयोग

सत्यमेव जयते ॥ श्री गणेशाय नमः ॥

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अन्तर्गत सूचना

मातृसुतः सुतः

कार्यालय, सहायक नायकर नागपुर (मिर्जापुर)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 17 मार्च 1986

निर्देश सं० ३७ईई/१४१७/८५-८६—अतः मुझे, अनिल  
भार,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसको पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन संक्षेप प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० आफिस न० 328, तीसरा मंजिला, वधमान मार्केट प्लाट न० 75, सेक्टर 17 बसई नई बम्बई है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुचों में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरोक्षण अर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरण को गई है और यहाँ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब मामा नया प्रतिफल, निम्नासिद्ध उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुए किसी भाषा की वापस, जहाँ अधिनियम को लागू कर देने के अन्तर्गत में वास्तव में कोई करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँट/बा

(क) इतनी किसी जाय या किसी बन या अन्य वास्तियों को चिन्ह भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिरी सुधार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपान में सुविधा के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स वर्धमान कन्स्ट्रक्शनस 40-41 विशाल शापिंग  
सेंटर सर एम. बी. रोड (अंधेरी कुर्ली रोड)  
अंधेरी (ई) बम्बई ।

(अन्तरक)

2 श्री योगेश जेठीमल और अन्य बी-29 कृष्ण कृपा दूसरा मजिला शंकर लेव, कांदीबली (डब्ल्यू), बम्बई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थों के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ॥

समस्त सभ्यता के वर्णन के संबंध में कोइ भी धारणा है—

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्पाद्य होती है, के भीतर पक्षों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोद्वितीयकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**तत्परीक्षणः—**इसमें प्रयुक्त वस्तुओं की उर पथों का, जो कि वस्तु अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा। जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

## अनसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/9417/85-86 जो दिसम्बर 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पुना के दफ्तर में लिखा गया है ।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना

दिनांक : 17-3-1986  
मोहर :-

प्राकल्प आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 27 फरवरी 1986

निर्देश सं० 37ईई/6701/85-86—अतः मुझे, अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सख्या सो० टी० एस० न० 917/17 शिवाजी-नगर पुना-4 है तथा जो पुना में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज/सब रजिस्ट्रार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का, वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्णात् :—

1 मेसर्स बी० के० प्रमोटर्स जयदेव 721/1/20 प्रशान्त नगर, नवोपेठ, पुना 30 ।

(अन्तरक)

2 श्री उपेन्द्रा केसर कानिटकर और आय 12 गणेश-वाडो, पुना 4 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाज्यः :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/6701/85-86 जो जनवरी 86 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पुना के दफ्तर में लिखा गया है ।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना

दिनांक: 27-2-1986  
मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

साध्यक आयकर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 13 फरवरी 1986

निर्देश सं० 37ईई/9433/85-86—अतः मुझे, अनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्रोजेक्ट डिवीजन एक्सप्रेस टावर 6वा मजिल्  
नरिमन पार्क बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इसमें  
उपाय अन्तर्गुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार  
अधिकारों के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज/सब रजिस्ट्रार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खयमान  
प्रतिफल से, ऐसे खयमान प्रतिफल के पन्ने प्रतिफल से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
सूच्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बात, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने की सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स गृह बिज्डर्स, 40-41 विशाल शापिंग  
सेन्टर, सर एम० बी० रोड, मधेरी कुर्ली (ई)  
बम्बई

(अन्तरक)

(2) श्री सीमिता कुमार बसू, एसोसिएट्स सीमेंट  
कम्पनी लि० प्रोजेक्ट डिवीजन एक्सप्रेस टावर  
छठा मजिला नरिमन पार्क, बम्बई

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थ के लिए  
कार्यवाहियां कराए हों।

उक्त संघर्ष के अन्तर्गत के संबंध में कोई भी आलोच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/9433/85-86 जो  
जनवरी 86 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन  
रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पूना

तारीख : 13-2-1986

मोहर :

प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता में

साक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, पूना

पूना, दिनांक 3 फरवरी 1986

निर्देश सं० 37ईई/9434/85-86—अन: सुझे, अनिल  
कुमार,

साक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सख्या प्लॉट न० 204 "सर्वोदय" प्लॉट न०  
29-बी०, सैक्टर न० 4 भाई सर्वोदय को-ऑपरेटिव हाउसिंग  
सोसायटी लि०, है तथा जो वासी में स्थित है (और इससे  
उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त  
(निरीक्षण) अर्जुन रंज/मब रजिस्ट्रार में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
जनवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि सहायक आयकर आयुक्त का उचित बाजार मूल्य,  
उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-  
रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तर्गत में सूची की गई आय की राशियाँ, उक्त  
अधिनियम के अधीन यह सूची के अनुसार से  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी भू-या अन्य जाँचकर्ता  
को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या अन्य अधिनियम, या अन्तर्गत  
में सूची की, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
कानूनी प्रमाण प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था किन्तु ऐसे सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2—226GI/86

(1) मैसर्स गृह बिजनेस 40-41 विशाल शापिंग सेन्टर  
सर एम० बी० रोड अंधेरी (ई) बम्बई

(अन्तरक)

(2) श्री आर० के० रामचंद्रन नायर ए० सी० सी०  
प्रोजेक्ट डिवाजन, तारीमन पार्कट बम्बई

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति को वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत न० 37ईई/9434/85-86 जो  
जनवरी 86 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन  
रंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, पूना

तारीख 13-2-1986

मोहर :

प्रश्न आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 17 फरवरी 1986

निर्देश सं० 37ईई/2437/85-86—अतः मुझे, अनिल  
कुमार;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 1, सर्वोदय प्लॉट नं० 29-  
बी०, सैक्टर नं० 4 बम्बई नई सर्वोदय को-ऑपरेटिव हाउसिंग  
सोसायटी लि०, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त  
(निरीक्षण) अर्जुन रेंज/पूना रजिस्ट्री में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
जनवरी 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एतरे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
नियंत्रण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

(1) मेसर्स गृह बिल्डर्स, 40-41 विशाल शापिंग  
सर एम० बी० रोड, अंधेरी (ई) बम्बई  
(अन्तरक)

(2) श्री एम० एस० केरकर और अन्य सी०-2/5/1.4  
सैक्टर नं० 4 बम्बई नई बम्बई  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन को लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितद्वेष  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

शुद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकरण क्र० 37ईई/9437/85-86 जो  
जनवरी 1986 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन  
रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पूना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
के भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 17-2-1986  
मोहर :

## प्रत्यक्ष बाई-टी एच एच एच एच

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-क (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 18 फरवरी 1986

निर्देश सं० 38ईई/9435/85-86—अतः मुझे, अनिल

कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 203, नई सर्वोदय को-ऑपरेटिव सोसायटी लि० प्लॉट नं० 29-बी०, सैटक्टर नं० 4 बसई है तथा जो बसई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज/सब रजिस्ट्रार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अंशमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अपापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अंशमान प्रतिफल से, ऐसे अंशमान प्रतिफल का संवत् प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिद्धि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अंतरण में हुई किसी भाग की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कट जाने के अन्तरक के अस्तित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) इसी किसी भाग या किसी धन या अन्य अस्तित्व को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गृहीत द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-क के अन्तर्गत को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों को अज्ञात है—

(1) मैसर्स गृह बिल्डर्स, 40-41 विशाल शापिंग सेंटर सर एम० बी० रोड, अंधेरी (ई) बम्बई।

(अन्तरक)

2) श्री के० बी० किशोरी और अन्य 702 अमृत तुपार 14वीं रोड, खार बम्बई।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आप्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/9435/85-86 जो जनवरी 86 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

लक्ष्मण दास  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख 17-2-1976

मोहर :

प्रकृप नाहः टी. एन. एस. ५-५-५५

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर भाग्यक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 20 मार्च, 1986

निर्देश सं० ३८ईई/१४२८/८५-८६—अतः मुझे, अनिल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2(9) के अधीन सञ्चय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 104, विल्डिंग बर्धमान पार्क  
वर्सई नई बम्बई है तथा जो नव बम्बई में स्थित है  
(आर इससे उपाबद्ध अनुसूची में आर पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर  
आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी  
1986

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित बें वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है—

(क) वायुमंडल में हुए किसी प्रायः कार्य का वायु, उसका प्रतिनिधित्व की क्षमता कर देने की क्षमताएँ की वायुमंडल में कभी करने या वायु में क्षमता की क्षमता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसका अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गृहीत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सविधा के लिए;

उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मैसर्स बंधुमान बिल्डर्स 40-41 विनाल शापिंग  
मेन्टर, सर एम० वी० रोड, अंधेरी (ई) बम्बई ।  
(अन्तरक)

(2) श्री साराज महादेव बगाडे 276 ए, म्यूनिसिपल  
चौक, लक्ष्मीबाग के पास साराज बम्बई  
(अन्तर्जिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उपलब्ध सम्पत्ति के व्यर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक

(क) इस सूचना के सारपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि श्रावणम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, आ की अवधि बाद में संचालित होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राष्ट्रपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाञ्छ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोद्धस्ताभरी के पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनसुखी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/9427/75-76 जो जनवरी 76 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जेंट रेंज पना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जुन रेंज, पुना

तारीख : 20-3-76  
मोहर :



**प्रश्न बाई.टी.एन.एस.**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 20 मार्च, 1986

निर्देश सं० 37ईई/9420/85-86—श्रुत: मुझे, अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका संख्या फ्लैट नं० 703, वर्तमान पार्क, प्लॉट नं० 49 वीक्टर 17 वसई नई बम्बई है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जुन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का उन्द्ग प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्बेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तियों के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स वर्धमान बिल्डर्स, 40-41 विशाल शापिंग सेन्टर, सर एम० वी० रोड अंधेरी (ई) बम्बई (अन्तरक)

(2) श्री शमीन उमेर राजकोटवाला बुक्स व्हीला 5 शिवालिंगपुरा मेसूर।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/9420/85-86 जो जनवरी 86 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेंज पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पुना

तारीख: 20-3-1986  
मोहर:

इसका बार्ड की संख्या 40—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 21 मार्च, 1986

निर्देश सं० 37ईई/9422/85-86—अतः मुझे, अनिल

कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 503, वर्धमान पार्क में प्लॉट नं० 49, सेक्टर 17, बम्बई, नई बम्बई, है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेंज रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवस्था प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्यमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं है। नया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भी बात की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए जारी/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी भी या अन्य वास्तव्य को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स वर्धमान बिल्डर्स, 40-41 विमाल शापिंग सेक्टर, सर एम० वी० रोड, ग्रंथेरी (ई) बम्बई। (अन्तरक)

(2) श्री असीफ के० राजकोटवाला 30 मारुती लेन फोर्ट बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के संबंध में विश्व कार्यवाहियां शुरू करवा दें।

उक्त प्रत्यक्ष के अर्जुन रेंज सम्बन्ध में कोई भी प्रतिक्रिया—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयोजन सबको और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/9422/85-86 जो जनवरी 86 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेंज पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पुना

तारीख: 21-3-1986

मोहर:

प्रमुख आर्.टी.एन.एस.]

**भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 21 मार्च, 1986

निर्देश सं० 37ईई/9424/85-86—अतः मुझे, अनिल कुमार,

**भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)** (जिससे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य ₹ 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 2, वर्धमान पार्क, प्लॉट नं० 49, सेक्टर 17, डी० बी० सी० बम्बई नई बम्बई है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से ऐसे व्यवमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरीय (अन्तरीयों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य को, जिन्हें भारतीय भाष्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जम्मावृत्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहुए था, छिपाने में सक्ति के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम के धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स वर्धमान बिल्डर्स 40-41 विशाल शापिंग सेक्टर, मर एम० बी० रोड अंधेरी (ई) बम्बई (अन्तरक)

(2) श्री तुषार मनोहर देसाई और अन्य 80/5 यशोधरा, पहला संजला, वीर सावरकर मार्ग दादर बम्बई।

(अन्तरीय)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वास्तव्य—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के द्वारा लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/9424/85-86 जो जनवरी 86 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन पूना के दफ्तर में लिखा गया है

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पूना

तारीख : 21-3-86

मोहर :

प्रकाश भाई. टी. एन. एड.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सारांश संख्या:

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जुन रंज, पूना

पूना दिनांक 21 मार्च 1986

निर्देश सं० 37ईई/9529/85-86—अतः मुझे अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 603, वर्धमान पार्क में प्लॉट नं० 49, सेक्टर 17 डी० वी० सी०; बम्बई नई बम्बई है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (और मझसे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के समूह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय नामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित से आवश्यक रूप से वर्धित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में करी करके या सरल बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को किन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार करने में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :—

1. मेधर्ष वर्धमान बिल्डर्स 40-41, विशाल शापिंग सेंटर, सर एम० वी रोड, अंधेरी (ई) बम्बई। (अन्तरक)

2. डा० मोहन दत्तात्रय दाते, 111/31, टाटा हाउसिंग कालोनी, चेम्बूर बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाही कराई जा रही है।

उक्त संपत्ति के वर्धन के संबंध में कोई भी आपाध :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त सबों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**संपूर्ण**

जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता क्र० 37ईई/9429/85-86 जो जनवरी 86 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रंज पूना के दफ्तर में दिखाया गया है।

अनिल कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रंज, पूना

दिनांक 21-3-1986

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 25 मार्च 1986

निर्देश सं० 37ईई/9419/85-86--अतः मुझे. अनिल  
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
हमके पत्रात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 702, वर्धमान पार्क में प्लॉट  
नं० 49 सेक्टर 17, वासिम नई बम्बई है तथा जो नई बम्बई  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहा-  
यक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
जनवरी 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्वारित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
3-226GI/8

1 मेसर्स वर्धमान विल्डर्स 40-41 विशाल शापिंग सेन्टर,  
सर एम० वी० रोड, अंधेरी (ई) बम्बई ।

(अन्तरक)

2 श्री महेंद्रा केशवजी संपत 62 नोलकठ अपार्टमेंट  
ब्लॉक नं० 22, हिल रोड, वरकी बम्बई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाठ  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/9419/85-86 जो  
जनवरी 86 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन  
रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

अनिल कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 25-3-1986  
मोहर :

प्रकृष बाबू. टी. एन. एच. . . . .

1. श्री चन्द्रकान्त पांडुरंग सिंदे और अन्य ।  
165 सोमवारपेठ पूना ।आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

2. मेसर्स अभय कन्स्ट्रक्शन 1365 सदाशिवपेठ पूना-  
30 ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 24 मार्च 1986

निर्देश सं० 37ईई/6515/85-86—अतः मुझे; अनिल

कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सी० टी० एस० नं० 365, सोमवारपेठ  
पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेंज में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन दिनांक जनवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वार्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की वापस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रायः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/6515/85-86 को  
जनवरी 86 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन  
रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक : 24-3-1986

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 24 मार्च 1986

निर्देश सं० 37ईई/6311/85-86—अतः मुझे, अनिल  
कुमार

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 17/1/1 प्लॉट नं० 6 धनकवड़ी  
ता० हवेली जिला पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और  
इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त  
निरीक्षण अर्जुन रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए व्ययों की गई है और मुझे यह विश्वास  
है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उससे व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का  
एक प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने की अंतरक को  
दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण  
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के अंतर्गत है—

1. श्रीमति द्वारकाबाई गंगाधर विश्वासराव 17/1/1  
प्लॉट नं० 2, धनकवड़ी पूना 9।

(अन्तरक)

2. मेसर्स चैतन्य प्रमोटर्स अन्ड बिल्डर्स 25 बृधवारपेट  
अप्पा बलवंत चौक पूना।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति की बर्जनों के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जनों के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
40 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और उनके अर्थ, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/6311/85-86 जो  
जनवरी 86 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेंज  
पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक : 24-3-1986  
मोहर.

**प्रथम भाग—टी.एन.एच.—**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 11 अप्रैल 1986

निदेश सं० 37ईई/9432/85-86—अतः मुझे, अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 106, निर्माण विकास प्लॉट नं० 10, निर्माण नगर सर्वे नं० 50, नल्लासोपारा (डब्लू), ता० बसई जिला थाना है तथा जो थाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक को बाबत के कयी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; कार/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या वस्तु वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. भेसर्स निर्माण असोसिएट्स 40-41, विशाल शापिंग सेंटर, सर एम० बी० रोड, अंधेरी (ई०) बम्बई । (अन्तरक)
2. श्री जॉन फरनाडीस, प्लॉट नं० 4, निर्माण संदेश निर्माण नगर नल्लासोपारा (डब्लू), जिला थाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

**उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बायोप 2—**

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जपोहस्थाकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/9432/85-86 जो जनवरी 86 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, पूना

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के अ० बी० उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

दिनांक : 11-4-1986  
मोहर :



शारूप भाई टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
की धारा 269 ग (1) के अधीन संचालित

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना;

पूना; दिनांक 1 अप्रैल 1986

निदेश सं० 37ईई/577/85-86—यतः मुझे अनिल कुमार,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 5, सर्वे सं० 129 सी० टी० एस०  
सं० 782 कोथरुड पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और  
इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार हवेली में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
नवम्बर 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि अभावपूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) बन्धन से हुई किसी अन्य की वस्तु, उक्त  
अधिनियम के अधीन कट्टे के बन्धन के अधिनियम  
में कमी करने या उक्त बन्धन में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी वन या अन्य वास्तविक  
को बिना भारतीय बाब-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसारण  
में, य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मेसर्स वीजे बिल्डर्स  
1271 इन्कन जिमखाना, पूना—4  
(अन्तरक)
- (2) चेयरमैन वी विष्णुपुरी को०-आ० हाउसिंग  
सोसायटी लि० सर्वे सं० 129, सी० टी० एस०  
सं० 782 पोड रोड, पूना-29।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध से कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्त  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्तकारी के साथ  
लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरण :—इसमें प्रकट कथों और कथों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्ध 20-क में परिभाषित  
हैं, वही बर्ण होना या उक्त अन्ध में लिखा  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/577/85-86 जो  
नवम्बर 85 को सब रजिस्ट्रार हवेली के दफ्तर में लिखा गया  
है।

अनिल कुमारी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक : 1-4-76  
मोहर :

**संयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43)**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना,

पूना, दिनांक 31 मार्च 1986

- (1) श्रीमती इंदुबाई माहस्तो सेवकर  
और अन्य सर्वे सं० 77 वानवरी पूना—13  
(अन्तरक)
- (2) मेसर्स परमार बिल्डर्स  
321/3 नया टिम्बर मार्केट रोड, पूना ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की बचत के लिए  
कार्रवाई कराई जा रही है।

उक्त सम्पत्ति के बचत के सम्बन्ध में कोई भी बचत :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्समवर्ती व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में बराबर होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों ने किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुक्त  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के कक्ष  
निहित में किए जा सकेंगे।

व्यक्तिकरण :- इसमें प्रयुक्त कर्मा और पत्रों का, जो उक्त  
अधिनियम, के बध्नाय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही वर्ष होना जो इस बध्नाय में दिया  
गया है।

निर्देश सं० 37ईई/6226/85-86—यतः मुझे, अनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 77/48/1ए और सर्वे सं० 70-71  
वानवरी पूना-13 में स्थित है (और इससे उपाय अन्तर्गुची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी  
1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि अधोदस्ताक्षरी सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे वर्तमान प्रतिफल का  
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निहित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण के द्वारा किसी लाभ की, वस्तु, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उक्त बचत में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) इसी किसी धार या किसी धार या अन्य व्यक्तियों  
को बिना भारतीय व्यवसाय अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या व्यव-  
साय अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अधोदस्ताक्षरी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या न किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा  
की।

यतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/6226/85-86 जो  
जनवरी 86 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन  
रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 31-3-1986  
मोहर :

प्रकाश वा.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 12 जून 1986

निदेश सं० 37ईई/6320/85-86—यतः मुझे, अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवशत करने का  
आयुक्त है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फायनल प्लॉट 556/9/4 टी० पी० स्कीम  
सं० 1 आर्बुर्डी सी० टी० एस० सं० 1162/9/5 शिवाजीनगर  
पूना में स्थित है (श्रीर इसमें उपायुक्त अनुसूची में श्रीर पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक  
आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज/सब रजिस्ट्रार, में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक जनवरी 1986

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम की अवमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवशत  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अवमान प्रतिफल से, ऐसे अवमान प्रतिफल के पक्ष  
प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिणी  
(अंतरिणी) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वारस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
वास्तव में कमी करने या उसके बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री बालकृष्ण लक्ष्मण गोखले,  
10 इन्द्रायणी बी-15वी गल्ला प्र० मानरोड  
पूना-4 ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाश वासुदेव श्रीटी  
राहुल चेंबर्स इसरामाला कर्वे रोड, पूना-4  
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां कराया है।

उक्त संपत्ति को अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवशुध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभावस्थाधारी के पात्र  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-इसके प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अक्षर

(जैसा कि रजिस्ट्रेशन सं० 37ईई/6320/85-86 जो  
माह जनवरी 86 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन  
रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है )

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक : 12-6-1986

शेहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एड.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 12 जून 1986

निदेश सं० 37ईई/679/85-86—अतः मुझे, अनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसे सं० म्युनिसिपल थ० नं० 430/25 सी०-II सं०  
नं० 624/बी एम० जी० रोड, नासिक है तथा जो नासिक में  
स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता/अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर  
आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज/सब रजिस्ट्रार में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी  
1986

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि बंधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए दाय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या लगभग अन्तरण से अन्तरण  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाये में  
स्थापना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) श्री मधुसूदन जनार्दन अभ्यार एण्ड अदर्स  
लाज आर/श्री, एम० जी० रोड, नासिक।  
(अन्तरक)

(2) मेसर्स मयुरेश बिल्डर्स प्रो० श्री एम० बी० गंगले  
4207 पंचवटी नासिक।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के संचयन में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के संचयन में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किया जा सकेगा।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत सं० 37ईई/679/85-86 जो  
माह जनवरी 1986 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रोड पूना के दफ्तर में लिखा गया है)

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 12-6-1986

मोहर :

प्रकृत बाह्य टी. एन. एत.-----

(1) श्री आर० ह्री० शोधुले एण्ड उदर्स  
109/2 एरडावना पूना—4आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

(2) साठे गोडमे  
9244 सदाही व पेठ पूना-30 ।

(अन्तरितो)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 12 जून 1986

निदेश सं० 37ईई/6523/85-86—यतः मुझे, अनिल

कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी संख्या फायनल प्लॉट नं० 43/2 एरडावला पूना-4  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख जनवरी 1986को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सापेक्ष में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
को लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
की, अर्थात्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
4-226GI/86को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युत्पादक के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत सं० 37ईई/6523/86-88 जो  
माह जनवरी 86 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जुन  
रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जुन रेंज, पूना

दिनांक : 12-6-1986

मोहर :

प्रमाण आई. टी. एन. एच.

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 जुलाई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एकरयू० करनाल/170/85-86—अतः मझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 45 एकड़ भूमि, 17 के एम स्टोन करनाल अध रोड पर स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 18-12-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अरविन्द पाल सिंह, तेजिन्दर पाल सिंह निवासी—नं० सं० 41, अशोक कालोनी, करनाल (अन्तरक)

(2) सर्वश्री बलबीर सिंह, बलवन्त सिंह पुत्रगण श्री बीर सिंह, निवासी बाई पास, जी० टी० रोड, करनाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है;

अनुसूची

सम्पत्ति 45 एकड़ भूमि जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, करनाल में रजिस्ट्री संख्या 3645 दिनांक 17-12-1985 पर दिया है ।

बी० एल० खत्री  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 9-7-1976  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 जलाई 1986

निदेश सं० आई० ए० सो०/एक्यू० गुडगांव/141/85-86--

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन प्रथम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० 17 कैनाल, 2 मारला, ग्राम चोमा, गुडगांव  
में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडगांव  
भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक  
6-12-1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः कि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शोश राग पुत्र सभाचन्द  
निवासी—ग्राम चोमा गुडगांव

(अन्तरक)

(2) मे० अंतन हाउमिंग फाइनैस एण्ड लीजिंग कं०  
प्रा० लि० 115, असल भवन, 16-कस्तूरबा  
गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

संपत्ति 17 कैनाल, 2 मारला भूमि जिसका अधिक  
विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगांव में रजिस्ट्री  
संख्या 5353 दिनांक 6-12-1985 पर दिया गई है।

बी० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-रोहतक

दिनांक : 9-7-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 जुलाई 1986

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुडगांव/138/85-86---

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7 बीघा 5 बिस्वा (पुख्ता) भूमि ग्राम नत्थूपुर  
गुडगांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
गुडगांव भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक  
6-12-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
संग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शिवा राम, बलबोर पुलगण पुरम  
निवासी—ग्राम नत्थूपुर, जिला गुडगांव ।

(अन्तरक)

(2) मै० अपोलो लैण्ड एण्ड हाउसिंग कं० (प्रा०),  
लि० 21—भरिन्द्र प्लेस, संसद मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वादों :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवक्षित  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 8 बीघा 5 बिस्वा (पुख्ता) भूमि जिसका अधिक  
विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुडगांव में रजिस्ट्री संख्या  
5361 दिनांक 6-12-1985 पर दिया है ।

बी० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

दिनांक : 9-7-1986

मोहर :



बुद्ध, गार्ह, श्री, बुद्ध, बुद्ध, - २२२

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**भाएल नएखार**

आचार्य, सहायक नायक नायिका (निर्देशक)

अर्जन रेंज, रोहतास

रोहतक, दिनांक 10 जुलाई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/गुडगांव/29/85-86--

अतः मुझे, बी० एल० खन्ना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है।

श्रीरजिस्की सं० 26 कैनाल, 15 मारला भूमि, गांव सिरहोला, गुडगांव में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडगांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 10-12-1985.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूँके यह विषयाव करने का कारण है कि वशापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए एक पाया गया प्रतिफल, विन्यासित कानून है उक्त अन्तरण विन्यास में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।—

(क) अंतरण से हुए किसी भाषा की भाषा, उक्त अधिनियम में वर्णित कर देने से अन्तरण से प्राप्त होने वाली कट्टर या उचित करने से सुविधा से लिए जाने/या

(ग) एसी किसी माय या किसी धन या अन्य वास्तुवां को, जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जियान में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग में अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री खेमचन्द पुत्र जमन भर्तृ पुत्र निहाल  
निवासी--सिरहोल तह० एवं जिला-गुडगांव  
(अन्तरक)

(2) ग्रंथाल प्रापटीज एण्ड व्हण्डस्ट्रीयल (प्रा०) लि०-115  
ग्रंथाल भवन, 16-कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।  
(अन्तर्लिपि)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त समिति के अर्जन के सिध्द कार्यवाहियां शुरू करता है।'

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधये :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पार/लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनसूची

सम्पत्ति 26 कैनाल, 15 मारला भूमि जिसका अधिक  
विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुडगाव में रजिस्ट्री संख्या  
5434, दिनांक 10-12-1985 ।

बी० एल० खत्री  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 10-7-1986

मोहर :

प्रथम अर्ध-द्वि. एन. एच. -----

भाषण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 जुलाई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू गुडगांव/133/85-86—

अतः मुझे, श्री० एल० खत्री,

भाषण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इससे पहले 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सहायक आयुक्तों को यह विज्ञापन करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 5 एकड़ भूमि, मास्ति कम्प्लेक्स, इण्डस्ट्रियल  
एरिया गुडगांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाय अनुसूची में  
श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
गुडगांव भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक  
24-12-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अचानक  
विक्रय के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विज्ञापन  
करने का कारण है कि बंधनपूर्वक सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे वर्तमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए तय प्राप्ति  
का प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरन लिखित  
के वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुए किसी भी भाग की वास्तविक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के  
वास्तविक से कम करने या उक्त करने के सूचना  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भाग का अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
गया चाहिए था, जानने में सूचना के लिए;

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की धारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री० श्रीरिण्डल स्टील (प्रा०) लि०, जनकपुरी  
एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री० मिलकफूड लि०, पांचवीं मंजिल, भण्डारी,  
हाउस, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मूल्य के लिए  
कार्यवाही शुरू करवा दी।

उक्त सम्पत्ति के मूल्य के संबंध में कोई भी वाक्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्समन्धी व्यक्तियों के  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के हित-  
सूचक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, बंधनकारी के  
पाद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 5 एकड़ भूमि में स्थित जिसका अधिक विवरण  
रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुडगांव में रजिस्ट्री संख्या 5650  
दिनांक 24-12-1985 पर दिया है।

श्री० एल० खत्री

सहायक आयुक्त (निरीक्षण),

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रंज, रोहतक

दिनांक : 7-7-1976

क्षेत्र :

प्रकट आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 जुलाई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० हिसार/96/85-86---

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 77 कैनाल 5 मरला भूमि, ग्राम सलोड, खास (हिसार) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधिन, दिनांक 19-12-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वश्री मोम प्रकाश, सतबीर सिंह पुत्रगण ज्ञानीराम तथा ज्ञानीराम पुत्र मामन, ग्राम सत रोड खास, जिला—हिसार।

(अन्तरक)

(2) म० भानु आयरन एण्ड स्टील कं० लि०, 10 के० एम० स्टोन, दिल्ली रोड, हिसार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 77 कैनाल, 5 मरला, भूमि जो ग्राम सतरोड खास हिसार में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, हिसार में रजिस्ट्री संख्या 5483 दिनांक 19-12-85 पर दिया है।

बी० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, रोहतक

दिनांक : 9-7-1986

मोहर :

प्रकृष बाई, टी. एन. इत,-----

भारत सरकार, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-क (1) के अधीन प्रकृष

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 जुलाई 1976

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० पानीपत/95/85-86—

अतः मझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसको सं० 143 कैनाल, 2 मारला भूमि, गांव सनोली  
खुर्द, तह० पानीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, पानीपत में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961  
के अधीन, दिनांक 13-12-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि दयापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल के  
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया  
कम निम्नोक्तित उद्देश्य से उक्त अन्तरक विधित में वास्तविक  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक है वह किसी नाम की दायक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक की  
दायक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों  
को, जिन्हें प्राचीन आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः मजे, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1)  
में, जो उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नोक्तित व्यक्तियों, वर्णित है—

(1) सर्वश्री गुरदीप सिंह 2 दर्शनसिंह 3 कासा सिंह  
पुत्रगण श्री लक्ष्मण सिंह  
निवासी—ग्राम सनोली खुर्द, तह० पानीपत  
(अन्तरक)

(2) सर्वश्री 1. लालचन्द पुत्र श्री धरम सिंह 2. श्री राम  
महूर पुत्र श्री धरम सिंह 3. रामशेर सिंह पुत्र श्री  
धरम सिंह 4. परविन्दर सिंह पुत्र श्री प्रेम सिंह  
5. श्री बलजीत सिंह पुत्र प्रेम सिंह 6. बलवन्त सिंह  
पुत्र श्री धरम सिंह सभी निवासी ग्राम सिवाह,  
तह० पानीपत ।

(अन्तरितों)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की वर्णन के लिए  
कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी दावे :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्यग् व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो की  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इससे प्रकृत व्यक्तियों की उक्त धारा, जो उक्त अधि-  
नियम की धारा 20-क में परिभाषित है, नहीं  
बर्णनीय, जो उक्त सूचना में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 143 कैनाल, 2 मारला भूमि ग्राम सनोली  
खुर्द में तह० पानीपत में स्थित है। जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्री-  
कर्ता के कार्यालय, पानीपत में रजिस्ट्री संख्या 4385 दिनांक  
13-12-75 पर दिया है ।

बी० एल० खत्री  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, रोहतक

दिनांक : 16-7-1986

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 जुलाई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० पेहवा/1/85-86---

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बजाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सूचना प्रत्येकरी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 242 कैनाल, 9 मारला भूमि ग्राम धनीराम-पुरा, तह० पेहवा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेहवा, में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक 2-12-85,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार प्रतिफल में लिए अंतरित की गई है और यहाँ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके व्यवहार प्रतिफल से, ऐसे व्यवहार प्रतिफल का गन्नाह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाधा गया प्रतिफल, निर्मालीकृत उपबन्ध के अन्तर्गत लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरक से हुई किसी बाधा की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाधा या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रत्येकमार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
य अ. उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निर्मालीकृत व्यक्तियों, अर्थात् :—  
5-226 GI/86

(1) 1 श्री इकबाल सिंह 2 जगपाल सिंह पुत्रगण श्री गुरुबख्त सिंह 3 श्रीमती जोगिन्दर कौर पुत्री श्री गुरुबख्त सिंह 4 बादल सिंह पुत्र श्री केहर सिंह 5 भूपिन्द्र सिंह पुत्रगण श्री चामन सिंह निवासी—त्रिलोकपुरा तह० पेहवा ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहिन्दर सिंह पुत्र श्री जीवन सिंह  
2 श्री बचन सिंह पुत्र श्री दुरदियाल सिंह ।  
3 श्री कर्मचन्द 4 श्री भागमल 5 श्री सरपसिंह पुत्रगण श्री पती राम निवासी—रतगल तह० धानेसवर ।

(अन्तरिणी)

(3) —

(वह व्यक्ति, जिसके कब्जे में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि कम से कम हो जाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्ति :—इसमें प्रयुक्त कब्जों और पत्रों का, यह उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं बर्ण होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 242 कैनाल, 9 मारला भूमि, है जो ग्राम धनीराम पुरा तह० पेहवा में स्थित है। जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, पेहवा रजिस्ट्री संख्या 1303 दिनांक 2-12-85 पर दिया है ।

बी० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक 16-8-1986

मोहर

प्रकृष बाई. टी. एन. एल. 1986-87-88

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 जुलाई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० बराड़ा/30/85-86—

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसकीपश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 149 कनाल जो गांव जलूबी में स्थित है (और इसमें उपाधुद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बराड़ा में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिन क 23-12-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की गवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्ति, बराड़ा :—

(1) सर्वश्री मनमोहन, सूरिन्द्र मोहन, पुत्रान रामलाल इन्दर गेन पंथी चन्द पुत्रान देवन चन्द पुत्र करम चन्द नि०—जलूबी तह० बराड़ा, जिला अम्बाला।

(अन्तरक)

(2) श्री दिलबाग राय पुत्र लाल भीम सेन, वेद प्रकाश रूभाप चन्द्र, पुत्र मंगल देन, लाल चानन शाह पुत्र लाला किरपाराम मनोहर लाल पुत्र लाला चाननशाह निवासी—गण—गाह्वाद मारकण्डा, तह० थानेसर जिला—कुरुक्षेत्र।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 149 कनाल जो गांव जलूबी में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बराड़ा में रजिस्ट्री संख्या 1424 दिन क 23-12-75 पर दिया है।

बी० एल० खत्री  
तत्त्व प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 16-7-1986  
मोहर :

प्रमाण बाई टी. एन. एन. एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजमेर रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 जून 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० हिसार/93/85-86--

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 37 कैनाल, 12 मरला ग्राम डाबरा, हिसार में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 9-12-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ए० ई० किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राम कुमार पुत्र श्री नेतराम स्वयं मुख्यारेआम श्री हरचन्द लाल चन्द, बीरसिंह, रामानन्द राजेन्द्रसिंह एण्ड शेर सिंह पुत्रान श्री नेतराम ग्राम डाबरा हिसार ।

(अन्तरक)

(2) श्री हिसार माडर्न हाउस बिल्डिंग सोसायटी, हिसार द्वारा प्रधान श्री काशीराम गुलयाणी म० न० 60, एम० सी० कालोनी, हिसार ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 37 कैनाल 12 मरला जो ग्राम डाबरा, हिसार में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हिसार में रजिस्ट्री संख्या 5213 दिनांक 9-12-85 पर दिया है ।

बी० एल० खत्री  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अजमेर रेंज-रोहतक

दिनांक : 30-6-1986

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 जुलाई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० रेवाड़ी/29/85-86—

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

अधिकारी सं० 94 कैनाल, 18 मरला ग्राम मालपुरा में  
स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रेवाड़ी भारतीय  
आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 11-12-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
बास्तविध रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों : अर्थात् :—

(1) श्री लाल सिंह पुत्र श्री रामसरूप  
निवासी—भालपुरा तह० रेवाड़ी।

(अन्तरक)

(2) श्री रोशनलाल पुत्र माधोराम पुत्र श्री गुड़श्याम  
निवासी—ग्राम सिलोखेड़ा, गुड़गांव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 94 कैनाल, 18 मरला जो ग्राम मालपुरा, रेवाड़ी  
में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय  
रेवाड़ी में रजिस्ट्री संख्या 2669 दिनांक 11-12-85 पर  
दिया है।

बी० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, रोहतक

नांक : 14-7-1986

मोहर :



प्ररूप माह २-टी १ एम १ एच १

भाष्यकर अभिनव, 1961 (1961 का 43) का  
पृष्ठ 269-व (1) के अधीन सूचना

**QUESTIONS**

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अजंम रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 जुलाई 1986

निदेश सं० आर्ही० ए० सी०/एक्यू० गुडगांव/136/85-86---

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विशेष रूप से इसकी परमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सख्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका संचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. 42 के तहत 4 मरला कमर्से, गुडगांव में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडगांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 9-12-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि क्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धरण से उक्त अन्तरण निर्दिष्ट के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) मंत्रालय से हुए किसी बाध की वार्ता, उसके परिणामों के बर्णन करने के मंत्रालय से वार्ताओं में कमी करने का उद्देश्य रखने में सविधा के लिए: अतिरिक्त

(क) कौसी किसी नाम वा किसी धन वा अन्य वस्तुओं को, किन्तु भारतीय नागरिक अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या नागरिक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वस्तुस्थिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था, जिसमें से कृषि को लिए;

कहा कि, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ में अनुसूचक  
को, न, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)  
में स्थिति, निम्नलिखित स्थितियों, वर्ष १९८८

(1) श्री गिरवर सिंह पुत्र पूर्ण  
निवासी—कनहेई ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स ग्रीन पाक बिल्डिंग एण्ड प्रोमोटर्स (प्रा०), लि०, 115, अनसाल भवन, 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

की वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को जर्जन को निपट कार्यवाहियाँ करता हूँ।

सकल श्रमार्थि को सर्वत्र को सम्मान में कोई भी बाधे न—

(क) इस सूचना के सारजन में प्रकाशन की शारीर से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यगधी व्यक्तियों पर सूचना की समीर से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में सम्यग होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के द्वारा लिखित में किन्हीं या एक-से ।

**समाधिकरण :—** इसमें प्रयुक्त सस्त्रों और पैसे का, जो उक्त परिनिष्ठों को बन्धाय 20-क में परिवर्तित है, वही बर्ष होगा जो उस बन्धाय में दिया गया हो।

**अमृतसूत्रा**

सम्पत्ति 42 कैनास 4 मरला जो ग्राम कनहरी, गुड़गांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री सख्या 5400 दिनांक 9-12-85 पर दिया है ।

बी० एल० खत्री  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)\*  
अजमेर रेंज, रोहतक

दिनांक : 9-7-1986  
मोहर

(1) श्री खेमचन्द पुत्र श्री जामन, श्री भरतू पुत्र श्री निहाल  
निवासी सरडोल तह० गडगांव ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स असल प्रापर्टीज एंड इंडस्ट्री प्रा० लि०  
115 असल भवन 16 बम्बू रवा गांधी मार्ग, नई  
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को वह कृपा जारी करके सर्वोक्त सन्धि के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कराए हों।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहितक

जबकि सम्पत्ति के लब्धि के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएँ :-

रोहतक, दिनांक 9 जुलाई 1986

निर्देश सं० आर्ही० ए० सी०/एक्य० गृहगांध/128/85-86--

अतः मन्त्रे, वी० एल० खत्री,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम एजेंसी को यह विवरण करने का आग्रह है कि क्या वह अपने संपत्ति अधिकारों के अधीन 1,00,000/- रु. से अधिक है।

श्रीर गिरिजी सं० 33 कैनाल, 9 मंजरा ग्राम मरडोल, गुडगांव में स्थित है (श्रीर इसमें उपजद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुडगांव भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 10 दिसम्बर 1985 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मध्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अनुपेक्ष से उक्त अन्तरण सिद्धित हो वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि ज़रूर में सप्ताह होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के साक्ष्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में बिये जा सकने में।

**सन्दीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(क) अंतराप में हवाई किसी बाय की बायत, एकदम जलनियम की कभीन कर देने को अंतराप के सम्पत्ति या कभीन अंतराप या अंतराप में से सम्पत्ति को लिए; बाय/बा

[illegible]

सम्पत्ति 33 कभाल 9 मरला जो ग्राम सरडोल, गुडगांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगांव में रजिस्ट्री संख्या 5435 दिनांक 10-12-1985 पर दिया है ।

बी० एल० खत्री,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

बतः था, जल विधियम की धारा 269-ग के अनुसार  
 है, न, जल विधियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
 की अधीन निम्नलिखित व्यवस्थाएँ बनीं :—

दिनांक : 9-8-1986

**मोहर :**

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 जुलाई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गांव/137/85-86—

अन: मुझे बी० एल० खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें बदलाव 'सूचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5 बीघा 17 बिस्वा ग्राम नाथुपुर, गुड़गांव में स्थित है (ग्राम इलाका उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 6 दिसम्बर 1985।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्ष 8—

(1) सर्वश्री लक्ष्म राग, महावीर तिलोक पुत्रान चन्दन सिंह, श्रीमती शांती विधवा चन्दन सिंह, श्रीमती कृष्णा श्रीमती बाला पुत्रीयान चन्दन सिंह, रतनलाल, श्रीमती बलदेई पुत्री रामचन्द राम नाथुपुर जि० गुड़गांव।  
(अन्तरक)

(2) मैजर् बी० डी० इन्वैस्टमेंट एंड एजेंसीज लि०, 21-22, मरेन्द्रा पैलेस, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 5 बीघा 17 बिस्वा जो ग्राम नाथुपुर, गुड़गांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 5363 दिनांक 6 दिसम्बर 1985 पर दिया है।

बी० एल० खत्री,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 9-7-1976

मोहर :

प्रकरण भाई. टी. एन. एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 जुलाई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गांव/153/85-86--

अतः मुझे बी० एल० खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 82 कनाल, 8 मरला भूमि ग्राम शिलोखेड़ा में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 3 दिसम्बर 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बहुत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव का बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कटू होने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जा सके कि या जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री श्रीम प्रकाश पुत्र भीम सिंह, कूड़ा राम इत्यादि निवासी झाड़सा, गुड़गांव।

(अन्तरक)

(2) सही इन्सट्रक्शन कं० प्रा० लि०, 6 कोमूनटी सेंटर, साकेत, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन की लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी शिकायत :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नगोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अपुष्टी

सम्पत्ति 82 कनाल, 8 मरला जो ग्राम शिलोखेड़ा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 5281 दिनांक 3 दिसम्बर 1985 पर दिया है।

बी० एल० खत्री,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, रोहतक

दिनांक: 4-7-1986

मोहर:

रक्षक बाबू. श्री. एन. एल. खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर सहायक

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 जून 1986

निर्देश सं० आई० ए० एन०/एन०/गुडगांव/142/85-86—

अतः मुझे श्री० एल० खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जियकी सं० 27 कनाल, 5 मरला आस कनहेई, गुडगांव में  
स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय गुडगांव  
में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक  
6 दिसम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दरमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकी) और अन्तरिणी  
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए उभ पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित  
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है—

(अ) अन्तरक से हुई किसी भाग की वास्तव, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के बाविल  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ब) ऐसी किसी भाग या किसी भग या अन्य जास्तिवां  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रभावार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाता बाहिए या, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
6-226GI/86

(1) श्री मोहन लाल पुत्र श्री फूल सिंह, निवासी कनहेई,  
गुडगांव।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स देहली टावर एंड एस्टेट प्रा० लि०,  
115, ग्रंथ भवन, 16 कम्प्लेक्स गांधी मार्ग,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मूल्य के विशु  
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाकीप :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन के तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के प्रकाशन के तारीख से  
अथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
पात निर्दिष्ट में किए जा सकेंगे।

सम्बोधन :—इसमें प्रयुक्त सभी बाह्र वर्षों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही कार्य होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

संरक्ति 27 कनाल, 5 मरला जो ग्राम कनहेई, गुडगांव  
में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय  
गुडगांव में रजिस्ट्री संख्या 5339 दिनांक 6-12-1985 पर  
दिया है।

श्री० एल० खत्री,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेड, रोहतक

दिनांक: 30-6-1986

मोहर:

प्रमाण आदेश, ए. ए. ए. 1986

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 जुलाई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गांव/414/85-86—

अथ: मझे बी० एल० खत्री

आयकर अधिनियम (1961 (1961 का 43), जिसमें इसके द्वारा पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन उक्त प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 79 कनाल, 11 मरवा भूमि ग्राम-सिलोखेड़ा, तहसील गुड़गांव में स्थित है (और इसमें उगावट अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 21 फरवरी 1986।

यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँडे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरक) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उस पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख के अन्तर्गत लिखित में वास्तविक रूप में अधिक नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने का उद्देश्य नहीं है अधिनियम के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों अन्तर्गत प्रकट नहीं किया गया या उक्त प्रावधानों अन्तर्गत प्रकट नहीं किया गया, जिसमें से अधिनियम के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मून चन्द पुत्र श्री इन्द्र, निवासी ग्राम-सिलोखेड़ा, तहसील-गुड़गांव।

(अन्तरक)

(2) मै० सी० लायल एंड क० (कंसल्टिंग), प्राईवट लि०, 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरितों)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या दृश्यमान सम्पत्ति के दृश्यमान मूल्य की मापदंड में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यक्तिकरण:—उसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 79 कनाल, 11 मरवा भूमि जो ग्राम-सिलोखेड़ा तहसील गुड़गांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 6815 दिनांक 21-2-1986 पर दिया है।

बी० एल० खत्री,  
मुख्य प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, रोहतक

दिनांक : 14-7-1986

मोहर :

**मुख्य भाग टी.एन.एस.**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

**अर्जन रेंज, रोहतक**

**रोहतक, दिनांक 9 जुलाई 1986**

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० करनाल/186/85-86--

अतः मुझे बी० एल० खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 126 करनाल भूमि जो ग्राम जंडाला, तहसील करनाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से धणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 3 जनवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जहाँ अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के व्ययस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दी जाए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का पुनरुक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 2) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुमेर चन्द पुत्र श्री पूरन चन्द, श्री जयपाल सिंह, श्री सतबीर सिंह, पुत्रगण श्री सुमेर चन्द, श्री कृष्ण लाल पुत्र श्री पूरन चन्द निवासी कैलेण्डर गेट, करनाल (अन्तरक)

(2) श्री पन्दा सिंह, श्री बाबू राम पुत्रगण श्री सेवा राम, निवासी कैलेण्डर गेट, करनाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के दर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के दर्जन में सम्पत्ति के दर्जन की जांच की जायेगी।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृश्यमान किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कथित/संस्थापनी के द्वारा लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

सम्पत्ति 126 करनाल भूमि जो जंडाला, तह० करनाल में स्थित है। जहाँ का अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, करनाल रजिस्ट्री संख्या 3990 दिनांक 3-1-1986 पर दिया है।

बी० एल० खत्री,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 9-7-1986  
मोहर :

**इस अधिनियम का अर्थ—**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**अवगत, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 जुलाई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एक्यू० दिल्ली/17/85-86--

अतः मुझे बी० एल० खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बिल्डिंग एवं फैक्टरी क्षेत्रफल 31, 666 $\frac{2}{3}$  वर्ग गज जो मथुरा रोड़ फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 8 फरवरी 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिकूल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिकूल का पक्का प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाधा नया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में लीज नहीं किया गया है—

(क) व्यवसाय से हुई किसी भाव की वापस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक के अन्तरक के अन्तरक में कभी करने या उसके करने में सूचना के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना के लिए;

(1) मै० आटो पिम (इंडिया) प्रा० लि० 17/1 कम्प्यूनिटी सेंटर न्यू फ्रेडस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० एस० ए० प्रेसिंग (प्रा०) लि० 17/1 कम्प्यूनिटी सेंटर न्यू फ्रेडस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

**उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्रावधान—**

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भागहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**सूचीकरण—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

सम्पत्ति बिल्डिंग एवं फैक्टरी क्षेत्रफल 31, 666 $\frac{2}{3}$  वर्ग गज जो मथुरा रोड़ में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री संख्या 183 दिनांक 10-2-1986 पर दिया है।

बी० एल० खत्री,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

**अन्तः क्रम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—**

दिनांक 10-7-1986  
मोहर



**हस्त लिखित अधिनियम, 1961**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

**अर्जन रेंज, रोहतक**

**रोहतक, दिनांक 30 जून 1986**

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू गुड़गांव/410/85-86--

अतः मुझे बी० एल० खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 32 कनाल गांव सिलोखरा में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 17 फरवरी 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधानमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों को सूचित करता हूँ :-

- (1) सर्वश्री प्रताप सिंह, महिन्द्र सिंह, राम किशोर, कमल सिंह पुत्रान देगराज नि० कन्हेई, तहसिल गुड़गांव। (अन्तरक)
- (2) मै० यूनीटेक लि० यूनीटेक हाउस 6 कम्प्यूगिटी सेंटर साकेत, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति को अर्जन के निम्न कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

**उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा:-**

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिकतम अवधि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पक्ष लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

सम्पत्ति भूमि 32 कनाल जो गांव सिलोखरा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 6853 दिनांक 10-2-1986 पर दिया है।

बी० एल० खत्री,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 30-6-1986  
मोहर :

प्रत्यक्ष बाई-टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 जुलाई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० बराड़ा/31/85-86—

अतः मुझे बी० एल० खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 136 कनाल 15 मरले जो सिरसगढ़ में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बराड़ा में भारतीय  
आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 10 फरवरी 1986  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(अ) अन्तरक से हुए किसी आय की वसूल, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक से  
वास्तविक से कमी करने या उक्त वसूल से ह्रास  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सम्पत्ति  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिभा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री वेद प्रकाश पुत्र श्री आत्मा राम नि० मुलाना,  
तह० अम्बाला।

(अन्तरक)

(2) श्री अमर सिंह पुत्र श्री भम्बल सिंह सर्वश्री जगदीश  
सिंह, बलबीर सिंह पुत्रान अमर सिंह नि० मल्लूयान,  
यू० टी० चडीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षे :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्द  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्तासरी के पाठ  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 136 कनाल, 15 मरले जो सिरसगढ़ तह०  
अम्बाला में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के  
कार्यालय बराड़ा में रजिस्ट्री संख्या 1633 दिनांक 10-2-1986  
पर दिया है।

बी० एल० खत्री,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, रोहतक

दिनांक: 10-7-1986

मोहर

प्रकरण जारी, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर सहायक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 जुलाई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गांव/411/75-76--

अतः सु० बी० एल० खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 5 कनाल 14 मरले जो सिलोखरा में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में  
भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 21  
फरवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, सहायक  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाव  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) रावश्री जोश राम, हुसम सिंह, खजान सिंह बनवत  
सिंह पुवान फूल सिंह, मि० झाड़सा, तह० गुड़गांव ।  
(अन्तरक)

(2) मे० यूनीटेक विल्डर्स प्रा० लि० 6 कम्युनिटी सेंटर  
साकेत, नई दिल्ली ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 53 कनाल 16 मरले जो सिलोखरा में स्थित  
है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव  
में रजिस्ट्री संख्या 6829 दिनांक 21-2-1986 पर दिया है ।

बी० एल० खत्री,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, रोहतक

दिनांक : 10-7-1986

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 जुलाई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुडगांव/417/85-86—

अतः मुझे बी० एल० खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाएगा), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 11 कनाल 14 मरले ओ कन्हेई में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्व विभाग अधिनियम के कार्यालय गुडगांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 17 फरवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अन्तरिक्षों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित वास्तविक रूप से कायित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावद, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन है—

(1) सर्वश्री निआदर, चुओलाल, रतन सिंह पुत्रान श्री कन्हैया, श्री देका पुत्र सुखदेव, सेवा राम पुत्रदिल्लू, राम लाल पुत्र मंगला, नि० कन्हैई तह० गुडगांव । (अन्तरक)

(2) मै० अमल हाऊसिंग एंड एस्टेट्स (प्रा०) लि०, 115 अंसल भवन, 16 मस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्धन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्धक बंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 11 कनाल 14 मरले जो कन्हैई में स्थित है जिसका अधिक विवरण राजस्व विभाग के कार्यालय गुडगांव में राजस्व संख्या 6884 दिनांक 17-2-1986 पर दिया है ।

बी० एल० खत्री,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, रोहतक

दिनांक : 14-7-1986

मोहर :

प्रमुख बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजमेर रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 जुलाई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/गुड़गांव/341/85-86--

अतः मुझे बी० एल० खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 17 कनाल जो गांव खोमा में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 11 फरवरी 1986 का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1-226GI/86

(1) श्री चंदगी राम पुत्र राम स्वरूप नि० बिजवासन ।  
(अन्तरक)

(2) मै० ग्रंथल हाउसिंग फाइनेंस एंड लीजिंग क० लि०  
115 ग्रंथल भवन, 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाही कराता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति भूमि 17 कनाल जो गांव खोमा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 6650 दिनांक 11-2-1986 पर दिया है।

बी० एल० खत्री,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अजमेर रेंज, रोहतक

दिनांक : 10-7-1986

मोहः :

प्रकरण जारी, टी. एन. एल. एल.-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

सार्वजनिक सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतास

रोहतास, दिनांक 10 जुलाई 1986

निर्देशन सं० आई० ए० मो०/एक्यू० गुड़गांव/415/85-86—

अन०, मुझे, बी० एल० खत्री,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 79 कनाल 14 मरले जो सिलोखरा  
में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव  
में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक  
21 फरवरी, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की क्रयमूल्य  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच गणित अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को दिए;  
और/या

(ख) किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
के लिए अन्तरण अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1922  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के

अनुसार किया जाना चाहिए था, छिपाने में सक्षमता  
के लिए;

इस सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राम सिंह पुत्र इन्द्र पुत्र श्री मोती, नि० सिलोखरा  
तहसील गुड़गांव ।

(अन्तरक)

(2) मै० प्रीत पार्क विल्डर्स गृह प्रिमाटर्स (प्रा०) लि०  
115 अंशुल भवन, 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई  
दिल्ली ।

(अन्तरिणी)

प्रकाशन विभाग द्वारा प्रकाशित सभी पत्रिकाओं में से किसी  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के  
कार्यवाहियों शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के बर्तन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रामाण्यकारी के  
पास लिखित में विवाद हो सकेगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा। उस अध्याय में विधि  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 79 कनाल 14 मरले जो सिलोखरा में स्थित  
है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव  
में रजिस्ट्री संख्या 6814 दिनांक 21-2-1986 पर दिया है ।

बी० एल० खत्री,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतास

दिनांक : 10-7-1986

मोहर :

## प्रथम भाग, बी.एन.ए.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 जून 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गांव/418/85-86--

अतः, मुझे, बी० एल० खत्री,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 34 कनाल 5 मरले जो सिलोखरा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 17 फरवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिद्धि में वास्तविक रूप से अधिकतम नहीं किया गया है :-

(1) श्री रतीराम पुत्र खवानी, सुमरथ सिंह खुद व मुख्तार जय किशन पुत्र खवानी नि० कन्हाई ।

(अन्तरक

(2) सै० यूनीटेक लि० यूनीटेक हाऊस, 6 फम्पूनिटी सेंटर मार्केट, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखांकन के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शब्दों का, जो उक्त अधिनियम से अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(क) अंतरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत के बाधित में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसूची में, न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :-

सम्पत्ति भूमि 34 कनाल 5 मरले जो सिलोखरा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 6754 दिनांक 17-2-1986 पर दिया है ।

बी० एल० खत्री  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 30-6-1986

मीहुर : |

**उक्त अधिनियम की धारा 269-ब**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**आयकर अधिनियम**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहताक, दिनांक 30 जून 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गांव/419/85-86—

अतः, मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बराबर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवराण करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 21 कनाल 12 मरले जो सिलोखरा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 17 फरवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवराण करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिणी (अन्तरिणी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से पहले किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तवों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिसका नामा प्रार्थित या विधानों द्वारा विधानों के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राम कुमार पुत्र खवारी नि० कन्हेई तहसील गुड़गांव।

(अन्तरक)

(2) मै० यूनीटेक लि० यूनीटेक हाउस, 6 बम्बईमिटी सेंटर साकेत, नई दिल्ली।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधों :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 21 कनाल 12 मरले जो सिलोखरा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री सठक्या 6755 दिनांक 17-2-1986 पर दिया है।

बी० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 30-6-1986

मोहर :



प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 जुलाई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गांव/412/85-86--

अन०, मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 55 कनाल 1 मरला जो कार्टरपुरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 21 फरवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री शेर सिंह पुत्र हरदेव, श्री हरेण साहनी पुत्र श्री शेर सिंह गांव कार्टरपुरी तह० गुड़गांव ।

(अन्तरक)

(2) मै० ग्रंथाल हाउसिंग एंड फाइनेंस लीमिटेड कं० लि० 115 अंसल भवन, 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 55 कनाल 1 मरला जो कार्टरपुरी में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 6821 दिनांक 21-2-1986 पर दिया है ।

बी० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 10-7-1986

मोहर :

प्रथम भाग. बी.एन.एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 जुलाई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गांव/416/85-86--

अतः, मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० भूमि 7 बीघा 3 बिस्वे जो नाथूपुर में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 19 फरवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वश्री जगराम, देगराम, रिक्खपाल पुत्रान गिरधर, गांव नाथूपुर तहसील गुड़गांव।

(अन्तरक)

(2) मै० पद्मिनी लैड एंड फाइनेंस लि०, 21-22 नरेन्द्रा प्लेस पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 7 बीघा 3 बिस्वे जो नाथूपुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 6795 दिनांक 19-2-1986 पर दिया है।

बी० एल० खत्री  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 10-7-1986

मोहर :

प्राकृत्य जाई.टी.एन.एल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 जुलाई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्पू० गुड़गांव/420/85-86—

अतः, मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 55 कनाल, 7 मरवा भूमि, अलावर्दी तहसील  
गुड़गांव में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन,  
दिनांक 17 फरवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ५—

(क) अन्तरण से हुई किसी भी धन की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन वार देने के अन्तरक के  
वास्तव में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
रे., में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५—

(1) श्री रामलाल मिह, पुत्र श्री बोहार, श्रीमती राम देवी  
विधवा श्री बोहार निवासी ग्राम अलावर्दी, तहसील  
गुड़गांव ।

(अन्तरक)

(2) मे० अंसल प्रापर्टीज एंड इंडस्ट्रीज प्रा० लि०,  
115, अंसल भवन, 16 वस्तुरवा गांधी मार्ग,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आपे ५—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 55 कनाल, 7 मरवा भूमि जो ग्राम अलावर्दी,  
तहसील गुड़गांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता  
के कार्यालय, गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 6737 दिनांक  
17-2-1986 पर दिया है ।

बी० एल० खत्री,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 14-7-1986

मोहर :

प्रमुख कार्य: टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सम्पत्ति

### भारत सहकाज

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 जुलाई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुडगांव/413/85-86—

अतः, मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है—

और जिसकी सं० 104 कनाल, 15 मरले, सिलोखड़ा तहसील गुडगांव में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडगांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 21 फरवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति को अर्जित करता हूँ—

(1) श्री इन्द्र पुत्र श्री मोती, निवासी ग्राम सिलोखड़ा, तहसील गुडगांव ।

(अन्तरक)

(2) मै० ग्रीन पार्क बिल्डर्स प्रोमोटर्स (प्रा०), नि०, 115 अमल भवन, 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपाक्षेक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साधोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 104 कनाल, 15 मरला भूमि जो ग्राम सिलोखड़ा तहसील गुडगांव में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुडगांव में रजिस्ट्री संख्या 6816 दिनांक 21-2-1986 पर दिया है ।

बी० एल० खत्री  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, रोहतक

दिनांक : 14-7-1986

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 जुलाई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गांव/427/85-86---

अतः, मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सधम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर ज़मकी सं० भूमि 4 बीघा 7 बिस्वे जो ताथूपुर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीयर्ती अधिनारी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 21 मार्च, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
8-22 6GI/86

(1) सर्वश्री हेमराज, सूखबीर प्रताप, रिसाला, खजाम परमल, सुरजमल, शांती, चम्पा मंजी, रामकलो शानी, बलवन्ती, सूरजोत, ज्ञानचन्द, रामश्वर मोती, किचनू, लाडो, चन्देश, दलीप निवासीगण—ताथूपुर तहसील गुड़गांव।

(अन्तरक)

(2) मै० बी० डी० इन्वेस्टमेंट एंड एजेंसीज प्रा० लि०, 21-22 नरेन्द्रा प्लेस पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 4 बीघा 7 बिस्वे जो ताथूपुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीयर्ती के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 7463 दिनांक 21-3-86 पर दिया है।

बी० एल० खत्री  
मुख्य प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 14-7-1986  
माहुर:

सक्षम, भा.प्र. टी.एन.एफ.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 जुलाई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू० बल्लबगढ़/9/85-83--

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजिमकी सं० भूमि 90 कनाल 9 मरला एवं बना हुआ भी जो गांव सांसा न० बल्लबगढ़ में स्थित है (श्रीर. इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर. पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लबगढ़ में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 11-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री राजिन्दर सिंह सैनी नि० ई-49  
ईस्ट आफ कैनाश, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) अरविन्द कन्स्ट्रक्शन क० (प्रा०) लि०  
कनाट मरकस, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 90 कनाल 9 मरला साथ ही कुछ बना हुआ भी है जो सांसा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय में रजिस्ट्री संख्या 3527, 3529 दिनांक 11-3-86 पर दिया है ।

बी० एल० खत्री  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रंज, रोहतक

दिनांक 5 : 14-7-1986

मोहर :

एक बार की एक बार - - -

भाषा अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 जून 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुडगांव/431/85-

86-अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 3 बीघा 9 बिस्वे जो नाथूपुर में स्थित  
है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुडगांव में भारतीय आयकर  
अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक 21-3-1986,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नीयित उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति निम्नलिखित में  
जातिगत रूप से वर्णित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिर्यों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पद-  
कृत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, जिसने ने सूचना  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नीयित व्यक्ति, धारक :-

(1) सवश्री गेरा, चन्दर पुत्रान दौलत  
नि०--नाथूपुर तह० गुडगांव ।

(अन्तरक)

(2) मै० बी० डी० इन्वेस्टमेंट एण्ड एजेंसीज प्रा० लि०  
21-22 नरेन्द्रा प्लेस पालियामेंट स्ट्रीट  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाही काटवा है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्य :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों को  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पक्ष  
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्पत्तिकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 3 बीघा 9 बिस्वे जो नाथूपुर में स्थित है जिसका  
अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगांव में रजिस्ट्री  
संख्या 7455 दिनांक 21-3-1986 पर रिया है ।

बी० एल० खत्री  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, रोहतक

दिनांक : 30-6-1986

मोहर :

प्रत्य-भाई.टी.एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 जून 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एम्पू० गुड़गांव/430/85-  
86—अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 5 बीघा 2 बिस्वा जो नाथूपुर में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय  
आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 20-3-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब  
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से काबित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
अविवरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

(1) सर्वश्री किशनलाल, रतनलाल पुत्रान सुनेहरी  
नि० नाथूपुर तह० गुड़गांव ।

(अन्तरक)

(2) म० डी० एल० एफ० लि० 21-22 नरेन्द्रा प्लेस,  
पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

कानूनी

सम्पत्ति भूमि 5 बीघा 2 बिस्वा जो नाथूपुर में स्थित है  
जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में  
रजिस्ट्री संख्या 7456 दिनांक 20-3-86 पर दिया है ।

बी० एल० खत्री  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, रोहतक

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 30-6-1986

मोहर :



(अन्तरक)

(अन्तरिती)

## नाएडु बंधुकार

रोहतक, दिनांक 10 जुलाई 1986

करने का कारण है कि यथापूर्ववत् सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अनुबोध से उचित अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप में वर्धित नहीं किया गया है :—

कमल सम्पत्ति के वर्धन के संबंध में 'करोड़ों' की राशि पर :-

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अभिलेख

सम्पत्ति भूमि 26 कनाल 8 मरला जो गांव सूखराली में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगांव में रजिस्ट्री संख्या 7308 दिनांक 17-3-86 पर दिया है ।

बी० एल० खन्नी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

मोहर :

प्रत्येक भाग में टी. एन. एन. एन. एन. एन. एन.

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

नारायण चन्द्रावर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 जुलाई 1986

निदेश मठ० आई० ए० सी०/एनयू गुडगांव/426/85-86--

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० भूमि 17 बीघा 14 बिस्वे जो नाथूपुर में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडगांव में भारतीय आयकर  
अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 5-3-1986,

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के समयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वतः सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके समयमान प्रतिफल से, ऐसे समयमान प्रतिफल का  
वर्द्ध प्रतिफल से अधिक है और अंतर्गत (अंतरिक) और अंतरिकी  
(अंतरिकीय) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण चिह्नित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की वापस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कट जाने की कगलक की  
वापस से कमी करने या उक्त वचन में सूचना  
के बिना और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, बिना भारतीय आय-कर अधिनियम,  
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या भाव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
की सिद्ध;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीराम, रतीराम पुत्रान चेताराम  
नि०-गांव-नाथूपुर त० गुडगांव।

(अन्तरिक)

(2) म० अनुराग कन्स्ट्रक्शन क० लि०-24-नरेन्द्रा  
प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिक)

की यह सूचना जारी करके पूर्णतः संपत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णतः  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्भू  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 17 बीघा 14 बिस्वे जो नाथूपुर में स्थित  
है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगांव  
में रजिस्ट्री संख्या 7049 दिनांक 5-3-1986 पर दिया  
है ।

बी० एल० खत्री  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक अधकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, रोहतक

दिनांक : 10-7-1986  
मोहर :

प्रकट नार्.टी.एम्.एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

माध्यम सञ्चार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 जुलाई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एम्पू गुड़गांव/432/85-86--

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 4 बीघा 13/3/4 बिस्वा जो नाथूपुर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में  
भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक  
21-3-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम की दस्तावेज  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्तावेज प्रतिफल से, ऐसे दस्तावेज प्रतिफल का  
वस्तु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाधा बना  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत उक्त अधि-  
नियम की अधीन कट्टे होने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उक्त अधिनियम के अधीन के लिए  
की/या

(ख) ऐसी किसी बाय या चिती बन या अन्य वास्तविकों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था वा किया जाना चाहिए था, जियाने में अधिभा  
की लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री रामेश्वर, श्री चन्द्र पुत्रान मेरु  
नि०--नाथूपुर तह० गुड़गांव ।

(अन्तरक)

(2) म० अपोलो लेड एण्ड हाउसिंग क० लि० 21-  
22 नरेन्द्रा प्लेस, पार्लियामेंट स्ट्रीट नई दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
रक्षक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोभनकारी के  
पाद लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के बन्धाय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त बन्धाय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 4 बीघा 13/3/4 बिस्वा जो नाथूपुर में  
स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय  
गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 7454 दिनांक 21-3-86 पर दिया  
है ।

बी० एल० खत्री  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 10-7-1986  
मोहर :

एक बार, टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 जुलाई 1976

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० दिल्ली/17/85-86—

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 20 कनाल, 12 मरला भूमि ग्राम आरसेतली  
तह० बल्लबगढ़ में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961  
के अधीन, दिनांक 14-3-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि वधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी कम की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाधित्व में कमी करने या उक्त कमी में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
नायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) एस्कोर्ट्स ट्रेक्टर्स लि०, रोशनआरा रोड,  
दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) एस्कोर्ट्स लि०, एच-2, कलाट सर्किल,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना प्रारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए  
कार्यवाहीवा शुरू करा है।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो जो  
अवधि कम में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
रूप किसी व्यक्ति द्वारा, महाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

सन्दीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति 20 कनाल, 12 मरला भूमि, जो ग्राम आरसेतली  
तह० बल्लबगढ़ में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता  
के कार्यालय, दिल्ली रजिस्ट्री संख्या 538 दिनांक 14-3-  
86 पर दिया है ।

बी० एल० खत्री  
सक्षम प्राधिकारी,  
महायुक्त आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, रोहतक

दिनांक : 4-7-1986

मोहर :

**व्यक्ति आई.टी.एन.एन.**  
**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)**  
 की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**प्राप्त कृतक**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अजन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 जून 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू गुडगांव/429/85-86---

अतः मुझे, बी० एल० खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3 बीघा 8 बिस्वा भूमि, ग्राम नत्थूपुर, तह० गुडगांव में स्थित है (जो इसमें उल्लेख अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडगांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 21-3-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्ट्या प्रतिफल के लिए वंतिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि तथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्या प्रतिफल से, ऐसे दृष्ट्या प्रतिफल के उचित प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और वंतिरिती (वंतिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से काचित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक के दायित्व को कभी करने या उसमें बचने में श्रद्धा को नित्य; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य भास्तिवों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में श्रद्धा को नित्य।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9-226GI/86

(1) श्री वेग राम पुत्र श्रीमती सोना,  
 श्रीमती रेसवती पुत्रीगण श्री हरबंस,  
 निवासी—नत्थूपुर, तह० गुडगांव ।

(अन्तरक)

(2) मै० डी० वी० इन्वेस्टमेंट एण्ड एजेंसीज प्रा०  
 लि०, 21-22, नारिन्द्र प्लेस, पालियामेंट स्ट्रीट,  
 नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्याहताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के बन्धन 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होना जो उस बन्धन में दिया गया है।

**सूचना**

सम्पत्ति 3 बीघा, 8 बिस्वा भूमि, जो ग्राम नत्थूपुर तह० गुडगांव में स्थित है ।

जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुडगांव में रजिस्ट्री संख्या 7458 दिनांक 21-3-86 पर दिया है ।

बी० एल० खत्री  
 सक्षम प्राधिकारी,  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
 अजन रेंज, रोहतक

दिनांक : 30-6-1986

मोहर :

दिनांक 30-6-1986  
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक; दिनांक 30 जून 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुडगांव/16/86-

87-अन: मुझे, बी० एल० खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2 बीघा 18 1/2 बिस्वा भूमि, गांव  
चण्डपुर, तह० गुडगांव में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, गुडगांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के  
अधीन दिनांक 24-4-86

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त  
निबन्ध के अधीन कर देने के अंतरक के बाबित में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री लाला पुत्र श्री जय सिंह  
निवासी—ग्राम चण्डपुर ।

(अन्तरक)

(2) म० पारागांव रीयल इस्टेट एण्ड अपार्टमेंट,  
21-22; नरेन्द्र प्लेस, पार्लियामेंट स्ट्रीट;  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पाठ  
सिद्धि में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 2 बीघा 18 1/2 बिस्वा भूमि, जो ग्राम चण्डपुर  
में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय,  
गुडगांव में रजिस्ट्री सख्या 398 दिनांक 24-4-86 पर  
दिया है ।

बी० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

दिनांक : 30-6-76

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. ए. ए. 1986

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 जुलाई 1986

नि. डेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गांव/17/86-87—

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० 10 बीघा, 2 बिस्वा भूमि, ग्राम—चकरपुर,  
तह० गुड़गांव में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में  
श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी के कार्यालय,  
गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन,  
दिनांक 30-4-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए ठग पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री रणजीत पुत्र श्री शिवलाल  
निवासी—ग्राम चकरपुर, तह० गुड़गांव  
(अन्तरक)

(2) म० अंसल प्रापर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज (प्रा०)  
लि०, 115—अंसल भवन, 16 कस्तूरबा गांधी  
मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन के लिए  
कार्यवाहिनी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधिन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 10 बीघा, 2 बिस्वा भूमि, जो ग्राम चकरपुर,  
तहसील गुड़गांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्री-  
कर्ता के कार्यालय, गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 508  
दिनांक 30-4-1986 पर दिया है ।

बी० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक 10-7-1986

मोहर :



**आयकर अधिनियम, 1961**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) की अपील सूचना

**आयकर अधिनियम**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 जुलाई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/गुडगांव/3/76-87--

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवचास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5 बीघा, 19 बिस्वा भूमि, ग्राम चकरपुर, तह० गुडगांव में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडगांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 15-4-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का समूह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे सम्बन्ध के लिए वह वादा दवा दृष्टि-व्य विमलनिष्ठ कर्तव्य है उक्त सम्बन्ध निम्न में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

(1) श्रीमती माया देवी विधवा श्री राम किशन, श्री मामन सिंह पुत्र श्री राम नाथ निवासी—ग्राम चकरपुर, तह० गुडगांव।

(अन्तरित)

(2) मै० असल हार्डिंग फाइनेंस एण्ड लीजिंग कं० 115 असल भवन, 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के विषय कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वादों —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**संपत्ति**

सम्पत्ति 5 बीघा, 19 बिस्वा भूमि जो ग्राम चकरपुर, तह० गुडगांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुडगांव में रजिस्ट्री संख्या 273, दिनांक 15-4-86 पर दिया है।

बी० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, रोहतक

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अपील में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति(यों) को सूचित करता हूँ—

दिनांक : 10-7-1986

मोहर :

प्रकृष भाई. बी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 जुलाई, 1986

नेर्देश सं० आई०ए०सी/एक्यू०/गुड़गांव/ 5/86-87—

अत मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषय करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और धितकी सं० 10 बीघा, 6 बिस्वा भूमि, ग्राम—चकरपुर में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है)  
रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक 11-4-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती  
(अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में अधित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी काम की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—

(1) श्री सुखबीर (2) श्री दिग्विजय कुमार पुत्रगण श्री शिवजी  
विदासी—ग्राम चकरपुर, तहसील—गुड़गांव।  
(अन्तरिती)

(2) मै० डी० एल० एफ० होटल (प्रा०) लि०, 21-22,  
नरिन्द्र प्लेस, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के निम्न  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 10 बीघा, 6 बिस्वा भूमि, जो ग्राम—चकरपुर, तह०—  
गुड़गांव में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय  
गुड़गांव में रजिस्ट्री सं० 233 दिनांक 11-4-1986 पर दिया है।

बी०एल० खत्री  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 10-7-1986  
मोहर :

**सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 जुलाई, 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/गुडगांव/7/86-87—

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन उक्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 17 बीघा, 6 1/2 बिस्वा भूमि, ग्राम—चकरपुर, तह—गुडगांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडगांव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख 1-4-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरण की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वृद्ध प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए ठस पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने की अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री दीघा पुत्र श्री दीपचन्द, निवासी—चकरपुर, गुडगांव।

(अन्तरक)

(2) मै० डी० एल० एफ० हाउसिंग एण्ड इन्स्ट्रक्शन लि० 21-22, गगिन प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 17 बीघा, 6 1/2 बिस्वा भूमि जो ग्राम—चकरपुर, गुडगांव में स्थित है। जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुडगांव में रजिस्ट्री सं० 29, दिनांक 1-4-1986 पर दिया है।

बी० एल० खत्री  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, रोहतक

तारीख : 10-7-1986

मोहर :

**इसम बाई.टी.एन.एण्ड.**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 जुलाई, 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/गुड़गांव/11/85-86—

अतः मुझे, बी० एन० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सभ्य प्राधिकारी को यह विचार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5 बीघा, 6 बिस्वम भूमि, ग्राम-चकरपुर, गुड़गांव में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक 15-4-1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विचार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी बात की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवर्जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्तीत :—

(1) श्रीमती छोटी देवी विधवा खजान, घरमबीर, भागमल, रघबीर पुत्रगण खजान, कटारी देवी, मुन्नी देवी पुत्रीगण खजान, ग्राम-चकरपुर, गुड़गांव।  
(अन्तरक)

(2) मै० पापागांव रीयल इस्टेट एण्ड अपार्टमेंट्स लि०, 21-22, नरिन्द्र प्लेस, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वादें :—

(क) इस सूचना की प्रकाशन के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों के द्वारा किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 5 बीघा, 6 बिस्वम, भूमि ग्राम-चकरपुर, गुड़गांव, में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुड़गांव में रजिस्ट्री सं० 276, दिनांक 15-4-1986 पर दिया गया है।

बी० एन० खत्री  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, रोहतक

तारीख : 10-7-1986  
मोहर :

रक्षक कार्य, टी. एन. एन. ...

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 जुलाई, 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एन्यू० गुडगांव/6/86-87—

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 6 बीघा, 5 बिस्वा, भूमि गांव-चकरपुर, तह०—  
गुडगांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, गुडगांव में भारतीय आयकर  
अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख 15-4-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विस्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
मन्वह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी नाम की सम्पत्ति उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;  
नोट/ब।

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधि-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया गया जा रहा था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10—216GI/86

(1) श्री भगवान सिंह पुत्र शीश राम, श्रीमती सोहनी  
विशवा स्व० श्री शीश राम, श्रीमती संतरा, श्रीमती  
प्रेम, श्रीमती कृष्णा उर्फ किरन पुत्रीगण स्व० श्री  
शीश राम द्वारा श्री भगवान सिंह, धरमवीर सिंह,  
रजन, श्री रामेश्वर पुत्रगण स्व० श्री शीश राम निवासी,  
ग्राम—चकरपुर, तहसील—गुडगांव।

(अन्तरक)

(2) मै० डी० एल० एल० होटल लि०, 2-1-22, नरिन्द्र  
प्लेस, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आशयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताभारी के बाव  
निमित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 6 बीघा 5 बिस्वा, भूमि, ग्राम—चकरपुर तह०—  
गुडगांव जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय,  
गुडगांव में रजिस्ट्री सं० 274, दिनांक 15-4-86 पर  
दिया है।

बी० एल० खत्री  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख 10-7-1986

महूर :

प्रकृष आर्. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 जुलाई, 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/गुडगांव/1/86-87—

अन: मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 23 कनाल, 19 मारला भूमि, गांव सरहोल,  
गुडगांव में स्थित है (और इससे उत्पादक अनुसूची में और पूर्णरूप  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडगांव में भारतीय  
आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख 9-4-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
अच्छा प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उसमें बचने में मरिचक के प्रयोग;  
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) या  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के  
लिए;

- (1) सर्वश्री मुख्त्यार हरमोन, शोबीर पुत्रगण श्री राम,  
राम कौर विधवा कस्तूरी, निहाली, भूलन कृष्णा  
पुत्रगण श्री राम निवासी— सरहोल, जिला—  
गुडगांव।

(अन्तरक)

- (2) म० अंसल हाउसिंग काइनेस एण्ड लीजिंग कम्पनी  
प्रा० लि०, 115-अंसल भवन 16—कस्तूरबा गांधी  
मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

धनसूची

सम्पत्ति 23 कनाल, 19 मारला भूमि, ग्राम—सरहोल,  
गुडगांव जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुड-  
गांव में रजिस्ट्री सं० 187, दिनांक 9-4-1986 पर दिया है।

बी० एल० खत्री  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, रोहतक

धन अन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 10-7-1986  
मोहर

प्रकाश जाई.डी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती मायादेवी विधवा रामकिशन, मामन्दरिह  
पुत्र रामनाथ, गांव-चकरपुर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना(2) मै० डो० एल० एफ० यूनिवर्सल लि०, 21-22  
नरिन्द्र प्लेस, नई दिल्ली।

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक: 10 जुलाई, 1986

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू/गुडगांव/8/86-87---

अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;और जिसकी सं० 7 बीघा, 4 बिस्वा, ग्राम-चकरपुर, गुडगांव  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्णरूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडगांव में भारतीय आयकर  
अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख 15-4-1986,(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण हैकि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्ययत्व में कमी करने या उससे बढ़ाने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;सम्पत्ति 7 बीघा 4 बिस्वा भूमि, गांव-चकरपुर, गुडगांव  
में स्थित है और जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय  
गुडगांव में रजिस्ट्री सं० 275 दिनांक 15-4-1986 पर दिया है।

बी० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 10-7-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 जून 1986

निदेश सं० आई० ए० सो०/एक्यू० गुड़गांव/9/85-86--

यतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें वरिष्ठात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2 बीघा, 18 बिस्वा, भूमि, ग्राम नत्थूपुर, तह० गुड़गांव, 2 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक 11-4-1986,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आधिकारिक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) 1. श्री शिवराम 2. श्री देश राम पुत्रगण श्री गोरधन, जाति अहीर निवासी—ग्राम नत्थूपुर।

(अन्तरक)

(2) मैं० बी० डी० इन्वेस्टमेंट एण्ड एजेन्सीज, प्रा० लि०, 21-22, नरेन्द्र प्लेस, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति में वर्धन में हित कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति 2 बीघा, 18 बिस्वा भूमि, जो ग्राम नत्थूपुर, तह० गुड़गांव में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 233 दिनांक 11-4-76 पर दिया है।

बी० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

दिनांक : 30-6-1986

मोहर।



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 जुलाई 1986

- (1) 1. श्री जोगिन्दर सिंह 2. श्री राजिन्दर सिंह पुत्रगण  
श्री चतर सिंह 3. श्री नारिन्दर 4. श्री हरबंस  
5. श्री हंस राज 6. गंगा प्रसाद पुत्रगण श्री  
राम कंवर 8. श्रीमती धनपति 8. कुमारी  
सन्तोष पुत्रीगण श्री राम कुमार  
निवासी—ग्राम चकरपुर।

(अन्तरक)

- (2) मे० पारागांव रीयल इस्टेट एण्ड अपार्टमेंट लि०,  
21, नरिन्दर प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरित्री)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाधाएं —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्यग्भी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ज़ाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होना जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की बाध, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
अवधि में कमी करने या उक्त अर्थ के अर्थों  
के लिए, बाधा/बाध

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रावधानों अन्तर्गत् द्वारा बाध नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, अर्थों के  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

अनुसूची

सम्पत्ति 9 बीघा, 6 बिस्वा भूमि का 29/33 हिस्सा,  
जो गांव चकरपुर, तह० गुड़गांव में स्थित है। जिसका अधिक  
विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुड़गांव रजिस्ट्री संख्या  
317 दिनांक 17-4-86 पर दिया र।

बी० एल० खत्री  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 10-7-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 जून 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गांव/21/76-87—

यतः मुंशेबों ० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2 बीघा 18 बिस्वा, भूमि, गांव चकरपुर में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में आयकर  
अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 15-4-1986,

प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
मोहर :

(1) श्री सुरजमल पुत्र श्री जयमल  
निवासी—चकरपुर ।

(अन्तरक)

(2) मैं० अंसल हाजीसग फाइनैस एण्ड लीजिंग कं०,  
लि०, 115—अंसल भवन, 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परिभा-  
षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 2 बीघा, 18 बिस्वा, भूमि, जो ग्राम चकरपुर में  
स्थित है और जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय,  
गुड़गांव में रजिस्ट्रीसंख्या 272 दिनांक 15-4-86 पर दिया  
है ।

बी० एल० खत्री  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक । 30-6-1986

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन एस.-----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 जून 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गांव/13/86-87—  
अतः मुझे, बी० एल० खत्री,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2 बीघा 13 1/3 बिस्वा भूमि, ग्राम चकरपुर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में  
आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 13-5-1986,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी जाय की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उक्त बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
ने, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री चन्दगी राम 2. श्री लक्ष्मी नारायण पुत्रगण  
श्री प्यारेलाल,  
मिवासी—चकरपुर, तह० गुड़गांव ।

(अन्तरक)

(2) मै० पारागांव रीयल इस्टेट एण्ड अपार्टमेंट, 21-22  
नरेन्द्र प्लेस, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाही करना है।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में निहित  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 2 बीघा 13 1/3 बिस्वा भूमि, जो ग्राम चकरपुर  
तह० गुड़गांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता  
के कार्यालय, गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 759 दिनांक 13-5-  
86 पर दिया है ।

बी० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 30-6-1986

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1976

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफ०/7/37ईई/12-85/  
1338—अन : मुझे, वी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ऑरिजिनको सं० ए-211, 3, है तथा जो श्री राजी कामा प्लेस में स्थित है (और हमसे उपावृत्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीरती अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (अर्जुन रेंज) नई दिल्ली में आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिणी (अन्तरिणीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के निगमन का प्रतीक प्रतीक, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दृष्टि, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के उद्देश्य के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था कि कमा जाता चाहिए था छिपाने में स्वीकृति के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
11—226 G1/86

(1) स्पेन इंडिया प्रा० लिमि०  
227, ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) माजरा निजींग लिमि०  
317, सेक्टर बम्बर-5, 221, भारीमन प्वाइंट,  
बम्बई-400021।  
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आवश्यकता करता हूँ।

सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपाध—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फाइल सं० ए-211, 3, श्री राजी कामा प्लेस, नई दिल्ली।  
प्रिया 618 वर्ग फीट।

वी० के० मंगोत्रा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-7, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 14-8-1986  
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-8, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/7/एस० आर-3/

12-85/385—अतः मुझे, बी. के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्री जिनकी सं० के-6, है तथा जो कैलाश कालोनी में स्थित  
है (श्री इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक दिगम्बर 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

बीर/वा

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री चन्द्रा बाली;

के-6, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) भद्रिन्ध्या इन्वेस्टमेंट प्रा० लि०

2, कॉन्शल्या पार्क, हार्जवांस, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रापटी सं० के-6, तादादी 311 वर्ग गज कैलाश कालोनी,  
नई दिल्ली ।

बी० के० मंगोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली, दिल्ली 110002

दिनांक 14-7-76

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/7/एम० आर०—

3/12-85/366—यतः मुझे, वी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सदान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो के०-25, कैलाश कालोनी, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), नजस्ट्रीकरी अधिकारों के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1985

का पूर्वकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बन्धन या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की वजह से।

अतः प्रत्येक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती यशोदा देवी एककड, वी०-25, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री बशीर अहमद, 61, कारनग, मानविका नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० के०-25, तादादी 297 8 वर्ग गज कैलाश कालोनी, नई दिल्ली।

वी० के० मंगोत्रा

मजम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 14-8-1986

मोहर :-

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-7 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1986

1. श्रीमती इला गुहा, पत्नी जैलेन्द्र कुमार गुहा, जी-1301, चित्ररंजन पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती निहाल कौर, पत्नी रतन सिंह, बी-95, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समंती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/7/एस० आर०—  
3/12-85/382—यतः मुझे बी० के० भंगोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन उक्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो बी०-95 डिफेंस कॉलोनी में स्थित है (और इनमें उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), निम्नलिखित अधिारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय राजस्व विभाग अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दि.सं. 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए लय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद में कमी करने या समान करने में बाधना के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या आय-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था कि किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बताने :—

**अनुसूची**

प्रोपर्टी नं० बी-95, वास्तवी 325 वर्ग गज डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली।

बी० के० भंगोत्रा

महाम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 14-8-1986

मोहर :



प्रमुख आर्.टी.एन.एस.-----

राज्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1986

निर्देशन सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एम० आर  
3/12-85/384—यथा: सुखे, वी० के० मंगोत्रा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसके इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
आर प्लॉट नं० 94, तादादी 300 वर्ग गज  
प्लॉट ए०, आवासीय कालोनी, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली  
(आर प्लॉट नं० 94, तादादी 300 वर्ग गज  
प्लॉट ए०, आवासीय कालोनी, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली  
में आर पूर्ण स्वामित्व धारित है), जो कि उक्त अधि-  
नियम के अधिनियम, नई दिल्ली में जारी दिनांक भारतीय  
पब्लिशिंग अधिनियम, 1908 (1908 का 11) के अधीन  
तारीख दिनांक 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्ते-  
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, विमान में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1, श्री पूर्णानन्द सिंह, 37-27, स्ट्रीट वुड साईड,  
न्यूयार्क द्वारा एटोर्नी कृपाल सिंह सुपुत्र स्वर्गीय  
एस० चन्दा सिंह, 2/48, मल्हो मार्ग, शापिंग  
सेक्टर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2, श्री चन्द्रा कांता, ए-2/35, सफदरजंग  
एकलेव, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना पर  
की समील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

आधीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी प्लॉट नं० 94, तादादी 300 वर्ग गज  
प्लॉट ए०, आवासीय कालोनी, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली

वी० के० मंगोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-8-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/7/एम० आर०-3/  
12-85/363—अतः मुझे, वी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो एस०-229, ग्रेटर  
कैलाश, भाग-2 में स्थित है (और इनमें उदाहरण अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख दिनांक 1985  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
घाटित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. मै० डेवाडट विल्डर्स, ए-2/140, सफदरजंग रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री कृष्ण कुमार शर्मा सुपुत्र ए० पी० शास्त्री,  
एच०-98, कनाट मार्केट, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रथम खंड, प्रोपर्टी नं० ए०-229, ग्रेटर कैलाश-2,  
नई दिल्ली-33% आफ 300 वर्ग गज।

वी० के० मंगोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-8-1986

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1 इश्वर लुंद, एम-273, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2 श्रीमती रुचिरा कौर, ए-202, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/7/एस० आर०-3/  
12-85/355—अतः मुझे, बी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० है तथा जो एम०-250, ग्रेटर कैलाश-2 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), अभिलेखीकृत अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय अभिलेखीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिनांक 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मध्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन उन धन के संचयन के अधिनियम में कमी करने या उससे कम से सीमा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकताओं, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया है या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(6) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा गणेशहस्ताक्षरों के पार लिखित में किए गए अर्जों।

स्वाधीनता—इसका प्रकाशन नई दिल्ली में था, जो उक्त अधिनियम के अनुसार 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जिसका अन्वय में लिया गया है।

अनुसूची

एम-250, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली तादादी 300 वर्ग गज।

बी० के० मंगोत्रा

मध्यम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 14-8-1986

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/7/एस० आर०-3/  
12-85/386—अतः मुझे, बी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, एक लिखित सूचना दी गई है कि  
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ई-372, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2  
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिकोण  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद न  
कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अधीन सूचना  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती प्रभा पूर्णा, बी-15/92, नफदपंजरा मंजिल,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री अमरजीत सिंह जोहर, बी-139, डिफेंस कॉलोनी  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्पश्चात् की व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 15 दिनों की अवधि, जो भी अर्थात्  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
रहित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के

सहयोगिता के बिना, उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, यहाँ वर्ष होगा जो इस अध्याय में विधि  
द्वारा है।

अनुसूची

ई-372, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली, 250 वर्ग गज।

बी० के० मंगोत्रा

प्रथम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-7 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 14-8-1986

मोहर :

**प्रकाशक: टी. ए. ए. ए.**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**आयकर अधिनियम**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जुन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/7/एस० आर०-3/  
12-85/360---अतः मुझे, बी० के० मंगोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डी-292, है, तथा जो डिफेंस  
कालोनी में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन जारी दिनांक दिसम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वंदह  
प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भी धन की वापस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उक्त वक्तों में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध. उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
12-226 GI/86

1. कर्नल सरदार सिंह भसीन, 26/1, ईस्ट पटेल  
नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती चित्रलेखा घोष, डी-292, डिफेंस कालोनी,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संघर्ष के वर्जन के लिए  
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शर्तः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्समवर्ती व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि पहले से समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जमाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

प्रोपर्टी नं० डी-292, तादादी 325 वर्ग गज। डिफेंस  
कालोनी, नई दिल्ली।

बी० के० मंगोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-7 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 14-8-1986

मोहर :

प्रमुख बाई.टी.एन.एल., -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अगस्त 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/5/एस० आर०-3/

2-86/1371/401—अतः सूत्रे ए० के० मनचंदा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (द्वितीय संस्करण इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम०-24, है तथा जो श्रीम पाक एक्सटेंशन, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधिन, तारीख मार्च, 1986

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवधान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया अति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव का बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक से कहीं कम या अधिक होने से सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तविकों को, जिसमें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार ग, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

1. श्री पी० सी० बाघेजा, बी०-5, सफदरजंग एंक्लेव, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै० जी० सागर सुरी एंड सन, सागर अपार्टमेंट, 6, तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों या सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से या किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हस्तगृह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धित:-इसके प्रमुख बाधों की पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के धारा 20-क के परिभाषित हैं, नहीं बनने से या उक्त धारा के विभाजित हैं।

प्रमुख

एम-24, श्रीम पाक एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

ए० के० मनचंदा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-8-1986

मोहर :

इस्य आई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-5, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अगस्त 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-5/एस० आर०-3/

1-86/1352—अतः मुझे, ए० के० मनचंदा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आई-26, है तथा जो होजखास,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय,  
अर्जुन रेंज-5, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम,  
1961 के अधीन तारीख पतवरी 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान  
प्रतिफल के लिए अंतरास्त की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके उद्घाटन प्रतिफल से ऐसे सममान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घाटन से उक्त अन्तरण  
विधित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम की धारा 269-घ के अधीन के अन्तरक के वास्तव  
से समी करने या उक्त अन्तरण के अन्तरण के लिए;  
और/या

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रत्येकान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाना चाहिए या, जिनमें से अन्तरण  
के लिए;

तब, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत  
के, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जोतिन्द्र नाथ वर्मा, (2) बृज मोहन लाल,  
आई-26, होजखास, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सतीश वाही सुपुत्र स्वर्गीय आर० एम० वाही और  
और कंचन वाही पत्नी मैसर्स पेप्सी कोला इंटर-  
नेशनल लिमि०, अपोलो टावर, 64-एल०  
रियान कोर्ट, स्ट्रीट जी० आर०-115 23  
एथेंस (ग्रीस) वर्तमान—खुश एसोसियेट प्रा०  
लिमि० 1, जी० टी० करनाल रोड, इंडस्ट्रियल  
एरिया, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वादोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्यग्भी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के नाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अन्तर्गत 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

आई-26, होजखास, नई दिल्ली, तादादी 200 वर्ग  
गज।

ए० के० मनचंदा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-5, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 13-8-1986

मोहर :

प्रमाण नम्बर 10 की प्रकृति - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/5/एस० आर०-3/

12-85/1321—अन: मुझे, अशोक क० मनचंदा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ-30, है तथा जो हीजबास  
एक्सेव, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, अर्जुन रेंज-5, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
दिसम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तस्क (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एते अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
व्यक्तिगत के अधीन कर देने के अन्तरक के अन्तर्गत  
यें कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;  
बाद/या

(ख) ऐसी किसी बात का किसी धन का अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिस्तु :—

1. श्री होमई मानेष्ठाव्यारवाला, और डा० फारुख  
व्यारवाला, 17, मटल छाया सोसायटी,  
निजामपुर, बंदोदरा-390002 (गुजरात एस्टेट)  
(अन्तरक)

2. श्री सुरेश चन्द जैन और कुसुम जैन बी-1/30-ए,  
हीजबास, एक्सेव, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी  
अवधि बाध में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

उबल स्टोरी आवासीय हाउस, प्लॉट न० एफ-30,  
हीजबास एक्सेव, नई दिल्ली।

अशोक क० मनचंदा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-5, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 4-8-1986

मोहर:



**सहायक आयकर बाजार (निरोक्षण)**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन

**भारत सरकार****कार्यालय, सहायक आयकर बाजार (निरोक्षण)**

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/5/एस० आर-के/12-85

326—अन: मुझे, अशोक कुमार मनचन्दा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
अपने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सहायक आयकर बाजार को यह निरोक्षण करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिस को सं० है तथा जो एक-43, पंचशीला  
पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में पूर्व  
रूप से वर्णित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-5,  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1985 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्तावेज  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्तावेज प्रतिफल से, ऐसे दस्तावेज प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकी) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद  
हो कभी-कभार या उसके बचने से बाधित हो दिया  
गया/।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से बाधित  
हो दिया।

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक  
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गुरुमुख सिंह आनन्द नं० एस-43, पंचशीला  
पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री रवि वचानी मिलर्स टोभा वचानो बो-22, मईफेयर  
गार्डन, हाजिबास एन्क्लेव, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप-  
—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पक्ष  
लिखित में किए गए तर्कों से।

संक्षेपः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रापटी नं० एस-43, तादादी 600 वर्ग गज, पंचशीला  
पार्क, नई दिल्ली।

अशोक क० मनचन्दा

सहायक अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-5 नई दिल्ली-110002

दिनांक: 4 अगस्त 1986

मोहर :

संक्षेप आदेश, एच. एच. एच. 1986

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अगस्त 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एचयू०/5/37 इ/ए एस० आर-3  
3-86/1432—अतः मुझे, ए० के० मनचन्दा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिस की सं० है तथा जो एच-31, ग्रीन पार्क  
एक्सटेंशन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में  
पूर्व रूप से वर्णित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय, अर्जन  
रेंज-5, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के  
अधीन तारीख मार्च 1986 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि अध्यापनोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पक्ष में प्रतिष्ठित से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से पूर्व किसी भी व्यक्ति के द्वारा उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की  
स्थिति में कभी कल्पने या अज्ञान के अधीन  
को नहीं; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तविकताओं  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, अधिनियम के अधिनियम  
को नहीं।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिनियम, अधिनियम 1986

(1) श्रीमती कौशल्या रानो मल्होत्रा, 2 रमेशचन्द्र मल्होत्रा,  
3 राजेश चन्दर मल्होत्रा, (4) अमिल मल्होत्रा  
(5) प्रदीप मल्होत्रा एच-41, ग्रीन पार्क, एक्सटेंशन,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इंदू राय सुपुत्रो एच० सी० बल बी-15,  
नारायणा, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाद—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्धु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्योद्देश्यः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

धरातल खंड साथ गेरेज और चपरासो क्वार्टर गेरेज के ऊपर  
प्रथम खंड और 60 अविभाज्य शेयर तादादी भूमि 277.8 वर्ग जग  
प्रापटी का भाग एच-31, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली। कुल  
जमा तादादी 463 वर्ग जग।

ए० के० मनचन्दा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5 नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13 अगस्त 1986

मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अगस्त 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/5/3782/3-86/

अतः मुझे, ए० के० मनचन्दा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिस की सं० है तथा जो नं० 202, नं० 1 कौशल्या पार्क (सूर्यमेशन) हौजखाम, में स्थित है (और इसमें उपायध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक मार्च 1986 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाधी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसूच में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती मजू मोदी और आर० के० मोदी, सीब4/95, सफदरजंग डेवलपमेंट एरिया, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री डी० डी० खुराना, नरेन्द्र कुमार खुराना 24, साउथ पटेल नगर, नई दिल्ली। रविन्द्र कुमार अहूजा और सुनीता अहूजा आर-905, न्यू राजिवंदर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 202, तादादी 836 वर्ग फीट सूर्य मेशन नं० 1, कौशल्या पार्क, हौजखाम, नई दिल्ली-110016।

ए० के० मनचन्दा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5 नई दिल्ली

दिनांक : 13 अगस्त 1986

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 13 अगस्त 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/5/37ईई/3-86/1726 -

अतः मुझे ए० के० मनचन्दा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके बराबर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
भरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिन की सं० बी- 3 है तथा जो सर्वोदया एन्कलेव, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-5, भारतीय  
आयकर अधिनियम 1961, नई दिल्ली के अधीन तारीख मार्च, 86  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवहार  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवहार प्रतिकल से ऐसे व्यवहार प्रतिकल का पन्ना  
प्रतिफल से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिणी  
छोटी (अन्तरिणीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया  
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित  
से वास्तविक रूप से करीबन नहीं किया गया है —

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की बाध, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
साथ से करी कर ले या उक्त करने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिसे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन्कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
जमा रखी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या निकाला  
गया वाणिज्य या विपणन में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री पी० ए० बी० पिलाई,  
निवासी-7, कममबरीडिंग लेखाउट,  
तीसरा मैन रोड, बंगलौर-8.

(अन्तरक)

(2) श्री डी० सी० रस्तोगी,  
निवासी एस०-252, ग्रेटर कैलाश-2 नई दिल्ली।  
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाजोप 5—

(क) इस सूचना के उपबन्ध में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि कम से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपबन्ध में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बर्माहस्ताक्षरी के पास  
निश्चित में किए जा सकेंगे।

सम्झौताकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो कक्ष  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुपरी

प्रो० न०-बी-53, सर्वोदया एन्कलेव, नई दिल्ली।

ए० के० मनचन्दा

मध्यम प्राधिकारी

सहायक आयक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13 अगस्त 1986

मोहर :

प्रकरण बाधे.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 13 अगस्त 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37ईई/12/85/951-

अतः मुझे, एस० सी० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिस की सं० है तथा जो 14, श्रीराम रोड, सिविल लाइंस, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबंध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-4 नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख दिसम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्वीकृत रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या का प्रत्यक्ष ज्ञान अन्तरिती या, स्थिति के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13 226/G/16

(1) श्री अन्तर चंद खन्ना, श्री जवाहर लाल खन्ना और प्रमोद चंद खन्ना, 7, हेखी रोड, नई दिल्ली-1

(अन्तरक)

(2) श्रीमती तुषार भागव

मैसर्स सुया होल्डिंग प्रा० लिमि० और मिस्टर एस० के० भागव, ए-21, ओबराय अपार्टमेंट, 2 श्याम नाथ मार्ग, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में श्रुतबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

14, श्रीराम रोड, सिविल लाइंस, दिल्ली ताबादी 1149  
वंग मीटर ।

एस० सी० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6 नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13 अगस्त 1986

मोहर :

**सूचना आर्डर: सी० एन० एस०**

**सूचना अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 13 अगस्त 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/6/37ईई/12-85/  
1154—प्रतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिस की सं० है तथा जो प्लॉट नं० 101, 107,  
और 108 प्लॉट नं० 16, 17 पुष्पा विहार, में स्थित है (और  
इससे उपाखंडों में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, अर्जुन रेंज-111 नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधि-  
नियम, 1961 के अधीन दिनांक दिसम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाब की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वापिस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; जोड़/या

(ख) ऐसी किसी जाब या किसी भन या अन्य वास्तविक  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
अ, अ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) केररीकोन इन्डस्ट्रीयफस लिमि०,  
बी-4/205, सकंदरजंग एंक्लेव नई दिल्ली ।  
(अन्तरक)
- (2) मै० राम किशन एसोसिएट्स प्रा० लिमिटेड,  
ई-31, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली-16.  
(अन्तरिती)

ये यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन में किए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवादी  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अन्वय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा जो उस अन्वय में दिया  
गया है।

**जगन्मोहि**

प्लॉट नं० 101, 107 और 108 प्रथम खंड, प्लॉट नं० 16  
और 17, लोकल शापिंग सेंटर, पुष्प विहार, नई दिल्ली ।

कुल तीन प्लॉट्स का क्षेत्रफल 1205 वर्ग फीट ।

एस० सी० गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 13 अगस्त 1986  
मोहर :

**अन्तर्गत अधिनियम**

**वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना**

**सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)**

**कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अगस्त 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37ईई/12-85  
1155—अतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसमें संशोधन 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो फ्लैट्स नं० 102, 103, 104 और 105 प्लॉट नं० 16 और 17 पुष्पा विहार, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-6, में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक दिसम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए गन्तारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अधोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से ऐसे व्ययमान प्रतिफल का समूह अधिक है और अंतर (अंतर) और अंतर (अंतर) के बीच ऐसे अंतर के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है—

(क) सूचना में इसमें किसी नाम की बाजार, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य वास्तविक को जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों के अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, जिसे में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जहाँ—

(1) केपरीकोन इंडस्ट्रीयल्स लिमि० बी-4/205, सफ़दरजंग एंक्लेव, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) टेक कन्सल्टेंट्स लि०-31, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्रवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों यह सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक अवधि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सा रखने वाली अन्य व्यक्ति द्वारा, अपवादकारी के साथ लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्ति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट्स नं० 102, 103, 104 और 105 प्रथम खंड प्लॉट नं० 16 और 17 लोकन शांति सेंटर, पुष्पा विहार, नई दिल्ली।

कुल क्षेत्रफल चार फ्लैट्स 1205 वर्ग फीट।

एस० सी० गुप्ता  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13 अगस्त 1986

सोहर :

प्रकरण बाई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-न (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अगस्त 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एन्यू०/6/37इइ/12-85/

1156—अतः मुझे, एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिस की सं० है तथा जो फ्लैट नं० 106, 109

और 110 प्लॉट नं० 16 और 17, पुष्पा विहार, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), आयकर अधिकारी के कार्यालय अर्जुन रेंज III में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख दिसम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवनान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धन प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब माया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी लाभ की, वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) इसी किसी लाभ या किसी धन या अन्य वास्तवों को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसार न, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्णित :-

(1) क्योरिकोन इन्डस्ट्रीयल्स लिमि० बी-4/205,  
सफदरजंग एंक्लेव, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) आर० के० एड० एसोसिएट्स, ई-31,  
ग्रीन पार्क, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 106, 109 और 110 प्रथम खंड प्लॉट नं० 16  
और 17 लोकल शापिंग सेंटर, पुष्पा विहार, नई दिल्ली ।

क्षेत्रफल फ्लैट्स 1205 वर्ग फीट

एस० सी० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13 अगस्त 1986

मोहर :



प्रमाण नोटि. एन. एस. 1

(1) श्री बी० गोविन्दराजुलु

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मैसर्स टाटा आयरन एण्ड स्टील कंपनी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अगस्त 1986

निदेश सं० 2/दिसम्बर-85—अन: मुझे ए० आर० रेड्डी  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवेकात्मक करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिस को सं० 1, स्टर्लिंग रोड, मद्रास-34 है, जो तुगम्बाकम  
में स्थित है (और इसके अनुबंध में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता प्रविधारी के कार्यालय, लेख सं० 576/85 थाउजैंड  
लाइट्स में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिसम्बर 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के समयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके समयमान प्रतिफल से, ऐसे समयमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, आयकर  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत कोई  
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन का यह  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह्य से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित्व द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वशुन किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुमोदित

प्लेट थर्ड फ्लोर डोर सं० 1, स्टर्लिंग रोड मद्रास-34  
थाउजैंड लाइट्स लेख सं० 576/85

ए० आर० रेड्डी  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास-6

दिनांक : 6 अगस्त 1986

मोहर :

प्रकाश बाबू, टी.एन.एच.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) की अधीन सूचना

आज्ञा सूचना

आयकर, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अगस्त 1986

निर्देश सं० 6/दिसम्बर 1985—अतः मुझे ए० आर० रेड्डी  
आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसने वरन्नात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 533/12, ब्लाक सं० 29,  
डोर सं० 19, है, जो वीट, क्राफ्ट्स रोड, नुगम्बाक्कम् में स्थित है  
(और इसके अनुबंध में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, थाउजेंट लाइट्स/लेख नं० 606/85 में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिसम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की अवमान  
प्रतिफल के लिए बंटाई की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके व्यवमान प्रतिफल से ऐसे व्यवमान प्रतिफल का  
बहु प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) की बंटाई  
(अन्तर्गतियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए सब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निश्चित  
के वास्तविक रूप से अंतरक नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त  
अभिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाधित न के करी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अभिनियम या धनकर  
अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवर्धनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था किमान में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अभिनियम की धारा 269-ए की अन्तरक  
में, कि, उक्त अभिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात्—

(1) श्री अविद मिर्सा नमासि

(अन्तरक)

(2) श्री के० टी० एम० अहमद मुस्तफा

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्तासारी के  
बाद निश्चित न किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरण :—इसने प्रयुक्त कानूनी और वनों का, जो उक्त  
अभिनियम के अन्तर्गत 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो अन्तर्गत में दिया  
गया है।

व्यवस्था

भूमि और मकान-19, वीट क्राफ्ट्स रोड, नुगम्बाक्कम्  
मद्रास-34 थाउजेंट लाइट्स लेख सं० 606/85

ए० आर० रेड्डी  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास-6

दिनांक : 6 अगस्त 1986  
मोहर :

प्राकृत्य भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास-6

मद्रास, दिनांक 6 अगस्त 1986

निदेश सं० 8/दिसम्बर 85—अतः मुझे, श्री एन० आर०  
रेड्डी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्वामर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 16ए, ईस्ट लोकमान्य स्ट्रीट, आर० एस०  
पुरम् है, जो कोयम्बतूर में स्थित है (और इसके अनुबन्ध में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
कोयम्बतूर लेख सं० 5589/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर,  
1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथार्थपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
वर्द्ध प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच इतने अंतरण के लिए तय पाया गया  
है कि, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विधि में  
वास्तविक रूप से अतिरिक्त नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरण के अतिरिक्त  
को कभी कर के या उक्त करने में सुविधा के लिए  
की/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों  
अन्तर्गत् सूच्य प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वचन :-

(1) 1. श्री टी० रामस्वरूप 2. श्रीमती राजा राणी रामस्वरूप  
महोदया ।

(अन्तरक)

(2) श्री रामचन्द्र राधाविश्वनाथ और दूसरे (एच० यू०  
एफ०)

(अन्तरिती)

की इस सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए  
कार्यवाही करा है।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वादोप-  
पत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या उत्तम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्वामर संपत्ति में हित-  
बधुन किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पाद लिखित में कि या वचने।

समाप्ति:-इसमें प्रयुक्त सबों की वजह का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्तर्गत 20-क में परिभाषित है,  
कही गई है या उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान डोर सं० 16ए; वार्ड, ब्लॉक सं० 22,  
मैट सं० 13, ब्लॉक सं० 17, आर० एस० पुरम्, कोयम्बतूर,  
कोयम्बतूर/लेख सं० 5589/85 ।

ए० आर० रेड्डी

सक्षम प्राधिकारी

(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)

अर्जन रेंज-II, मद्रास-6

दिनांक : 6-8-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अगस्त 1986

निदेश सं० 1/दिसम्बर 1985—अतः मुझे, श्री ए० आर०

रेड्डी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 12, नुंगम्बाक्कम् है रोड, है, जो मद्रास-34 में स्थित है (और इसके अनुबन्ध में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, थांसल्लैडुम/लेख सं० 570/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती आर० बी० सरोजिनी देवी।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स वोरियाण केमिकल्स डिस्टिलरीस लिमिटेड (अन्तरिती)

4. यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान "कुन्दवान" सं० 48, नुंगम्बाक्कम् है रोड, मद्रास-34, थांसल्लैडुम/लेख सं० 570/85

ए० आर० रेड्डी  
सक्षम प्राधिकारी,  
(निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 6-8-1986

मोहर :

(अन्तरिक)

(अन्तरिती )

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप न—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्सम्यक्ची व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद का समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:** प्रश्न में प्रत्यक्ष प्रश्नों के पदों का, जो अक्सर अधिनियम के धार्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहाँ उर्थ होगा से उस अध्याय में दिया गया है।

को पूर्वोक्त सर्पांत को उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सर्पांत का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

## अनसूची

भूमि और माल 24 कॉलेज रोड, मद्रास-6 थायान्ड-  
लैडम/लेख सं० 583/85

दिनांक : ६-८-१९८६

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 अगस्त 1986

निर्देश सं० 4/दिसम्बर 1985--अतः सुष्ठे, श्री ए० आर०

रेड्डी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्री एन. एस. सं० 24, कालेज रोड, मद्रास है, जो में स्थित है  
(और इसके अनुबन्ध में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, थॉसन्डलैट्स/लेख सं० 583/  
85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) वैसे किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :—

(1) मेसर्स पञ्चप्रिया रीयल एस्टेट्स

(अन्तरक)

(2) मेसर्स अपेक्स कन्स्ट्रक्शन्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाढ़ में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान—24, कालेज रोड, मद्रास-6 थॉसन्ड  
लैट्स/लेख सं० 583/85 ।

ए० आर० रेड्डी

सक्षम प्राधिकारी

(निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त)

अर्जन रेंज-II, मद्रास-6

दिनांक : 7-8-1986

मोहर :

प्रकाश आर्टी एन.एस.-----

(1) श्री वी० बी० कोठियन्

(अन्तरक)

सहायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती सुबेदा बेगम (पार्टनर) बिफा कार्मस  
(अन्तरितो)

राज्य सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अगस्त, 1986

निवेदन सं० 4/दिसम्बर 1985- अतः मुझे, श्री ए० आर०

रेड्डी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके द्वारा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269  
घ के अधीन सहाय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि खेती 49, सोमन्जेरी, गांव है, जो  
कोवलम पंचायत में स्थित है (श्रीर इसके अनुबन्ध में श्रीर पूर्ण  
रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरु-  
प्पोरूर/लेख सं० 2773/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर,  
1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दरमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल से, ऐसे दरमान प्रतिफल का  
पञ्चद्व प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निहित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वामत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अर्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

यह संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45  
दिन की अवधि या उत्तरदायी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि खेती ---49 सोमंजरी गांव, कोवलम पंचायत,  
कोवलम/तिरुप्पोरूर/लेख सं० 2773/85 ।

ए० आर० रेड्डी

सहाय प्राधिकारी

निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज-II, मद्रास-6

दिनांक : 6-8-1986

मोहर

प्रथम भाग, टी० एन० एन०

(1) श्री एस० आर० प्रधान

(अन्तरिक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) कुमारी एम० भानुप्रिया ।

(अन्तरिणी)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अगस्त 1986

निदेश सं० 11/दिनम्बर 1985—अनःसुमे, श्री ए० आर०

रेड्डी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सूचना प्रकाशित की, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4, विजयरागवायारी रोड, I फ़ास  
जो टी० नगर मद्रास-17 में स्थित है (श्री ए० आर० के अनुबन्ध  
में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिपति के  
कार्यालय, मद्रास दक्षिण /3181/85 में आयकर अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
दिनम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यह तथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिणी (अंतरितियों) के बीच  
एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाग की वास्तविक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत की  
वास्तविक से कमी करने या उसके बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भूत या अन्य वास्तविक  
की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
रक्षक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 26-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगे जो उक्त अधिनियम में दिये  
गये हैं।

अनुसूची

भूमि और माल — 4, विजयरागवायारी रोड—I फ़ास  
स्ट्रीट, टी० नगर मद्रास-17 दक्षिण मद्रास-लेख सं० 3681/  
1985 ।

ए० आर० रेड्डी  
प्रथम प्राधिका,री,  
निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 6-8-86

मोहर :



प्रथम भाग. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

साहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 अगस्त 1986

निदेश सं० 15/वि.सं. 1986-अ.सू. श्री ए० आर० रेड्डी,  
रेड्डी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन मन्त्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 9, पण्णुग मुदली स्ट्रीट, रायपेट्टा है, जो  
मद्रास-14 में स्थित है (और इससे अनुबंध में अधिपूरण रूप में  
वर्णित है), एंजिस्ट्रीमती अधिपूरी के माध्यम, मद्रास मेन्ट्रल/लिव  
सं० 1221/85 में भारतीय एंजिस्ट्रीमती अधिनियम,  
1903 (1903 का 13) के अधीन, दिनांक दिनांक 1985

के अधिनियम संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हस्तांतरण  
प्रतिफल के लिए अनुरक्ति की गई है और इसके लिए विश्वास  
कारण का कारण है कि यथार्थवादी संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके हस्तगत प्रतिकूल से ऐसे समतल प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कटौती करने या इससे अन्तरण से सूचना के लिए;  
बोर्ड/वा

(1) श्री ए० श्रीनिवासन ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती धनुषा बाय देवजी अपर

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए  
आवधारित शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक 2—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
वश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के  
एक लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

श्रीम श्रीरत्नम सं० 9, पण्णुग मुदली स्ट्रीट, रायपेट्टा,  
मद्रास 14, मद्रास मेन्ट्रल/लिव सं० 1221/85 ।

ए० आर० रेड्डी

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षीय साहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज-II, मद्रास-6

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

दिनांक : 7-8-1986

मोहर :

प्रकृत बाई.टी.एन.एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास-6

मद्रास, दिनांक 7 अगस्त 1986

निर्देश सं० 5/दिसम्बर 1985—अतः मुझे, श्री ए० आर० रेड्डी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 811, अण्णा शाले, है, जो मद्रास-2 में स्थित है (और इसके अनुबन्ध में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकाारी के कार्यालय, थॉसण्ड लैण्ड/लेख सं० 605/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवधान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करने का कारण है कि वास्तविक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके व्यवधान प्रतिफल से होते व्यवधान प्रतिफल का पक्ष प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पत्रा व्यवधान प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण अधिकृत है वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) मेसर्स कम्युनियार्स शापिंग सेंटर सूदाकरा और रामैया)

(अन्तरक)

(2) श्री विक्रम ए० जोगती ।

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान —81, अण्णा शाले, मद्रास-2 तॉसण्डलैलेस लेख सं० 605/85 ।

ए० आर० रेड्डी

सक्षम प्राधिकारी,

निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज-II, मद्रास-6

दिनांक : 7-8-1986

मोहर :

प्रकृष आर्. टी. एन. एन. - 1986

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 अगस्त 1986

निर्देश सं० 17/दिसम्बर 1985--अतः मुझे, श्री ए० आर०  
रेड्डी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और ज़िम्मे सं० कृषि खेती कोट्टकम मेवलूर गांव, है, जो  
श्रीपेरम्बुदुर में स्थित है (और इसके अनुबन्ध में और पूर्णरूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास,  
उत्तर लेख सं० 3601/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर,  
1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को व्ययमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से ऐसे व्ययमान प्रतिफल का  
संग्रह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) श्री के० उमापति शिवम्

(अन्तरक)

(2) श्री बद्रीनाथन और अन्यो ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि भाव में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावत में  
कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
न, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

कृषि खेती कोट्टकम और मेवलूर गांव, श्री पेरम्बुदुर  
तालुक मद्रास उत्तर/लेख सं० 3601/85 ।

ए० आर० रेड्डी

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षीय सहाय आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज-II, मद्रास-6

दिनांक : 7-8-1986

मोहर :

(1) श्री अर० सन्तानकृष्णन चेट्टियार

(2) श्रीमती नीनादेवी ।

(अन्तरिती)

**धारा 269-ब(1) के अधीन दण्डना**

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक ७ अगस्त १९८६

निदेश सं० १८/दि. २२/११/८५—अतः मन्त्रे, श्री ए०

अ.र० रेड्डी,

शायकर कविनिर्णय, 1951 (1953: पृ. 13) (चित्र) इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधीनराम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित दायित्व मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० (ए, टी० एंक्रम० सं० 72, एजेंडाराल नेटवर्क स्ट्रीट है, जो पांडिचेरी में स्थित है (और इसके अनुबन्ध में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के तत्त्वित्व, पांडिचेरी लेख सं० 3012/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 10) के अधीन, दिनांक 15 मार्च 1985,

की पूर्वावस्था सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कारण निफल के लिए अंतर्गत की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वावस्था सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके सम्पत्ति प्रतिफल से ऐसे अवस्था प्रतिफल पर पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाल) और अन्तरिती (अन्तरिनिष्ठों) के बीच ऐसे अवस्था के लिए मूल्य मूल्य प्रतिफल, निम्नलिखित लक्ष्य से बहुत अन्तरक निम्नलिखित से वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है

(क) अन्तरण से हुई किसी आग की जांच में जलवायु परिवर्तन के कारणों को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित बातों पर विचार करना चाहिए—

- (अ) आग की शुरुआत का समय और स्थान।
- (ब) आग की तीव्रता और फैलाव का पैटर्न।
- (स) आग की रोकथाम के लिए उपलब्ध संसाधनों का उपयोग।

(क) ऐसी किसी भाषा या किसी धन या अन्य शक्तियों को जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्वेषणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या प्रकट हो सका है।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारों, अधिकारों...

क्यों यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए आवश्यकियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति को अर्पण में सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

4.5. निम्न के विषय उल्लेख्य आधार सम्पत्ति से हितपूर्वक  
विचारणा के लिए दायः प्रमाणपत्रावली के पास

**स्पष्टीकरण :—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनय के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जनसंख्या

भूमि और मकान (हिस्सा)-6ए, जवाहरलाल नेहरू  
स्ट्रीट, पांडिचेरी, पांडिचेरी/लेख सं० 3012/85।

ए० आर० रेड्डी  
सक्षम प्राधिकारी,  
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जुन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 7-8-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री जॉर्ज गेटराजन ।

(अंतरक)

(2) श्री के. तमिल मेलवी ।

(अन्तर्गती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 अगस्त 1986

निर्देश सं० 1 दिगम्बर 1985—अनः मुझे, आर०

जानकीरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इससे सम्बन्धित 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 18 है, जो गिल छिस्ट एवेन्यू हारिंगटन रोड, चेटपेट मद्रास-31 में स्थित है (और इसके अनुबन्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरियमेट (दस सं० 1441/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्बन्धित प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और नूतन यह विचार करने का कारण है कि उक्त पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उससे सम्बन्धित प्रतिफल से, ऐसे सम्बन्धित प्रतिफल का नूतन प्रतिफल से अधिक है और अंतरक अंतरकों और अन्तर्गती (अन्तर्गतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विधित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुए किसी भाग की वसूल, उक्त अन्तर्गति के अन्तर्गत कर देने के अंतरण के अन्तर्गत न कभी करने या कभी करने के अधिकार के लिए; और/वा

(ख) किसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तवों को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर्गत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत अधिनियम द्वारा उक्त अन्तर्गत किया गया या क किया गया आदि, या, अन्तर्गत के अधिकार के लिए;

यह है, उक्त अधिनियम की धारा 2159-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति से, अर्थात् :-

15—226 GI/86

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बड़ी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

करपत्री

भूमि श्रीमदान डोर सं० 18, गिल छिस्ट एवेन्यू, चेटपेट, मद्रास-31 ।

आर० जानकीरामन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेंट रेंज-1, मद्रास-6

दिनांक : 4-8-1986

मोहर :

प्रथम भाग टी. एन. एफ. -----

नवमः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास-6

मद्रास, दिनांक 25 जुलाई 1986

निदेश सं० 2/दिसम्बर 1985—अतः मुझे, आर०

जानकिरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 28, निरुनारायणा एवेन्यू, नियु आवडि  
रोड, किलपाक मद्रास-10 में स्थित है (और इसके अनुसन्ध  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
कार्यालय, पेरियेट (दन सं० 1396/85) में भारतीय  
रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक 4-12-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि संपादकोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
सम्बद्ध प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरिधियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ठर पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक विहित में  
वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक से हुई किसी बाब की वास्तविक  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक से  
वास्तविक से कभी करण या इससे रहने से सूचना  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या धन या अन्य वास्तविकों  
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
नवमः अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, जिनके से  
सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री चेदुकर प्रभाकर रेड्डी
2. श्री चि० रामचन्द्रा रेड्डी
3. श्री चि० प्रियमवदा रेड्डी ।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती मुस्ताज कबीर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त दस्तावेज के अर्जन के दस्तावेज में कोई भी बाधाएं—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब से बसाया होती है, के अंतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) के अन्तरक (अन्तरकों)

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के अंतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृश्यमान  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा संपादकोक्त बाब  
विहित में किए जा सकते हैं।

(क) के अन्तरक (अन्तरकों)

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों, शब्दों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 के में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान —डोर सं० 28, निरुनारायणा एवेन्यू  
न्यू आवडि रोड, किलपाक, मद्रास-10 ।

आर० जानकिरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास-6

दिनांक : 25-7-1986

सोहर :

दृश्य बाईं टी० एच० एच०-----

(1) डाक्टर जी० आत्मरामा राय ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री आर० राजरत्नम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास-6

मद्रास, दिनांक 28 जुलाई 1986

निर्देश सं० 3/दिमम्बर/1985—अतः मुझे, आर०

जामकिरामन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० 1, राजरत्नम स्ट्रीट, किल्पाक, मद्रास-10 में स्थित है (और इसके अनुबन्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरियमेट (दस सं० 1424/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11-12-1985

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बहुत अधिकतम से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) कल्पना से हुए किसी बात की वजह, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के कार्यालय में कभी करने या उन्हें करने में विधि के लिए, बीड/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वस्तुओं को जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता जा रहा था। विधान के विधि के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कथोद्घातकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान डोर सं० 1, राजरत्नम स्ट्रीट, किल्पाक, (दस सं० 1424/85) मद्रास-10 ;

आर० जामकिरामन

सक्षम प्राधिकारी;

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास-6

दिनांक : 28-7-1986

मोहर :

प्ररूप भाई, टी. एन. एस.

(1) श्रीमती पी० बी० सूक्ष्ममाल और अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० राजमशार और उनके भाई।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास-6

मद्रास, दिनांक 31 जुलाई 1986

निदेश सं० 4/दिसम्बर/85—अतः मुझे, आर० जोन-  
किरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी सं० टी० एन० सं० 16/1 और 16/2 है, जो  
अम्मापेट, गांधी मेलम टाउन में स्थित है (और इसके अनुबन्ध  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, मेलम ईस्ट (दस सं० 3748/85) में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 13-12-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान (चितीमा टाकीस) अम्मापेट, मेलम  
टाउन (दस सं० 3748/85)

आर० जोनकीरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास-6

दिनांक : 31-7-86

आह्व :



**वस्तु भाई, टी. एन. एच. ए.**

(1) श्रीमती जमुना भाई ।

(अन्तरक)

(2) श्री मूलचन्द कोतारी और 4 अन्य ।

(अन्तरिती)

**वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**वायकर अधिकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास-6

मद्रास, दिनांक 5 अगस्त 1986

निर्देश सं० 5/दिसम्बर/1985-अतः मुझे, आर०

जानकिरामन,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 162, गोविन्दप्प नायकन स्ट्रीट, मद्रास-1 में स्थित है (और इसके अनुबन्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, सकारपेट (दम सं० 624/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1985, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य जास्तियाँ को, बिना भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा

**न्यायोकरण:—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और बर्तन का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

भूमि और मकान—डोर सं० 162, गोविन्दप्प नायकन स्ट्रीट, मद्रास-1 (दम सं० 624/85)

आर० जानकिरामन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास-6

दिनांक : 5-8-1986

मोहर :

अथ भाग-1, टी. एन. ए. :-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

माउस कडका

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 अगस्त 1986

निदेश सं० पी० आर० सं० 4648/11/86-87—अतः

मुझे, ए० के० सिल्ला,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विपदात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजिस्की सं० जमीन श्रीरमकान सं० नं० 620/622-2/ है तथा जो 622-7/627-पी बड़ोदा कस्बा, बड़ोदा में स्थित है (श्रीर इससे उपायद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37ईई का 16) के अधीन, दिनांक 24-1-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृष्टान् प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विपदात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टान् प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का समूह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में प्रस्तुत रूप से लिखित नहीं किया गया है—

(क) अधिनियम के द्वारा किसी भाग की बायकर, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायकर में कमी करने या उसके अन्तरण में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिकी के, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

किन्तु यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरक के, न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा 1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित है—

(1) मे० पोशाक लिमिटेड,  
अलीम्पक रोड,  
बड़ोदा

(अन्तरक)

(2) मे० पराम लिमिटेड,  
उद्योग मन्दिर सं० 1  
महिम  
बम्बई-16

(अन्तरिती)

को यह सूचना बाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी मांगो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जहाँहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 2-1-86 से पेश किया गया है ।

ए० के० सिल्ला  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-11, अहमदाबाद

दिनांक : 1-8-1986  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 अगस्त 1986

निदेश सं० पी० आर० सं० 4649/11/86-87—अतः

मुझे, ए० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एम० सं० 308-1, बाबाजीपुरा, है;  
तथा जो बड़ोदा में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय,  
बड़ोदा में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक 24-2-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपभार (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री चन्दुलाल मोहनलाल धांधी  
बोखण्डी,  
वाडी, बड़ोदा ।

(अन्तरक)

(2) कानम प्रदेश पाटीदार सेवा समाज  
प्रमुख श्री धुनीभायी धीटाभाई पटेल  
रेसकोर्स,  
बड़ोदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवादा  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युत्पादकरी के पाठ  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो बाबाजीपुरा, बड़ोदा में स्थित है जिसकी सब-  
दील किमत 8,48,450/- रुपए है। सब रजिस्ट्रार, बड़ोदा में  
दिनांक 24-2-86 को रजिस्टर्ड की गयी है ।

ए० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी;

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 1-8-86

मोहर :

प्रमुख कार्य, टी. एन. एच.-----

भाषाकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 अगस्त 1986

निदेश सं० पी० आर० सं० 4650/II/86-87—अनः

मुझे, ए० के० सिन्हा

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० रोड सं० 292, जी० आई० डी० सी० उमरगांव है तथा जो गि० बलवार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37ईई का 16) के अधीन, दिनांक 9-4-86

को पञ्चोक्त अपणन के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ए० से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ए० से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरक से हुई किसी बाव की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कथित करने या उसके बचने में सूचना के लिए; और/या

(ख) ए० से किसी बाव या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पञ्चमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसारक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) हिन्दुस्तान पेंसिल प्रा० लि०  
510 हिमालय हाउस,  
पाल्ठन रोड,  
बम्बई ।

(अन्तरक)

(2) अप्पारा आर्ट मैटीरियल्स प्रा० लि०  
510, हिमालय हाउस,  
पाल्ठन रोड,  
बम्बई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

न्यायीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भाषाकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फॉर्म सं० 37ईई जो यह कार्यालय में दिनांक 9-4-86 को पेश किया गया है ।

ए० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 1-8-1986  
मोहर :

प्रथम भाग—टी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आज्ञात सहायक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 अगस्त 1986

निदेश सं० पी० आर० सं० 4651/II/86-87—अतः

मुझे, ए० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स. नं० 378 से 402, बड़ौदा तालुका,  
है। तथा जो सयामीगंज, बड़ौदा में स्थित है (और इससे  
उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
37ईई का 16) के अधीन, दिनांक 2-1-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पूर्ण प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाधत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
हाथिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
(अ. म.), उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

16-226/GI/86

(1) श्री विष्णु कुमार सोमेश्वरपुरी गोस्वामी  
सोमनाथ मन्दिर ।  
भायाजी,  
बड़ौदा ।

(अन्तरक)

(2) ला, बिल्डे, कार्पोरेशन,  
कुवेरभुवन,  
बजाज रोड,  
विले पारले (वेस्ट)  
बम्बई—56

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के लिए  
कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के वर्णन की संबंध में कोई भी कालोप 2—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाधीकारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

37ईई का फोम यह कार्यालय में दिनांक 2-1-86 को पेश  
किया गया है ।

ए० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 1-8-1986

मोहर :

## प्रारूप आर्.टी.एन.एस.-----

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 अगस्त 1986

निदेश सं० पी० आर० सं० 4652/11/86-87—अतः

मुझे, ए० के० मिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर वि० की सं० जमीन घोड़दांड रोड, अम्बा लोईन्स, है।

तथा जो सूत्र में स्थित है (श्रीर इससे उपावृद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में दर्शाया है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24 फरवरी 1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए एक पचास प्रतिशत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण दिखाने में कारगरिक रूप में कायित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

(1) श्री राजवन्तलाल रणछोड़दास एण्ड अन्य  
बेगमपुरा,  
सूरत ।

(अन्यक)

(2) मे० एम० एस० कारपोरेशन  
द्वारा जी० एम० गणात्रा,  
त्रिवेणी अपार्टमेंट,  
नानपुरा,  
सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शर्तों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अब होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

37ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 24-2-86 को पेश किया गया है ।

ए० के० मिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद,

दिनांक 4-8-1986  
मोहर :

प्रकृष जाई.वी.एन.एस.-----

(1) मनीष कारपोरेशन, ट्रेड हाउस, रिग रोड, सूरत ।  
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना(2) मै० प्रियदर्शनी प्राप्०-शैतुहीन एम० दीवान, अम्बा-  
लाइन्स, सूरत ।

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 अगस्त 1986

निदेश सं० पी० आर० सं० 4653/II/86-87--- अतः

मझे ए० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० दुकान नं० 8, बार्ड नं० 3, नोंध नं० 2886/  
बी-2, बी-3 है, तथा जो सूरत में स्थित है (और इनसे उपावृद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 6-1-1986,को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिद्धित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अंतरक से हुई किसी आय का वास्तव, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

दुकान जो सूरत में स्थित है जो सब रजिस्ट्रार, सूरत में 175  
नं० पर दिनांक 6-1-1986 को रजिस्टर्ड की गई है।ए०के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज; अहमदाबादतारीख : 4-8-1986  
मोहर :

प्रथम भाई टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 अगस्त 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4654/II/ 86-87— अतः

मुझे, ए०के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स० नं० 261/2, भीमपुरा, दमन है, तथा जो दमन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), 'रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दमन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-2-86 तथा 7-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्त करने में बाधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भुनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार न, न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शांतीलाल भंडार लाल शाह; वीर सावरकर मार्ग, महिम, अम्बई-16

(अन्तरक)

(2) परेमाशोल आटो प्रोडक्ट्स प्रा० लि०, वाडैन रोड, अम्बई-26

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो भीमपुरा, दमन में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, दमन में 5-2-1986 और 7-2-1986 को रजिस्टर्ड की गई है।

ए० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 4-8-1986

मोहर :



ग्रहण करें। टी. एन. एस. ---

भाषकट अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 अगस्त, 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4655/II/ 86-87—अतः मुझे,  
ए० के० सिन्हा,

भाषकट अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
रु. 1,00,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० मिलकत सूरत, मजुरा वाडें और सर्वे है तथा जो  
नं० 194, वाडें नं० 13, सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 25-2-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्यक्ति ने कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या  
वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

- (1) श्री नानूभाई भायूभाई माली, संग्रामपुरा, सूरत  
(अन्तरक)  
(2) मे० आर० टी० सन, भागीदार-निमित्त कुमार खी-  
लाल, अम्बा लाइन्स, सूरत।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो, सूरत, मजुरा वाडें में स्थित है जिसका रजिस्ट्रेशन  
नं० 1796 और रजिस्टर्ड दिनांक 25-2-1986 है जो सूरत में  
रजिस्टर्ड की गई है।

ए० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन-II रेंज, अहमदाबाद

तब अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अन्तरण  
में, नई, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, द्वारा है—

तारीख : 4-8-1986  
मोहर :

प्रथम भाग टी.एन.एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भाइल बरबहार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 अगस्त 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 465/II/86-87—अतः

मुझे, ए० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बंगला नं० 60, गुगम को० आर० हाउसिंग सोसाइटी  
सूरत है तथा जो रांदरे रोड, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 10-2-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की वसूल, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव  
में कमी करने या उक्त अन्तरक में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) निरंजना सरन बाबूभाई पारिख, बम्बई।

(अन्तरक)

(2) श्री बसन्त लाल ईश्वर लाल श्रीफ 60, गुगम सोसाइटी  
रांदरे रोड, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चस्व के लिए  
कार्यवाही की जाती है।

उक्त सम्पत्ति के वर्चस्व के वर्चस्व के कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के उपबन्ध में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या उसके बाद की अवधि के लिए सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपबन्ध में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किने या खरीदे।

स्वीकारणः—इसमें प्रयुक्त सबों और सबों का, जो उक्त  
अधिनियम के बन्धन 20-क में परिभाषित  
है, वही बर्ण होना जो उक्त बन्धन में दिया  
गया है।

अनुसूची

बंगला जो, सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 219  
नं० पर दिनांक 10-2-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख : 4-8-1986

मोहर :

अध्यक्ष: श्री. एन. एच. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 अगस्त, 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4657/11/86-87—अतः

मुझे, ए० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सं० नं० 173, गुड्डू लाल, सा० बलसाड है तथा जो  
बनसाड में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बलसाड में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 2-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पर्याप्त  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिणी  
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित  
है वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की वसूल, कथित  
अधिनियम के अधीन यह होने के अन्तरक के अधिनियम  
में कपी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए,  
जो/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
के बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति को, अर्थात्—

(1) जितेन्द्र बाबू भाई देसाई, कैलाश रोड, बनसाड ।  
(अन्तरक)

(2) मै० नरेश इन्डस्ट्रीज, पार्टनर—श्रीमति मजीसरन  
शामजीसरन शाह, हालर क्रामलेन, बलसाड ।  
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहोस्ताक्षरी को पाद  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमोन जो गुडगाव में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, बलसाड में  
9-10-86 नं० पर दिनांक 3-1-1986 को रजिस्टर्ड की गई  
है।

ए०के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, अहमदाबाद

तारीख : 4-8-1986  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 अगस्त, 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4658/II/86-87— अतः

मुझे, ए० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन सी० एस० नं० 3749, है तथा जो  
भगदाबाद, बलसाड में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में  
और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
बलसाड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 7-5-1986

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल को  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
जो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति को सूचित करता हूँ—

(1) मैं० दिधेण कारपोरेशन, "मातृ पाक भगीनी समाज  
हालर रोड, बलसाड।

(अन्तरक)

(2) श्री जनार्दन बाबूभाई देसाई, भावनगर, सोसाइटी,  
लीथल रोड, बलसाड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और बर्णों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो बलसाड में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, बलसाड में  
595 नं० पर 7-5-86 को रजिस्टर्ड की गई है।

ए०के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, अहमदाबाद

तारीख : 4-8-1986

मोहर :

**मुख्य भाग : टी. एन. एल. —————**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 अगस्त, 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4659/11/86-87— अतः

मुझे, ए० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० आर० एम० नं० 933, 1993-3, 1995-1 है तथा जो 199-2—मयाजीगंज, बड़ोदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति कमला लक्ष्मी सरन ईश्वरलाल सेठ कृष्णाकुंज, आर० सी० रोड, बड़ोदा।

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्णा कारपोरेशन, सतीष छोटा भाई पटेल, जलमापुर, बड़ोदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

मिलकत जो मयाजीगंज, बड़ोदा में स्थित है जिसका सबडील का मूल्य 25,01,700 रु० है। सब रजिस्ट्रार, बड़ोदा में 1359 न० पर फरवरी 86 को रजिस्टर्ड की गई है।

ए० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख : 4-8-1986

मोहर :

प्रकट नम्बर: टी. एन. एन.-----

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 अगस्त, 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4660/11/86-87—अनः  
मूले, ए० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० वाई नं० 3, सी० एस० नं० 2157 (हिस्सा),  
2158/ए/10, 2158/ए/बी, 2158/ए/1/ बी (हिस्सा) है तथा  
जो 2885/बी/2, प्लॉट नं० 1, 2885/बी/2, प्लॉट नं० 3, 2885/  
5बी/2, प्लॉट नं० 4, सुरत में स्थित है (और इससे उपानद्ध  
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दरम्यान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित हो गई है और मूले यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं पाया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वसूल, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
का अन्तरण या अन्तरण-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्तरण अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, विधान में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसार  
अनः मूले, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० संजीव बिल्डर्स प्रा० लि०, कोडया और परमरा  
पुरिया एन्टरप्राइजेज 351/2, मित्रल टावर्स, 'ए'  
विभाग, नरीमान पाइण्ट, बम्बई-400021

(अन्तरक)

(2) मै० संजीव प्रिमायसेज को० ग्राम० हा० सोसायटी लि०,  
मार्फत दिनेश भाई पंचेरीवाना, 211-ए, इण्डिया-  
टेक्सटाइल मार्केट, रिंग रोड, सुरत।

(अन्तरिती)

(3) मै० केशव देव सिन्धेटिक्स और अन्य एयवार्म।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्तक्षित जानकारी  
यह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत् से शीघ्र  
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

अनः सम्पत्ति के अन्तर्गत् के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति को सूचना

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त कहीं और पवों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो सुरत में वाई नं० 3, सी० नं० 2157 (हिस्सा)  
2158/ए/10, 2158/ए/बी, 2158/ए/बी (हिस्सा) 2885/  
बी/2, प्लॉट नं० 2885/बी/2, प्लॉट नं० 3, और 2885/बी/2,  
प्लॉट नं० 4, पर स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 17564.58  
चौ० मीटर है। यह मिलकत मै० संजीव बिल्डर्स प्रा० लि० जिसकी  
रजिस्ट्रार ऑफिस बम्बई में स्थित है। जिसका रजिस्ट्रेशन, सब-  
रजिस्ट्रार, सुरत में किया गया है।

ए० के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, अहमदाबाद

तारीख 8-8-1986  
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 17 मार्च 1986

निर्देश सं० 37ईई/9426/85-86—अतः मुझे, अनिल  
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सख्या आफिस नं० 28 दूसरी मंजिला वर्ध-  
मान मार्केट प्लॉट नं० 75 संकट नं० 17, डी० बी० सी०  
बार्ड नई बम्बई है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (और  
इसमें उपादक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त  
निरीक्षण अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैं यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1 मेसर्स वर्धमान कन्स्ट्रक्शनन्स 40-41 विनायक शास्त्री  
सेक्टर, सी० एम० बी० रोड, अंधेरी (ई) बम्बई  
(अन्तरक)

2 श्री गुलाब हटिचन्द भगवतदासो पहला मंजिला, 7  
स्ट्रालिंग सेक्टर, एम० जी० रोड, पूना ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो की  
अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुमूर्ची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/9426/85-86 जो  
जनवरी 86 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन  
रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 17-3-86  
मोहर :

MINISTRY OF PERSONNEL & TRAINING,  
ADMINISTRATIVE REFORMS AND PUBLIC  
GRIEVANCES AND PENSION

(DEPARTMENT OF PERSONNEL AND TRAINING)  
LAL BAHADUR SHASTRI NATIONAL ACADEMY OF  
ADMINISTRATION

Mussoorie, the 13th August 1986

No. 2/8/85-EST.—In pursuance of Department of Personnel and Training, New Delhi letter No. 13014/1/86-TIN/AIS(III) dated 21st July 1986, Shri S. S. L. Trakroo, a permanent Senior Stenographer in the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie, is appointed to the post of Private Secretary to Director (Group 'B' Gazetted) in the pay scale of Rs. 650-30-740 35-880-EB-40-960 with effect from 21st July 1986 (F.N.).

ANUPAM KULSHRESHTHA  
Dy. Director

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-110 003, the 8th August 1986

No. 11/DD(A) CBI/86.—The Director CBI and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint Shri Hansraj Bulbul as Office Superintendent in C.B.I. on promotion on regular basis with effect from 1st August 1986, until further orders.

The 12th August 1986

No. A/19036/16/82/AD.V.—The services of Shri Karan Singh, Dy. Supdt. of Police on deputation to Central Bureau of Investigation from Himachal Pradesh State Police were placed at the disposal of Himachal Pradesh Government with effect from 31st July 1986 afternoon, on repatriation.

No. 3/36/86/AD.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police/Special Police Establishment is pleased to appoint Shri Mohd. Abdul Karim, Dy. Supdt. of Police an officer of the Orissa Police to officiate as Dy. Supdt. of Police on deputation in C.B.I., Bhubaneswar with effect from the forenoon of 31st July 1986, until further orders.

D. P. BHALLA  
Administrative Officer (E)  
CBI

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110003, the 11th August 1986

No. D.I.10/85-Estt.I.—The services of Shri C. L. Sharma, Asstt. Comdt. 4th Signal Battalion, CRPF, Neemuch are placed at the disposal of State Govt. of Haryana in the afternoon of 5th August 1986, on deputation basis.

KISHAN LAL  
Dy. Director (Estt.)

New Delhi-110 003, the 8th August 1986

No. O.II.2239/86-Estt.I.—The President is pleased to appoint Dr. Ajoy Kumar Singh as General-II (Dy. Superintendent of Police/Company Commander) in the Central Reserve Police Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 23rd July 1986 till further orders.

No. O.II.2240/86-Estt.I.—The President is pleased to appoint Dr. Jeevan Prakash Madan Gopal Agarwal as General Duty Officer, Grade-II (Dy. Superintendent of Police/Company Commander) in the Central Reserve Police Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 28th July 1986 till further orders.

M. ASHOK RAI  
Assistant Director (Estt.)

DIRECTORATE OF COORDINATION  
(POLICE WIRELESS)

New Delhi-3, the 12th August 1986

No. A-12012/2/86-Admn.U.—The President is pleased to appoint S Shri T. K. G. Krishnan and B. S. R. Moorthy, permanent Assistant Directors to the post of Deputy Director in the Directorate of Coordination (Police Wireless) in the scale of pay of Rs. 1,200—50—1600/- in officiating capacity with effect from the forenoon of the 1st August 1986 until further orders.

B. K. DUBE  
Director  
Police Telecommunications

DIRECTORATE GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 1st August 1986

No. E-16014(2)/14/85-Pers.I.—On re-employment, Shri M. S. Aulakh has assumed charge of the post of Commandant, 1st Reserve Battalion, CISF Barwaha (MP) with effect from the forenoon of 21st July 1986.

The 4th August 1986

No. F-16013(1)/4/86-Pers.I.—On appointment on deputation, Shri S. J. Barman, IPS (WB : 57) assumed the charge of the post of Inspector General, Eastern Sector, CISF, Calcutta with effect from the afternoon of 14th July 1986.

No. F-32015(2)/6/86-Pers.I.—The President is pleased to appoint Shri P. P. John Alex, Asstt. Commandant on promotion as Commandant, CISF Unit, ESTPP, Farakka with effect from the forenoon of 7th July 1986 on regular basis.

Sd./- ILLEGIBLE  
Director General/CISF

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR  
GENERAL OF INDIA

New Delhi, the 8th August 1986

No. 1599 CA I/498-84—On attaining the age of superannuation the following Asstt. Audit Officers (Commercial) have retired from the service from the dates noted against each :-

Sl. No.	Name of the official	Office where working	Date of Superannuation
S/Shri			
1.	B. P. Srivastava	AG (Audit-II) Uttar Pradesh, Lucknow.	31-5-1986 AN
2.	M. P. Choudhary	MAB/DCA, Bombay.	30-6-1986 AN

K. P. LAKSHMANA RAO,  
Asstt. Compt. & AR. Genl.  
(Commercial)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)-I  
MAHARASHTRA

Bombay-20, the 21st July 1986

No. Admn. I/Audit/Genl/AO/1(1)/2—The Accountant General (Audit) I Maharashtra, Bombay is pleased to appoint the following Assistant Audit Officers to officiate as Audit Officer with effect from the dates mentioned against their names, until further orders :-

Sl. No.	Name	Date of Appointment as Audit Officer
1.	Shri R. Subramanian	23-6-1986 F. N.
2.	Shri M. Y. Keni	30-5-1986 F. N.

H. SHUBHALAKSHMI NARAYANAN  
St. Dy. Accountant General/Admn.



## OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CENTRAL

Calcutta-700001, the 7th August 1986

No. Admn. 1-C/470/1321-22.—The Director of Audit, Central, Calcutta has been pleased to appoint the following Assistant Audit Officers to officiate as Audit Officers (Gr.) 'B' in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 from the date noted against each in the office of the Director of Audit, Central, Calcutta, until further orders :—

Sl. No.	Name	Date of assumption of change
1.	Shri Santiram Chatterjee	26-2-1986 (F/N)
2.	Shri Sanjay Kr. Banerjee	26-2-1986 (F/N)
3.	Shri Ajit Kr. Bose-III	29-5-1986 (F/N)
4.	Shri Sanker Prasad Halder	30-5-1986 (F/N)
5.	Shri Sanat Kr. Biswas	30-5-1986 (F/N)
6.	Shri Himangshu Kr. Bhattacharyya	30-5-1986 (F/N)
7.	Shri Jadu Nath Guha	30-5-1986 (F/N)
8.	Shri Rajindra Nath Sarkar-II	30-5-1986 (F/N)
9.	Shri Sushil Ranjan Karmaker,	30-5-1986 (F/N)
10.	Shri Sujit Kr. Guha	30-6-1986 (F/N)

S. KRISHNAMURTHY, Dy. Director of Audit (Admn.)

## MINISTRY OF LABOUR

## DIRECTORATE GENERAL FACTORY ADVISE SERVICE AND LABOUR INSTITUTES

Bombay-400 022, the 14th August 1986

## CORRIGENDUM

No. 15/33/82-Estt.—Reference this Directorate General's notification of even number dated 23rd July 1986.

The name of the officer may please be corrected to read as "Joseph M. Manoharan" instead of "Joseph S. Manoharan".

K. A. NARAYANAN  
Dy. Director (Admn.)  
for Director General

## DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

## (ADMINISTRATION SECTION-6)

New Delhi-110001, the 5th August 1986

No. A-31014/1/85/A-6.—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints the following Officiating Assistant Inspecting Officers (Metallurgical—Chemical) substantively in the permanent posts of the Assistant Inspecting Officer (Metallurgical—Chemical) with effect from the dates noted against each :—

Sl. No.	Name of Officer	Date of confirmation
S/Shri		
1.	P. N. Mishra	09-07-1981
2.	Mrs. J. P. Allenchery	01-02-1982
3.	R. P. Sinha	06-02-1983
4.	S. Anantanarayanan	21-09-1983
5.	J. P. Sharma	01-12-1983
6.	D. V. Asri	07-05-1985
7.	C. Unikrishnan	07-05-1985

No. A-17011/71/74/A-6.—Shri G. C. Nag, permanent Assistant Inspecting Officer (Engineering) in the office of Director of Inspection, Calcutta retired from service on the afternoon of 31st May 1986, on attaining the age of superannuation.

R. P. SHAHI  
Dy. Director (Admn.)  
for Director General of Supplies and Disposals

## MINISTRY OF STEEL AND MINES

(DEPARTMENT OF MINES)

## GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 11th August 1986

No. 5095B/A-1901J(1-MNV)/61/19A.—Shri M. N. Viswanatha, Geologist (Senior), Geological Survey of India retired voluntarily from services with effect from 16th January 1986 (F/N).

A. KUSHARI  
Director (Personnel)

## INDIAN BUREAU OF MINES

Naapur, the 11th August 1986

No. A.19012(226)/86-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri R. Y. Kadeer, Senior Technical Assistant (Geo.), Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Assistant Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines w.e.f. the afternoon of 8th July 1986.

G. C. SHARMA  
Asstt. Administrative Officer  
for Controller General  
Indian Bureau of Mines

## DIRECTORATE GENERAL : DOORDARSHAN

New Delhi, the 7th August 1986

No. A-12026/4/82-S.II.—Shri Satya Pal, Accounts Officer, Office of the Chief Controller of Accounts, Central Board of Direct Taxes, New Delhi is appointed on deputation basis as Accounts Officer in the pay scale of Rs. 840—1200 in the office of the Central Purchase and Stores, Doordarshan, New Delhi w.e.f. 1-7-1986 (FN) for a period of two years.

2. The pay and allowances of the officer will be governed by the terms and conditions laid down in the Ministry of Finance (Department of Expenditure) O.M. No. 10(24)E. III '60 dated 4-5-1961 as amended from time to time.

B. S. SANDHU  
Dy. Director of Administration  
for Director General

## MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

## FILMS DIVISION

Bombay-400026, the 7th August 1986

No. 6/35 57-Estt.I.—The Chief Producer, Films Division has appointed Shri M. S. Gangadhar, Permanent Cameraman, Films Division, Bombay to officiate as Cameraman (C.F.U.) in the same office with effect from 6th June 1986 (F.N.) until further orders vice Shri Baldev Khosla, Cameraman (CFU) retired from service with effect from 31-12-1985 (AN).

The 12th August 1986

No. A-32014/4/84-RC.—The Chief Producer, Films Division, has appointed Shri N. Viswanathan, Officiating Steno. Grade-I in Films Division, Bombay to officiate as Assistant Administrative Officer on ad-hoc basis in the same office in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 from the forenoon of 7th August 1986, until further orders.

N. N. SHARMA  
Administrative Officer  
for Chief Producer

## MINISTRY OF AGRICULTURE

(DEPARTMENT OF AGRICULTURE &amp; COOPN)

## DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 29th July 1986

No. F.2-2/84-Estt.I.—On the recommendation of Departmental Promotion Committee Group 'B' of this Directorate,

Shri M. P. Singh, Senior Hindi Translator of the Department of Agriculture and Cooperation and officiating as Hindi Officer on an ad hoc basis in this Directorate is appointed to the same post on a regular basis, by transfer on deputation, with effect from the afternoon of 14th July 1986 for a period not exceeding 3 years or until further orders, whichever is earlier.

R. G. BANERJEE  
Director of Administration

**BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE  
PERSONNEL DIVISION  
(RECRUITMENT SECTION)**

Bombay-400085, the 1st August 1986

No. PA/79(19)/84-R-III/1659.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Mohammad Minhaj Rasool, Selection Grade Clerk in Nuclear Fuel Complex, Hyderabad to officiate as Assistant Personnel Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in Bhabha Atomic Research Centre, Nuclear Research Laboratory, Srinagar, with effect from the forenoon of June 26, 1986 until further orders.

The 4th August 1986

No. PA/79(19)/84-R-III/1660.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Arunachalam Pattabiraman, permanent Stenographer in Indira Gandhi Centre for Atomic Research, Kalpakkam to officiate as Assistant Personnel Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in Bhabha Atomic Research Centre at Centre for Advanced Technology, Indore, with effect from the forenoon of July 21, 1986 until further orders.

C. G. SUKUMARAN  
Dy. Establishment Officer

**DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES**

Bombay-400 001, the 6th August 1986

Ref. DPS/2/1(3)/85-Adm./22466.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Jagannath Gopal Sathe, a permanent Assistant Accountant and an officiating Accountant to officiate as an Assistant Accounts Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 from 19-7-86 (FN) to 30-9-86 (AN) in the same Directorate.

B. G. KULKARNI  
Administrative Officer

**ATOMIC MINERALS DIVISION**

Hyderabad-500 016, the 8th August 1986

No. AMD-51(53)/85-Pen.11957.—On attaining the age of superannuation Shri P. S. R. Murty, Permanent Assistant Personnel Officer and officiating Administrative Officer-II in the Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy relinquished charge of his post on the afternoon of July 31, 1986.

The 11th August 1986

No. AMD-8/1/86-Rectt.11926.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri M. S. Viswanatham, a permanent Assistant Security Offi-

cer, Atomic Minerals Division to officiate as Security Officer in the same Division on an ad hoc basis with effect from 28-7-1986 to 5-9-1986 vice Shri S. K. Saraf, Security Officer proceeded on leave.

S. PADMANABHAN  
Sr. Administrative & Accounts Officer

**DEPARTMENT OF SPACE**

**INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION  
SPACE APPLICATION CENTRE**

Ahmedabad, the 5th August 1986

No. SAC/EST/3-19/86.—The Director, SAC is pleased to appoint the undermentioned officials to the post of SCI/Engineer SB with effect from the forenoon of April, 1, 1986 in the Space Application Centre of the Department of Space, Ahmedabad, in an officiating capacity and until further orders :—

S. No.	Name
1.	Shri P. A. Geda
2.	Shri J. P. Joshi
3.	Shri M.P. Sharma
4.	Shri R. S. Gajjar
5.	Shri M. Bamania
6.	Shri G. N. Lumavia
7.	Shri K. P. Bhalsod
8.	Smt. R. K. Chaudhan
9.	Shri S. N. Bhatt
10.	Shri D. R. Sevak

K. S. KRISHNAN,  
Administrative Officer-II (Estt.)

**CENTRAL EXCISE & CUSTOMS COLLECTORATE**

Vadodara, the 8th August 1986

No. 22/86.—Shri N. D. Jeshi, Superintendent of Central Excise & Customs, Division-I, Vadodara will be retiring voluntarily from Government service with effect from 14-8-1986 F.N.

SMT. VARALAKSHMI RAJAMANICKAM  
Collector of Central Excise and Customs

**CENTRAL WATER COMMISSION**

New Delhi-110 066, the 7th August 1986

No. A-19012/1186/86-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Khub Chand Balani, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 23rd June 1986.

The 12th August 1986

No. A-19012/1117/85-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri A. M. Sen, Research Assistant (SG) to the post of Assistant Research Officer (Chemistry) in the Central Water Commission in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a purely temporary and ad hoc basis with effect from the forenoon of 23rd June 1986 for a period of six months or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

MEENAKSHI ARORA  
Under Secy.  
Central Water Commission

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 18th March 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9426/1985-86.—Whereas, I. ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 228 on second floor, in Vardhaman Market Plot No. 75, Sector 17, D.B.C. Vashi, New Bombay situated at New Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. situated at New Bombay for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s Varadhaman Constructions,  
40-41 Vishal Shopping Centre,  
Sir M. V. Road, (Andheri-Kurla-Road)  
Andheri (E) Bombay. (Transferor)
- (2) Shri Gulab Hotchand Bhagchandaney,  
1st floor, 7 Sterling Centre,  
M.G. Road, Pune. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, 45 days from the date of publication of this notice whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 228 on second floor, in Vardhaman Market, Plot No. 75, Sector 17, D.B.C. Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9426/1985-86 in the month of Jan. 1986).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Dated: 18-3-1986.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 18th March 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EF/9417/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 328 on third floor in Vardhaman Market at Plot No. 75, Sector 17, Vashi, New Bombay situated at New Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. Range, Pune on Dec. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Vardhaman Constructions,  
40-41 Vishal Shopping Centre,  
Sir M. V. Road (Andheri-Kurla-Road)  
Andheri (E) Bombay. (Transferor)
- (2) Shri Yogesh Jethmal & Others  
B-29 Krishna Krupa, 2nd floor,  
Shankar Lane, Kandivli (W) Bombay. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 328 on third floor in Vardhaman Market at Plot No. 75, Sector 17, Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9417/1985-86 in the month of January 1986).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Dated: 18-3-1986.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 27th February 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/6701/1985-86.—Whereas,  
I, ANIL KUMAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as  
the said 'Act' have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/-and bearing No.  
Property situated at C.T.S. No. 917/17 Shivajinagar,  
Pune-4,  
situated at Pune  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn.  
Range, Pune on Jan 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfr with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor, to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
18—226G1/86

(1) M/s B. K. Promoters, "Jaidev"  
721/1/20 Prashant Nagar,  
Navi Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Shri Upendra Keshar Kanitkar & Others.  
12 Ganeshwadi, Pune-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property situated at C.T.S. No. 917/17 Shivajinagar,  
Pune-4.

(Property as described in the agreement to sale registered  
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under  
document No. 6701/1985-86 in the month of January 1986).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Dated : 27-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 13th February 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9433/1985-86.—Whereas,  
I, ANIL KUMAR,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the  
Immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.Flat No. 304 on third floor in Sarvodaya Plot No.  
29-B of Sector 4 of Vashi, New Sarvodaya Co-operative  
Housing Soc. Ltd.situated at Vashi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C.,  
Acqn. Range, Pune on Jan. 1986for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely:—

- (1) M/s Ghruh Builders,  
40-41 Vishal Shopping Centre,  
Sir M. V. Road, (Andheri-Kurla-Road)  
Andheri (E) Bombay. (Transferor)
- (2) Shri Saumitra Kumar Basu,  
The Associates Cement Co. Ltd.  
Project Division Express Tower,  
6th floor, Nariman Point, Bombay. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 304 on third floor in Sarvodaya Plot No. 29-B  
of Sector 4, of Vashi, New Sarvodaya Co-operative Housing  
Society Ltd.

(Property as described in the agreement to sale registered  
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under  
document No. 9433/1985-86 in the month of Jan. 1986).

ANIL KUMAR  
Competent Authority.  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Pune

Dated : 13-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 13th February 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9434/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 204 on second floor in "Sarvodaya" Plot No. 29-B Sector No. 4 of Vashi of New Sarvodaya Co-op. Housing Society Ltd. situated at Vashi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on Jan. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Ghruh Builders,  
40-41 Vishal Shopping Centre,  
Sir M. V. Road, (Andheri-Kurla-Road)  
Andheri (E) Bombay. (Transferor)
- (2) Mr. R. K. Ramachandran Nair,  
A.C.C. Project Division,  
Express Tower, 6th floor,  
Nariman Point, Bombay. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition to the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 204 on second floor in "SARVODAYA" Plot No. 29-B Sector No. 4, of Vashi, of New Sarvodaya Co-operative Housing Soc. Ltd.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9434/1985-86 in the month of Jan. 1986).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 13-3-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 17 February 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9436/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing No. Flat No. 1 on ground floor in Sarvodaya Plot No. 29-B Sector 4 Vashi, New Sarvodaya Co-operative Hsg. Soc. Ltd. situated at Vashi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Jan. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s Ghrub Builders,  
40-41 Vishal Shopping Centre,  
Sir M. V. Road (Andheri-Kurla-Road)  
Andheri (E) Bombay. (Transferor)
- (2) Mrs. S. S. Kerkar & Mr. S. D. Kerkar,  
C-2/5/1:4 Sector No. 4, Vashi, New Bombay. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1 on ground floor in Sarvodaya Plot No. 29B Sector 4, Vashi, New Sarvodaya Co-operative Housing Society Ltd.

(Area 850 sq. ft. Super built up)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9436/1985-86 in the month of January 1986).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Dated : 17-2-1986  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 18th February 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9435/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 203, on 2nd floor in "New Sarvodaya Co-op. Housing Soc. Ltd. Plot No. 29-B Sector 4 Vashi of New Sarvodaya Co-operative Hsg. Soc. Ltd. situated at Vashi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn., Range, Pune on Jan. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Ghruh Builders,  
40-41 Vishal Shopping Centre,  
Sir M. V. Road, Andheri-Kurla-Road,  
Andheri (E) Bombay. (Transferor)
- 2) Shri K. V. Kini and Smt. Lila Kini,  
702 Amrit Tushar, 14th Road,  
Khar, Bombay. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 203 on second floor in "New Sarvodaya Co-operative Housing Soc. Ltd. Plot No. 29B Sector 4, Vashi.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9435/1985-86 in the month of Jan. 1986).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Dated : 18-2-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 20th March 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9427/1985-86.—Whereas,  
I, ANIL KUMAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 104 on 1st floor in building Vardhaman Park at  
Vashi, New Bombay,  
situated at New Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn.  
Range, Pune on Jan. 1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by this issue of the notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) M/s Vardhaman Builders,  
40-41 Vishal Shopping Centre,  
Sir M. V. Road, Andheri (E) Bombay. (Transferor)
- (2) Shri Hansraj Mahadev Bagade,  
276A Municipal Chawl, Near Laxmi  
Baag, Sion, Bombay. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 104, on 1st floor in building Vardhaman Park at  
Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in  
the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under docu-  
ment No. 9427/1985-86 in the month of Jan. 1986).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 20-3-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) M/s Vardhaman Builders,  
40-41 Vishal Shopping Centre,  
Sir M. V. Road, (Andheri-Kurla Road)  
Andheri (E) Bombay. (Transferor)
- (2) Shri Amin Umer Rajkotwala, "Brooks Villa"  
5 Sidling Pura, Mysore. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 20th March 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9420/1985-86.—Whereas,  
I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 703, on 7th floor in Vardhaman Park, Plot No. 49, Sector 17, Vashi, New Bombay, situated at New Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on Jan. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 703 on seventh floor in Vardhaman Park, Plot No. 49, Sector 17, Dist. Business Centre, Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9420/1985-86 in the month of an. 1986).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-3-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 21st March 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9422/1985-86.—Whereas, I ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 503 on 5th floor in Vardhaman Park at Plot No. 49, Sector 17, Vashi, New Bombay, situated at New Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering I.A.C., Acqn. Range, Pune in January 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Vardhaman Builders,  
40-41 Vishal Shopping Centre,  
Sir M.V. Road (Andheri-Kurla Road)  
Andheri (E) Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Asif K. Rajkotwala,  
30 Maruti Lane, Fort, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 503, on 5th floor in Vardhaman Park at Plot No. 49, Sector 17, Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9422/1985-86 in the month of January 1986).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Date: 21-3-1986  
Seal:

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 24th March 1986

Ref. No. IAC ACQ/C-5/37EE/9424/85-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2 on ground floor in "Vardhaman Park" on Plot No. 49, Sector 17, D.B.C. Vashi, New Bombay, situated at New Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in January 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

19—226GI/86

- (1) M/s Vardhaman Builders,  
40-41 Vishal Shopping Centre,  
Sir M.V. Road, (Andheri-Kurla Road)  
Andheri (E) Bombay. (Transferor)
- (2) Mr. Tushar Manohar Desai & Mr. Ankur D. Patil,  
80/5 Yashodhara, First Floor, Veer Savarkar Marg,  
Dadar, Bombay. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2 on ground floor in "Vardhaman Park" on Plot No. 49, Sector 17, D.B.C. Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9424/1985-86 in the month of January 1986).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 21-3-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 24th March 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/9429/85-86.—Whereas, I ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 603 on sixth floor in "Vardhaman Park" Plot No. 49, Sector 17, D.B.C. Vashi, New Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in January 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Vardhaman Builders,  
40-41 Vishal Shopping Centre,  
Sir M.V. Road, (Andheri-Kurla Road)  
Andheri (E) Bombay. (Transferor)
- (2) Dr. Mohan Dattatraya Datya,  
III/31 Tata Housing Colony, Chembur,  
Bombay. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 603 on sixth floor in "Vardhaman Park" Plot No. 49, Sector 17, D.B.C. Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9429/1985-86 in the month of January 1986).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 21-3-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune, the 25th March 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/9419/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 702 on seventh floor in Vardhaman Park on plot No. 49, Sector 17, Vashi, New Bombay, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Jan. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating to reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Vardhaman Builders,  
40-41 Vishal Shopping Centre,  
Sir M. V. Road Andheri-Kurla Road)  
Andheri (E) Bombay

(Transferor)

- (2) Shri Mahendra Keshavji Sampat,  
62, Nilkanth Apartment,  
Block No. 22, Hill Road, Worli,  
Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 702 on seventh floor in Vardhaman Park on Plot No. 49, Sector 17, Vashi, New Delhi.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9419/1985-86 in the month of January 1986)

Acquisition Range, Poona  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona.

Date : 25-3-1986.  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
PUNE

Poona, the 24th March 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/6515/1985-86.—

Whereas, I ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing C.T.S. No. 365 Somwar Peth, Pune, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfereed and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Jan. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Chandrakant Pandurang Shinde &  
Smt. Sunanda Dattatraya Shinde, 365 Somwar  
Peth, Pune.

(Transferor)

(2) M/s. Abhay Constructions,  
1365 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Bearing C.T.S. No. 365, Somwar Peth, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No.6515/1985-86 in the month of January 1986).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Date . 24-3-1986  
Seal :



**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE  
PUNE**

Poona, the 24th March 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/6311/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 17/1/1 Plot No. 6, Dhankawadi, Tal. Haveli, Dist. Pune, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Jan. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Dwarkabai Gangadhar Vishwasrao,  
17/1/1 Plot No. 2, Dhankawadi, Pune-9.  
(Transferee)
- (2) M/s. Chaitanya Promoters & Builders,  
25 Budhwar Peth, Appabalwant Chowk  
Pune.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

S. No. 17/1/1 plot No. 6, Dhankawadi, Tal. Haveli, Dist. Pune

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6311/1985-86 in the month of January 1986).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 24-3-1986  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
PUNE

Poona, the 11th April 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/9432/371E/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 106 on first floor in Nirman Vikas plot No. 10, at Nirman Nagar, S. No. 50, Nilemore, Nalasopara Tal. Vasai, Dist. Thane situated at Vasai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Jan. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Nirman Associates,  
40-41 Vishal Shopping Centre,  
Sir M. V. Road, (Andheri-Kurla Road)  
Andheri (E) Bombay. (Transferor)
- (2) Mr. John Fernandes,  
Flat No. 4, Nirman Sandesh,  
Nirman Nagar, Nalasopara (W).  
Dist. Thane. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the publication of the notice in the Official whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 106 on first floor, in "Nirman Vikas" plot No. 10, at Nirman Nagar, S. No. 50, Nilemore, Nalasopara (W) Tal. Vasai, Dist. Thane. (Area 560 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9432/1985-86 in the month of January 1986)

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona.

Date : 11-4-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
PUNE

Poona, the 1st April 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37G/577 1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 5, S. No. 129, CTS No. 782, Kothrud, Pune, situated at Pune (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Haveli on Nov 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. DeeJay Builders.  
1271 Deccan Gymkhana, Pune-4. (Transferor)  
(2) Chairman—The Vishnupuri Co-operative Housing Society Ltd., S. No. 129, CTS No. 782, Paud Road, Pune-29. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 5, S. No. 129, CTS No. 782, Kothrud, Pune  
(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Register, Haveli, under document No. 577/1985-86 in the month of Nov. 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona.

Date : 1-4-1986.  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
PUNE

Poona, the 31st March 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/6226/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 77/48/1 & S. No. 70-71, Wanowadi, Pune-13 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Jan. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from that transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Indubai Maruit Shevkar,  
& Others S. No. 77,  
Wanowadi, Pune-13. (Transferor)
- (2) M/s. Parmar Builders, Prop Vilas,  
Parmar, 321/3 New Timber Market, Road, Pune  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

S. No. 77/48/1A & S. No. 70-71, Wanowadi, Pune-13.  
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acqn., Range, Pune, under document No. 6226/1985-86 in the month of January 1986).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona.

Date : 31-3-1986  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
PUNE

Poona, the 12th June 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/6320/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Final plot No. 556/1/4 T. P. Scheme No. 1, Bhamburda, CTS. No. 1182/1/5 Shivajinagar, Pune-5 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC., Acqn. Range, Pune on Jan. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

20—226G1/86

- (1) Shri Balkrishna Laxman Gokhale,  
10 Indrayani, B, 15th Lane, Prabhat  
Road, Pune-4. (Transferor)
- (2) Shri Prakash Vasudeo Auti,  
Rahul Chambers, 2nd floor, Karve Road,  
Pune-4. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Final plot No. 556/1/4 T.P. Scheme No. 1, Bhamburda, CTS No. 1182/1/5 Shivajinagar, Pune-5.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6320/1985-86 in the month of Jan., 1986).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-Poona.

Date : 12-6-1986  
Seal ;

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
PUNE

Poona, the 12th June 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/679/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Immovable property bearing Municipal House No. 430/25, C.S. No. 624-B at M. G. Road, Nasik situated at Nasik, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC., Acqn. Range, Pune on Jan. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Madhusudhan Janardhan Abhyankar & Others, Lodge, R/o M. G. Road, Nasik. (Transferor)  
(2) M/s. Mayuresh Builders, Prop. Shri M. B. Gangal, 4207, Panchavati, Nasik. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property bearing Municipal House No. 430/25, C.S. No. 430/25, C.S. No. 624-B at M. G. Road, Nasik.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC., Acquisition Range, Pune, under document No. 679/1985-86/Nasik in the month of January 1986).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-Poona.

Date : 12-6-1986  
Sd/ :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
PUNE

Poona, the 12th June 1986

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/6523/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property at Final Plot No. 58/2 Erandwane, Pune situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Jan 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri R. V. Ghugale & Others,  
106/2 Erandwane, Pune-4.

(Transferor)

- (2) Sathe-Godse,  
1244 Sadashiv Peth, Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot No. 106/2 Erandwane, Pune.  
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC., Acquisition Range, Pune, under document No. 6523/1985-86 in the months of Jan. 1986.

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-Poona.

Date : 12-6-1986  
Seal :

## FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
ROHTAK

Rohtak, the 9th July 1986

Ref. No. IAC/Acq/ENL/170/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 45 acres on the right side of the road at 17 KM stone on Karnal Assandh Road, situated at 17 KM Stone Karnal Assandh Road, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal under Registration No. 3645 dated 17-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Arvind Pal Singh, Tejinder Pal Singh  
r/o H. No. 41, Ashok Colony, Karnal.  
(Transferor)
- (2) S/Shri Balbir Singh, Balwant Singh  
ss/o Sh. Bir Singh,  
r/o Bye Pass, G.T. Road, Karnal.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 45 acres and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3645 dated 17-12-1985 with the sub-Registrar Karnal.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 9-7-1986.  
Seal :



**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE  
ROHTAK**

Rohtak, the 9th July 1986

Ref. No. IAC/Acq/GRG/141/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 17 kanal 2 marlas at Vill. Choma situated at Vill Choma, Gurgaon. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration 5353 dated 6-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Sish Ram S/o Sabha Chand  
r/o Vill. Choma, Distt Gurgaon. (Transferor)
- (2) M/s. Ansal Housing Finance and leasing Co. Pvt. Ltd. 115-Ansal Bhawan 16-Kasturba Gandhi Marg, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property being land measuring 17 kanal 2 marlas and as more mentioned in the sale deed registered at S. No. 5353 dated 6-12-85 with the sub-registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 9-7-1986.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
ROHTAK

Rohtak, the 9th July 1985

Ref. No. IAC/Acq/GRG/138/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 7 bigha 5 biswas (Pukhta) situated at Vill. Nathupur (Gurgaon) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 5361 dated 6-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; said/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

- (1) Shiba Ram, Balbir s/o Puran  
r/o vill. Nathu Pur Distt. Gurgaon. (Transferor)
- (2) M/s. Apollo land & Housing Co. (P) Ltd.  
21 Narindra Place, Sansad Marg, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 7 Bigha 5 biswa (Pukhta) and as more mentioned in the sale deed registered at S. No. 5361 dated 6-12-1985 with the Sub-Registrar, Gurgaon.

R. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 9-7-1986.  
Seal

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Khem Chand s/o Jaman Bharti  
s/o Nihal r/o Sirhole Teh. & Dist., Gurgaon.  
(Transferor)
- (2) Ansal Properties & Industrial (P) Ltd. 115— Ansal  
Bhawan, 16-Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1986

Ref. No. I.A.C. Acq./GRG/29/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land measuring 26 Kanál 15 marlas situated at Vill. Sirhole, Gurgaon, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 5434 of Income-tax Rules, 1962 dated 10-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 26 kanal 15 Marlas and as more mentioned in the sale deed registered at S. No. 5434 dated 10-12-1985 with the sub-Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 10-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
ROHTAK

Rohtak, the 7th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/133 85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 5 acres situated at Maruti complex, Industrial Area, Gurgaon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 5650 dated 24-12-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Oriental Steel (P) Ltd.,  
Janak Puri Extension, New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s Milk food Ltd., 5th floor, Bhandari House,  
Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 5 Acres and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5650 dated 24-12-1985 with the Sub-Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date: 7-7-1986  
Seal:

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
ROHTAK

Rohtak, the 9th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/96/85-86.—Whereas, I,  
B. L. KHATRI,being the Competent Authority under Section 269AB of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearingNo. Land measuring 77 Kanals 5 Marlas  
situated at Village Bat Road Khas (Hissar),  
(and more full described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred and registered under the registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
under Registration No. 5483 dated 19-12-1985,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

21—226GI '86

- (1) S. Shri Om Parkash, Jatvir Singh  
Ss/o Giani Ram and Giani Ram  
S/o Ruman, Vill. Sat Road Khas,  
Distt. Hissar.

(Transferor)

- (2) M/s. Bhanu Iron & Steel Co. Ltd.,  
10 K. M. Stone, Delhi Road, Hissar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in the writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are  
defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 77 Kanals 5 Marlas situated  
at vill. Sat Road Khas (Hissar) and as more mentioned in  
the sale deed registered at Sr. No. 5483 dated 19-12-1985, with  
the Sub Registrar, Hissar.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 9-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
ROHTAK

Rohtak, the 16th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./PNP/95/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 143 kanals 2 marlas situated at Vill. Sanoli Khurd Teh. Panipat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat under Registration No. 4385 dated 13-12-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (21 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Gurdeep Singh  
Darshan Singh  
Kala Singh ss/o  
Shri Lachhman Singh  
r/o Vill. Sanoli Khurd Teh. Panipat. (Transferor)
- (2) S/Shri Lal Chand s/o Shri Dharam Singh  
Shri Ram Mehar s/o Shri Dharam Singh  
Shamsher Singh s/o Shri Dharam Singh  
Parvinder Singh s/o Shri Prem Singh  
Shri Baljit Singh s/o Prem Singh.  
Balwant Singh s/o Shri Dharam Singh.  
all r/o vill. Siwah Teh. Panipat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 143 Kanals 2 marlas situated at village Sanoli Khurd Teh. Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 4385 dated 13-12-1985 with the Sub Registrar, Panipat.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 16-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
ROHTAK

Rohtak, the 16th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./PHW/1/85-86.—Whereas, I,  
B. L. KHATRI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. Land 242 kanals 9 marlas  
situated at vill. Dhaniram Pura Teh. Pahewa,  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
Pehowa under Registration No. 1303 dated 2-12-1985,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Iqbal Singh  
Jagpal Singh ss/o Shri Gurbakhsh Singh,  
Smt. Joginder Kaur d/o. Sh. Gurbakhsh Singh,  
Badal Singh s/o Shri Kehar Singh,  
Bhupinder Singh ss/o Shri Chanan Singh  
r/o Bilochpura Teh. Pehowa.  
(Transferor)
- (2) Shri Mohinder Singh s/o Shri Jeewan Singh  
Shri Bachan Singh s/o Shri Durdial Singh  
Shri Karam Chand.  
Shri Bhagmal.  
Shri Sarup Singh.  
ss/o Shri Jati Ram  
r/o Ratgal Teh. Thanesar.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 242 kanals 9 marlas situated  
at vill. Dhaniram Pura Teh. Pehowa and as more mentioned  
in the sale deed registered at Sr. No. 1303 dated 2-12-1985  
with the Sub Registrar, Pehowa.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 16-7-1986  
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
ROHTAK

Rohtak, the 16th July 1986

Ref. No. I.A.C./BRR/30/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 149 kanals situated at vill. Jalubi Teh. Barara, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barara under Registration No. 1424 dated 23-12-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Man Mohan,  
Surinder Mohan ss/o Shri Ram Lal.  
Inder Sain.  
Pirthi Chand ss/o Shri Dewan Chand  
s/o Shri Karam Chand.  
r/o Jalubi Teh. Barara Distt. Ambala, (Transferor)
- (2) S/Shri Dilbag Rai s/o Lala Bhim Sain.  
Ved Parkash.  
Subhash Chander ss/o Shri Mangul Sain.  
Lala Chanan Shah s/o Lala Kirpa Ram.  
Manohar Lal s/o Lala Chanan Shah.  
all r/o Shahabad Markand Teh. Thanesar Distt. Ambala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 149 kanals situated at village Jalubi Teh. Barara and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No: 1424 dated 23-12-1985 with the Sub Registrar, Barara.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 16-7-1986  
Seal :



FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
ROHTAK

Rohtak, the 30th June 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./HSR/93/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value No. land measuring 37 kanals 12 marlas situated at vill. Babra (Hissar), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar under Registration No. 5213 dated 9-12-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Kumar s/o Shri Net Ram self, and Attorney of S/Shri Harchand, Lal Chand, Vir Singh, Rama Nand, Rajinder Singh & Sher Singh s/o Shri Net Ram vill. Dehra, Teh. Hissar.

(Transferor)

(2) The Hissar Modern House Building Society, Hissar through its President Shri Kanshi Ram Guliani H. No. 60 M.C. Colony, Hissar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as able property, within 45 days from the date of the Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 37 kanals 12 marlas situated at vill. Dabra (Hissar) and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5213 dated 9-12-1985 with the Sub Registrar, Hissar.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 30-6-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Lal Singh s/o Shri Ram Sarup  
r/o Malpura Teh. Rewari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Roshan Lal s/o Madho Ram  
s/o Shri Ghurshyam r/o vill. Sukhra  
Teh. Gurgaon.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
ROHTAK

Rohtak, the 14th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./RWR/29/85-86.—Whereas I,  
B. L. KHATRI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. land 94 kanals 18 marlas  
situated at vill. Malpura,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred as per deed registered under the Indian  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
Rewari under Registration No. 2669 dated 11-12-1985,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 94 kanals 18 marlas situated  
at vill. Malpura Teh. Rewari and as more mentioned in the  
sale deed registered at Sr. No. 2669 dated 11-12-1985 with  
the Sub Registrar, Rewari.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 14-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Girwar Singh S/o  
Puran, Village Kanhai.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Green Park Builders and  
Promoters (P) Ltd, 115, Ansal Bhawan,  
16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
ROHTAK

Rohtak, the 9th July 1986

Ref. No. J.A.C./Acq./GRG/136/85-86,—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. land measuring 42 Kanals 4 Marlas situated at village Kanhai (Gurgaon), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Gurgaon under Registration No. 5400 dated 9-12-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 42 Kanals 4 Marlas situated at village Kanhai (Gurgaon) and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5400 dated 9-12-1985 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 9-7-1986  
Seal :

## FORM ITN—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
ROHTAK

Rohtak, the 9th July 1986

Ref. No. I.A.C. Acq./GRG/128/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. land measuring 33 kanals 9 marlas, situated at Sarhol Teh., Gurgaon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gurgaon under Registration No. 5435 dated 10-12-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Khem Chand s/o Sh. Jaman  
Shri Bhartu s/o Shri Nihal  
c/o vill. Sarhol Teh, Gurgaon.

(Transferor)

- (2) M/s Ansal Properties and Inds. (P) Ltd.  
115 Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi,  
Marg. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 33 kanals 9 marlas situated at village Sarhol Teh, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5435 dated 10-12-1985 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 9-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
ROHTAK

Rohtak, the 9th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/137/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 5 Bighas 17 Biswas situated at village Nathupur, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 5363 dated 6-12-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by obtaining the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

22—226G1/86

(1) S/Shri Lekh Ram, Mahavir, Tirlak  
Ss. o Chandan Singh, Smt. Shanti  
Wd/o Chandan Singh, Smt. Krishna,  
Smt. Bala D/o Chandan Singh,  
Rattan Lal, Smt. Baldei D/o Ram Chand,  
Village Nathupur, Distt. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s Vee Dee Investment and Agencies,  
Ltd., 21-22, Narindra Place, Parliament  
Street, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 5 Bighas 17 Biswas situated at vill. Nathupur (Gurgaon) and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5363 dated 6-12-1985 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date: 9-7-1986  
Sd/-

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
ROHTAK

Rohtak, the 9th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/153/85-86.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 82 kanals 8 marlas situated at village Silokhera, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 5281 dated 3-12-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Om Parkash S/o Bhim Singh,  
Kura Ram etc. R/o Jharsa, Teh. Gurgaon.  
(Transferor)

(2) Rubi Construction Co. (P) Ltd.  
6 Community Centre, Saket, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 82 Kanals 8 Marlas situated at village Silokhera (Gurgaon) and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5281 dated 3-12-1985 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 9-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 30th June 1986

Ref. No. I.A.C./Acq/GRG/142/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land measuring 27 kanals 5 marlas situated at Vill. Kanhai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 5339 dated 6-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri. Mohan Lal  
S/o Shri Phool Singh  
R/o Kanhai,  
Teh. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s. Delhi Towers & Estate (P) Ltd.  
115, Ansal Bhavan,  
16, Kasturba Gandhi Marg,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 27 kanals 5 marlas situated at village Kanhai Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 5339 dated 6-12-85 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Rohtak

Date : 30-6-1986  
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 14th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/414/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land measuring 79 kanals 11 marlas situated at vill Silokhra, Teh. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer With the Competent Authority u/s 262 AB of the said Act read with rule 48DD (4) at Gurgaon under Registration No. 6815 dated 21-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mool Chand  
S/o Shri Inder  
R/o Vill. Silokhra,  
Teh. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s. C. Lvall & Co. (Construction)  
Private Limited,  
16, Kasturba Gandhi Marg,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 79 kanals 11 marlas situated at village Silokhra, Teh. Gurgaon and as more mentioned in the said deed registered at Sr. No. 6815 dated 21-2-1986 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Rohtak

Date : 14-7-1986  
Seal :



## FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 9th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq/KNL/186/85-86.—Whereas, I,  
B. L. KHATRI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Land measuring 126 kanals situated at Vill. Jundala, Teh.  
Karnal  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer With the Com-  
petent Authority u/s 262 AB of the said Act read with rule  
48DD (4)  
at Karnal under Registration No. 3990 dated 3-1-1986  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
monies or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Sh. Sumer Chand  
S/o Sh. Puran Chand  
Sh. Satbir Singh  
Sh. Jai Pal Singh  
Ss/o Sh. Sumer Chand  
Sh. Krishna Lal  
S/o Sh. Puran Chand  
R/o Kailander Gate,  
Karnal.

(Transferor)

(2) Sh. Chanda Singh  
Sh. Babu Ram  
S/o Sh. Sewa Ram  
R/o Kailander Gate  
Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. —The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 126 kanals situated at  
Jundala, Teh. Karnal and as more mentioned in the sale  
deed registered at Sr. No. 3990 dated 3-1-1986 with the sub  
Registrar, Karnal.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Rohtak

Date : 9-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./DLI/17/17/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Building and factory area 31,666-2/3 sq. yds. situated at Mathura Road, Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer With the Competent Authority u/s 262 AB of the said Act read with rule 48DD (4) Delhi under Registration 183 dated 10-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Auto Pin (India) Pvt. Ltd.  
17/1, Community Centre,  
New Friends Colony,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Sirrocco Pressing (P) Ltd.  
17/1, Community Centre,  
New Friends Colony,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Property being building & factory area 31,666-2/3 sq. yd. situated at Mathura Road, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 183 dated 10-2-86 with the Sub Registrar, Delhi.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Rohtak

Date: 10-7-1986  
Seal:

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 30th June 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/410/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Land measuring 32 kanals situated at Vill. Silokhra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer With the Competent Authority u/s 262 AB of the said Act read with rule 48DD (4) Officer at Gurgaon under Registration No. 6753 dated 17-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Sh. Partap Singh,  
Mahinder Singh,  
Ram Kishore,  
Kamal Singh  
Ss/o Sh. Des Raj  
R/o Kanhai,  
Teh. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s. Unitech Ltd.  
Unitech House,  
6 Community Centre,  
Saket, New Delhi.

Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA. of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 32 kanals situated at village Silokhra Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 6753 dated 17-2-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Rohtak

Date : 30-6-1986  
Seal ;

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./BRR/31/85-86.—Whereas, I,

B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Land measuring 136 kanals 15 marlas situated at Sirsahgarh Teh. Ambala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer With the Competent Authority u/s 262 AB of the said Act read with rule 48DD (4)

Officer at

Barara under Registration No. 1633 dated 10-2-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Sh. Ved Parkash  
So Sh. Atma Ram  
R/o Mullana,  
Teh. Ambala.

(Transferor)

- (2) Sh. Amar Singh  
S/o Sh. Bhambool Singh  
Sh. Jagdish Singh  
Sh. Balbir Singh  
Ss/o Sh. Amar Singh  
R/o Maluan, U.T.,  
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 136 kanals, 15 marlas situated at Sirsahgarh and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1633 dated 10-2-86 with the Sub Registrar, Barara.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/411/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land measuring 53 kanals, 14 marlas situated at vill. Silokhra, Teh. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 6829 dated 21-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—226G1/86

- (1) 1. Sh. Jot Ram  
2. Sh. Hukam Singh  
3. Sh. Khazan Singh  
4. Sh. Balwant Singh  
Ss/o Sh. Phul Singh  
R/o Jharsa,  
Teh. Gurgaon,

(Transferor)

- (2) M/s. Unitech Builders (P) Ltd.  
6 Community Centre, Saket,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 53 kanals, 14 marlas situated at vill. Silokhra, Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 6829 dated 21-2-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Rohtak

Date : 10-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 14th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/417/85-86.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land measuring 111 kanals, 14 marlas situated at Vill Kanhai, Gurgaon (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 6774 dated 18-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Sh. Niadar,  
Chuni Lal,  
Rattan Singh,  
Ss/o Sh. Kanhiya,  
Shri Tekka  
S/o Sh. Sukhdev,  
Mewa Ram S/o Dilu,  
Ram Lal S/o Mangali  
R/o Vill. Kanhai,  
Distt. Gurgaon,  
(Transferor)
- (2) M/s. Ansal Husing & Estates (P) Limited,  
115 Ansal Bhawan,  
16, Kasturba Gandhi Marg,  
New Delhi,  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 111 kanals, 14 marlas situated at Vill. Kanhai, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 6774 dated 18-2-1986 with the Sub-Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Rohtak

Date : 14-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/341/85-86.—Whereas, I,  
B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land measuring 17 kanals situated at Choma (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer With the Competent Authority u/s 262 AB of the said Act read with rule 48DD (4)

at Gurgaon under Registration No. 6650 dated 11-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Chandgi Ram  
S/o Sh. Ram Sarup  
R/o Vill. Bijwasan,

(Transferor)

- (2) M/s. Ansal Housing Finance & Leasing Co. Ltd.  
115, Ansal Bhawan,  
16, Kasturba Gandhi Marg.  
New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 17 kanals situated at village Choma and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 6650 dated 11-2-1986 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Rohtak

Date : 10-7-1986  
Seal :

## FORM TINS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1986

Ref No. I.A.C./Acq./GRG/415/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land measuring 79 kanals, 14 marlas situated at Silokhra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC Range-VII Gurgaon under Registration No. 6814 dated 21-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Ram Singh S/o Inder  
S/o Sh. Moti  
Vill. Silokhra,  
Teh. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s. Grcam Park Builders &  
Promoters (P) Ltd.,  
115, Ansal Bhawan,  
16, Kasturba Gandhi Marg,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 79 kanals, 14 marlas situated at village Silokhra, Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 6814 dated 21-2-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Rohtak

Date: 10-7-1986  
Seal:



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 30th June 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/418/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land measuring 34 kanals, 5 marlas situated at Vill. Silokhera (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer With the Competent Authority u/s 262 AB of the said Act read with rule 48DD (4) at Gurgaon under Registration No. 6754 dated 17-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Rati Ram  
S/o Khawani, Shri Sumrath Singh,  
Self and Mukhtiar-am Jai Kishan  
S/o Khawani  
R/o Kanhai. (Transferor)
- (2) M/s. Unitech Ltd.  
Unitech House,  
6, Community Centre,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 34 kanals, 5 marlas situated at Silokhera and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 6754 dated 17-2-1986 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Rohtak

Date : 30-6-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 30th June 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/419/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land measuring 21 kanals, 12 marlas situated at Vill. Silokhra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer With the Competent Authority u/s 262 AB of the said Act read with rule 48DD (4) at Gurgaon under Registration No. 6755 dated 18-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiated proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- |   |              |
|---|--------------|
| (1) Sh. Ram Kumar<br>S/o Khavari<br>R/o Kanhai<br>Teh. Gurgaon.                         | (Transferor) |
| (2) M/s. Unitech Ltd.<br>Unitech House,<br>6. Community Centre,<br>Saket,<br>New Delhi. | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 21 kanals, 12 marlas situated at vill. Silokhra, Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 6755 dated 17-2-1986 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Rohtak

Date : 30-6-1986  
Seal :

I.T.N.S.———

- (1) Sh. Sher Singh s/o Hardev  
Sh. Harash Sehni so/o Sh. Sher Singh  
r/o vill. Carterpuri Teh. Gurgaon.

(Transferee)

- (2) M/s. Ansal Housing & Finance Leasing Co. Ltd.,  
115 Ansal Bhawan,  
16 Kasturba Gandhi Marg,  
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/412/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 55 kanals 1 marla situated at Cartarpuri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 6821 dated 21-2-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 55 kanals 1 marla situated at vill. Carterpuri and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 6821 dated 21-2-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak

Date : 10-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/416/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 7 bighas 3 biswas pukhta situated at vill. Nathupur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 6795 dated 19-2-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Sh. Jag Ram, (2) Sh. Deg Ram, (3) Sh. Richh Pal  
Ss/o Sh. Girdhar  
r/o vill Nathupur, Tch. Gurgaon. (Transferor)
- (2) M/s. Delhi Land & Finance Ltd.,  
21-22, Narendra Place,  
Parliament Street,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 7 bighas 3 biswas situated at village Nathupur Tch. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 6795 dated 19-2-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-7-86  
Seal :

**FORM FINS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,****ROHTAK**

Rohtak, the 14th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/420/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 55 kanals 7 marlas situated at vill. Alawardi Teh. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 6737 dated 17-2-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

24—226GI/86

(1) Shri Rampal Singh s/o Sh. Boharu,  
Smt. Ram Devi wd/o Sh. Boharu,  
r/o vill. Alawardi Teh. Gurgaon.  
(Transferor)

(2) M/s. Ansal Properties & Industries Pvt. Ltd.,  
115 Ansal Bhawan,  
16 Kasturba Gandhi Marg,  
New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property being land measuring 55 kanals 7 marlas situated at vill. Alawardi Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 6737 dated 17-2-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak

Date : 14-7-86  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 14th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/413/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 104 kanals 15 marlas situated at Silokhra Teh. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 6816 dated 21-2-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Inder s/o Sh. Moti  
r/o vill. Silokhra Teh. Gurgaon. (Transferor)
- (2) M/s Green Park Builders, Promoters (P) Ltd.,  
115 Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 104 kanals 15 marlas at village Silokhra Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 6816 dated 21-2-1986 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak

Date : 14-7-86  
Seal :

## FORM ITN6

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 14th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/427/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 4 bigha 7 biswas situated at vill. Nathupur, Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 7463 dated 21-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) S/Sh. Hem Raj, Sukhbir, Partap, Risala, Khajan, Permal, Suraj Mal, Shanti, Champa, Moji, Ram Kali, Giano, Balwanti, Surjit, Gian Chand, Rameshwar, Muni, Kichnu, Lado, Chandro, Delipe r/o Vill. Nathupur, Gurgaon.

(Transferor)

- (2) M/s.Vee Dec Investment & Agencies Private Limited, 21-22, Narindra Palace, Parliament Street, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 4 bigha 7 biswas situated at Vill. Nathupur, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at sr. No. 7463 dated 21-3-1986 with the Sub-Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak

Date : 14-7-86  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 14th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq.BGR/9/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 90 kanals 9 marlas alongwith super structure situated at vill. Jhanyasa Teh. Ballabgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh under Registration No. 3527 and 3529 dated 11-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Rajender Singh Saini,  
F-49, East of Kailash, New Delhi. (Transferor)
- (2) Arvind Construction Co. (P) Ltd.,  
Connaught Circus, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 90 kanals 9 marlas with super structure situated at vill. Jhanyasa Teh. Ballabgarh and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3527 & 3529 dated 11-3-86 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak

Date : 14-7-86  
Seal .



## FORM ITNS—

- (1) Sh. Shera (2) Sh. Chander ss/o Sh. Daulat  
r/o vill. Nathupur, Teh. Gurgaon.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) M/s V.D. Investment & Agencies Pvt. Ltd.,  
21-22, Narindra Palace, Parliament Street,  
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Rohtak, the 30th June 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/431, 85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 3 bighas 9 biswas situated at vill. Nathupur Teh. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 7455 dated 21-3-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 3 bighas 9 biswas situated at village Nathupur Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 7455 dated 21-3-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-6-86  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 30th June 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/430/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 5 bighas 2 biswas situated at vill. Nathupur Teh. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 7456 dated 20-3-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Kishan Lal, Sh. Ratan Lal ss/o Sh. Sunehari r/o Nathupur, Teh. Gurgaon, (Transferor)  
(2) M/s D.L.F., 21-22, Narindra Palace, Parliament Street, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 5 bighas 2 biswas situated at village Nathupur Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 7456 dated 21-3-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak

Date: 30-6-86  
Seal:

## FORM ITNS—

(1) Risal Singh (2) Sh. Ratti Ram ss/o Sh. Shiv Lal  
Vill. Sukhrali Teh. Gurgaon.

(Transferor)

(2) The Indian Air Lines Pilot Sena Prateen  
House Nld. Society vill. Sukhrali  
Teh. Gurgaon.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
ROHTAKObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Rohtak, the 10th June 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/425/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 26 kanals 8 marlas situated at vill. Sukhrali Teh. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 7308 dated 17-3-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 26 kanals 8 marlas situated at vill. Sukhrali Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 7308 dated 17-3-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-6-86  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/426/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 17 bigha 14 biswas, situated at Vill. Nathupur, Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 7049 dated 5-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram, Rati Ram ss/o Chet Ram,  
Vill. Nathupur, Gurgaon. (Transferor)
- (2) M/s Anurag Construction Co. Ltd.,  
24 Narindra Place, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 17 bigha 14 biswas situated at Vill. Nathupur, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at sr. No. 7049 dated 5-3-1986 with the Sub-Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak

Date : 10-7-86  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/432/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 4 bighas 13.3/4 biswas situated at vill. Nathupur Teh. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 7454 dated 21-3-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

25—226GI/86

(1) Sh. Rameshwar (2) Sh. Chander ss/o Sh. Meru  
r/o Vill. Nathupur Teh. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s Apollo Land & Housing Co. Ltd.,  
21-22, Narindra Place, Parliament Street,  
New Delhi-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 4 bighas 13.3/4 biswas situated at vill. Nathupur Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale registered at Sr. No. 7454 dated 21-3-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Rohtak

Date : 10-7-86  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Escorts Tractors Limited,  
Roshanara Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Escorts Limited,  
H-2, Connaught Circus,  
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 4th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./DLI/18/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 20 kanals 12 marlas situated at vill. Jhar Setly Teh. Ballabgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi under Registration No. 538 dated 14-3-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 20 kanals 12 marlas situated at vill. Jhar Setly Teh. Ballabgarh and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 538 dated 14-3-86 with the Sub Registrar, Delhi.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak

Date : 4-7-86  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 30th June 1986

Ref. No. I.A.C./Acq.GRG/429/85-86.—Whereas, I,

B. L. KHATRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. land 3 Bighas 8 biswas situated at vill. Nathupur Teh. Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the Competent Authority u/s 262 AB of the said Act read with rule 48DD (4) at Gurgaon under Registration No. 7457 of Income-tax Rules, 1962 dated 21-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Beg Ram s/o  
Smt. Sona, Smt. Remvati ds/o  
Sh. Harbans r/o Nathupur,  
Teh. Gurgaon.

(Transferor)

- (2) M/s. D. V. Investment & Agencies Pvt. Ltd.  
21-22, Narindra Place Parliament Street,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 3 bigha 8 biswas situated at village Nathupur Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 7457 dated 21-3-86 with the Sub Registrar Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 30-6-86  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 30th June 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/428/85-86.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 2 bighas 11 biswas situated at vill. Nathupur Teh. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the Competent Authority u/s 262 AB of the said Act read with rule 48DD (4) at Gurgaon under Registration No. 7460 of Income-tax Rules, 1962 dated 21-3-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Prem Raj s/o Sh. Chuni,  
Smt. Mali d/o Sh. Chuni  
r/o vill. Nathupur.  
(Transferor)
- (2) M/s. Delhi Land & Finance Ltd.,  
21-22, Narindra Place,  
Parliament Street, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 2 bighas 11 biswas situated at vill. Nathupur Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 7460 dated 21-3-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 30-6-86  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 30th June 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/16/86-87.—Whereas, 1. B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land 2 bighas 17.1/4 biswas situated at vill. Chakarpur Teh. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the Competent Authority u/s 262 AB of the said Act read with rule 48DD (4) at Gurgaon under Registration No. 398 of Income-tax Rules, 1962 dated 24-4-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Lala s/o Sh. Jal Singh  
r/o vill. Chakarpur.

(Transferor)

(2) M/s. Paragaon Real Estate &  
Apartment, 21-22, Narendra Place,  
Parliament Street, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 2 bighas 17.1/4 biswas situated at vill. Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 398 dated 24-4-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 30-6-86  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/17/86-87.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 10 bighas 2 biswas situated at vill. Chakarpur Teh. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the Competent Authority u/s 252 AB of the said Act read with rule 48DD (4) at Gurgaon under Registration No. 508 of Income-tax Rules, 1962 dated 30-4-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration or such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Ranjit s/o Sh. Shiv Lal  
r/o vill. Chakarpur Teh. Gurgaon. (Transferor)
- (2) M/s. Ansal Properties & Industries (P.) Ltd.,  
115 Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 10 bighas 2 biswas situated at vill. Chakarpur Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 508 dated 30-4-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 10-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1986

- (1) Smt. Maya Devi wd/o Sh. Ram Kishan,  
Sh. Manian Singh s/o Sh. Ram Nath,  
r/o vill. Chakarpur, Teh. Gurgaon.  
(Transferor)
- (2) M/s. Ansal Housing Finance & Leasing Co.,  
115 Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg,  
New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. I.A.C./Acq.GRG/3/86-87.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 5 bighas 19 biswas situated at village Chakarpur, Teh. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the Competent Authority u/s 262 AB of the said Act read with rule 42DD (4) at Gurgaon under Registration No. 273 of Income-tax Rules, 1962 dated 15-4-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 5 bighas 19 biswas situated at village Chakarpur, Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 273 dated 15-4-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 10-7-1986  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/5/86-87.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 10 bighas 6 biswas situated at vill. Chakarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the Competent Authority u/s 262 AB of the said Act read with rule 48DD (4) at Gurgaon under Registration No. 233 of Income-tax Rules, 1962 dated 11-4-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person<sup>s</sup>, namely :—

- (1) Sh. Sukhbir (2) Sh. Vijay Kumar ss/o Sh. Shivji r/o vill. Chakarpur, Teh. Gurgaon.

(Transferor)

- (2) M/s. D.L.F. Hotels (P.) Ltd., 21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 10 bighas 6 biswas situated at village Chakarpur Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 233 dated 11-4-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 10-7-1986  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

- (1) Sh. Digha s/o Sh. Deep Chand,  
r/o Chakarpur, Gurgaon. (Transferor)
- (2) M/s. D.L.F. Housing & Construction Ltd.  
21-22, Narindra Place, New Delhi. (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1986

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. J.A.C./Acq./GRG/7/86-87.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 17 bigha 6½ bishwa situated at Vill. Chakarpur, Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the Competent Authority u/s 262 AB of the said Act read with rule 48DD (4) at Gurgaon under Registration No. 29 dated 1-4-1986 of Income-tax Rules, 1962, dated 1-4-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 17 bigha 6½ bishwa situated at village Chakarpur, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 29 dated 1-4-1986 with the Sub-Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

26—226GI/86

Date : 10-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/11/86-87.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 5 bigha 6 bishwa situated at vill. Chakarpur, Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the Competent Authority u/s 262 AB of the said Act read with rule 481DD (4) at Gurgaon under Registration No. 276 of Income-tax Rules, 1962 dated 15-4-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. Chhoti Devi wd/o Khajan, Dharamvir, Bhagmal, Raghbir ss/o Khajan, Katari Devi, Munni Devi Ds/o Khajan Vill. Chakarpur, Gurgaon. (Transferor)
- (2) M/s. Paragon Real Estate & Apartments Ltd., 21-22, Narindra Place, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 5 bigha 6 bishwa situated at vill. Chakarpur, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 276 dated 15-4-1986 with the Sub-Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 10-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/6/86-87.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 6 bighas 5 biswas situated at vill. Chakarpur Teh. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the Competent Authority u/s 262 AB of the said Act read with rule 448DD (4) at Gurgaon under Registration No. 274 of Income-tax Rules, 1962 dated 15-4-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- (1) Sh. Bhagwan Singh s/o Sis Ram, Smt. Sohni wd/o late Sh. Sis Ram, Smt. Santra, Smt. Prem, Smt. Krishan uraf Kitan ds/o late Sh. Sis Ram through Sh. Bhagwan Singh, Dharam Vir Singh, Rattan, Sh. Rameshwar ss/o late Sh. Sis Ram r/o vill. Chakarpur, Teh. Gurgaon.

(Transferor)

- (2) M/s. D.L.F. Hotel Ltd. 21-22, Narindera Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 6 bighas 5 biswas situated at village Chakarpur Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 274 dated 15-4-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 10-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq/GRG, 86-87.--Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land measuring 23 Kanals 19 marlas situated at Vill. Serhol, Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the Competent Authority u/s 262 AB of the said Act read with rule 48DD (4) at Gurgaon under Registration No. 187 of Income-tax Rules, 1962 dated 9-4-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Sr. Mullikar, Hargain, Shobir,  
ss/o Sri Ram, Kaur Kaur  
wd/o, Keshuri, Nihali, Bhelan,  
Krishana Is/o Sri Ram  
r/o Serhol, Distt. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s. Ansal Housing Finance & Leasing Co. Pvt.  
Ltd. 115, Ansal Dhasan, 16 Kasturba Gandhi Marg,  
New Delhi.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 23 kanal 19 marlas situated at Vill. Serhol, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 187 dated 9-4-1986 with the Sub-Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 10-7-1986  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) Smt. Maya Devi wd/o Ram Kishan,  
Maman Singh s/o Ram Nath,  
Vill. Chakapur, Gurgaon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/8/86-87.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 7 bigha 4 bishwa situated at Vill. Chakapur, Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer With the Competent Authority u/s 2662 AB of the said Act read with rule 48DD (4) at Gurgaon under Registration No. 275 dated 15-4-1986 of Income-tax Rules, 1962 dated 15-4-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) M/s. D.L.F. Universal Ltd. 21-22,  
Narindria Place, New Delhi.

(Transferee)

Directions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 7 bigha 4 bishwa situated at vill. Chakapur, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 275 dated 15-4-1986 with the sub-Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 10-7-1986

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 30th June 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/9/85-86.—Whereas I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land 2 bighas 18 biswas situated at Vill. Nathupur Teh. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the Competent Authority u/s 262 AB of the said Act read with rule 48DD (4) at Gurgaon under Registration No. 233 of Income-tax Rules, 1962 dated 11-4-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Sheo Ram (2) Sh. Des Ram ss/o  
Sh. Gordhan Ahir by cast r/o  
vill. Nathupur.

(Transferor)

(2) M/s. V. D. Investment & Agencies Pvt. Ltd.  
21-22, Narendra Place,  
Parliament Street, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 2 bighas 18 biswas situated at vill. Nathupur Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 233 dated 11-4-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 30-6-86  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/19/86-87.—Whereas, I, B. L. KHATRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. land 29/33 share of 9 bighas 6 biswas situated at Vill. Chakarpur Teh. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the Competent Authority u/s. 262 AB of the said Act read with rule 48DD (4) at Gurgaon dated 17-4-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

(1) Shri Joginder Singh (2) Shri Rajinder Singh Ss/o Shri Chhater Singh (3) Shri Narinder (4) Shri Harbans (5) Shri Hans Raj (6) Shri Ganga Parshad Ss/o, Shri Ram Kanwar (7) Smt. Dhanpati (8) Kumari Santosh Ds/o, Shri Ram Kumar r/o vill. Chakarpur.

(Transferor)

(2) M/s. Paragoan Real Estate & Apartment Ltd.,  
21, Narindra Place,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land 29/33 share of 9 bighas 6 biswas situated at vill. Chakarpur Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 317 dated 17-4-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Rohtak

Date : 10-7-86.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 30th June 1986

Ref. No. 1 A.C./Acq./GRG/2/86-87.—Whereas, I, B. L. KHATRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 2 bighas 18 biswas situated at vill. Chakarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the Competent Authority u/s 262 AB of the said Act read with rule 48DD (4) at Gurgaon under Registration No. 272 of Income-tax Rules, 1962 dated 15-4-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Suraj Mal s/o Shri Jai Mal  
r/o Chakarpur.

(Transferor)

(2) M/s. Ansal Housing Finance & Leasing Co., Ltd.,  
115, Sansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 2 bighas 18 biswas at vill. Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 272 dated 15-4-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Rohtak

Date : 30-6-86.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 10th July 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/14/86-87.—Whereas, I,  
B. L. KHATRIbeing the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearingNo. land measuring 5 bighas 8 biswas situated at vill. Chakar-  
pur(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer with the  
Competent Authority u/s 262 AB of the said Act read with  
rulet 48DD (4) at Gurgaon under Registration No. 760 dated  
13-5-1986for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-  
ween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

27—226GI/86

- (1) Shri Chandgi Ram (2) Shri Laxmi Narayan Ss/o.  
Shri Piyari Lal r/o vill. Chakarpur,  
Teh. Gurgaon.

(Transferor)

- (2) M/s. Ansal Housing Finance & Leasing Co. Ltd.,  
115, Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 5 bighas 8 biswas situated  
at village Chakarpur Teh. Gurgaon and as more mentioned  
in the sale deed registered at Sr. No. 760 dated 13-5-86 with  
the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Rohtak

Date : 10-7-86  
Seal :

## FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK

Rohtak, the 30th June 1986

Ref. No. I.A.C./Acq./GRG/13/86-87.—Whereas, I,  
B. L. KHATRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 2 bighas 13. 1/3 biswas situated at vill. Chakarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the Competent Authority u/s 262 AB of the said Act read with rule 48DD (4) at Gurgaon under Registration No. 759 of Income-tax Rules, 1962 dated 13-5-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Chandgi Ram (2) Shri Laxmi Narayan Ss/o. Shri Pyare Lal r/o vill. Chakarpur, Teh. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s. Paragaon Real Estate & Apartment, 21-22, Narendra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 2 bighas 13.1/3 biswas situated at village Chakarpur Teh. Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 759 dated 13-5-86 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Rohtak

Date : 30-6-86,  
Sd/-

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-VII  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI-1

New Delhi, the 14th August 1986

Ref. No. IAC/Acq. VII/37EE/12-85/1337.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A-211, 3, Bhikaji Cama Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under Income tax Act, 1961 in the Office of the IAC Acq. New Delhi on Dec. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Span India Pvt. Ltd.  
227, Okhla Industrial Estate-III,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mazda Leasing Ltd.,  
317, Maker Chamber V,  
221, Nariman Point,  
Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. A-211, 3, Bhikaji Cama Place, New Delhi, Area 618 sq. ft.

V. K. MANGOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VII,  
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Date : 14-8-86.  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VII  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI-1

New Delhi, the 14th August 1986

Ref. No. IAC/Acq. R-VII/SRIII/12-85/375.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. K-6, Kailash Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Dec. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Chandra Bali,  
K-6, Kailash Colony,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Bhadauria Investment,  
Pvt. Ltd. 2, Kasushlya Park, Hauz Khas,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. K-6, measuring 311 sq. yds. Kailash Colony, New Delhi.

V. K. MANGOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VII,  
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Date : 14-8-86.  
Seal :



FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Smt. Yashodha Devi Kakar,  
K-25, Kailash Colony,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Bashir Ahmed,  
61, Corner, Malviya Nagar,  
New Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI-1

New Delhi, the 14th August 1986

Ref. No. IAC/Acq-VII/SR-III/12-85/366,—Whereas, I, V. K. MANGOTRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. K-25, Kailash Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi on Dec. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. K-25, measuring 297.8 sq. yds., Kailash Colony, New Delhi.

V. K. MANGOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VII  
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Date : 14-8-86.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII-SR-III/12-85/382.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-95, Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on December, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Ela Ghua,  
W/o Late Sailender Kumar Guha,  
G-1301, Chitranjan Park,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Nihal Kaur,  
W/o Shri Rattan Singh,  
B-95, Defence Colony,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. B-95, measuring 325 sq. yds., Defence Colony, New Delhi.

V. K. MANGOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, VII  
New Delhi

Date : 14-8-1986  
Seal :

## FORM ITNS.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING. I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII-SR-III/12-85/384.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 94, Block 'S' Greater Kailash Part-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on December, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Pritipal Singh,  
37-27, Treet, Woodside, New Delhi  
Through his duly constituted attorney  
Shri Kirpal Singh S/o Late S. Chanda Singh  
R/o 2/48, Malcha Marg Shopping Centre,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Chander Kanta,  
A-2/35, Safdarjang Enclave,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring Plot No. 94, measuring 300 sq. yards, Block 'S' in the residential colony known as Greater Kailash Part-I, New Delhi

V. K. MANGOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax  
Acquisition Range, VII  
New Delhi

Date : 14-8-1986  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-VII,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII-SR-III/12-85/353.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S-229, Greater Kailash, Part-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on December, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) ~~facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or~~

- (b) ~~facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);~~

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Delite Builders,  
A-2/140, Safdarjung Enclave,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Krishan Kumar Sharma,  
S/o Shri A. P. Shastri,  
H-9B, Connaught Circus,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

First Floor of property No. S-229, Greater Kailash Part-II,  
New Delhi 33% of 300 sq yds.

V. K. MANGOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax  
Acquisition Range, VII  
New Delhi

Date : 14-8-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Ishwar Loond,  
M-273, Greater Kailash-II,  
New Delhi.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Smt. Rupinder Kaur,  
A-202, Defence Colony,  
New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-VII,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1986

Ref. No. IAC/Acq-VII/SR-III/12 85/255.—Whereas, I,  
V. K. MANGOTRA,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Plot No. S/250, Greater Kailash-II, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi  
on December, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—  
28—226G1/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION .—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. S/250, Greater Kailash-II, New Delhi, measuring  
300 sq. yards.

V. K. MANGOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax  
Acquisition Range-VII,  
New Delhi

Date : 14-8-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-III/12-85/386.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing E-372, Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on December, 1985 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Prabha Puri,  
B-592, Safdarjung Enclave,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Amerjit Singh Johar,  
C-139, Defence Colony,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

E-372, Greater Kailash-II, New Delhi 250 sq. yards.

V. K. MANGOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax  
Acquisition Range, VII  
New Delhi

Date : 14-8-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Col. Sardar Singh Bhasin,  
26/1, East Patel Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Chitrelekha Ghose,  
D-292, Defence Colony,  
New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VII,  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-III/12-85/360.—Whereas, I,  
V. K. MANGOTRA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
D-292, Defence Colony, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi  
on December, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen percent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property No. D-292, measuring 325 sq. yards, Defence  
Colony, New Delhi.

V. K. MANGOTRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax  
Acquisition Range. VII  
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 14-8-1986  
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-V  
AGGARWAL HOUSE  
44/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 13th August 1986

Ref. No. IAC/Acq. V/New Delhi.—Whereas, I, ASHOK K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S-24, Green Park Extension, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under I.T. Act 1961 in the Office of the IAC (Acq.) R-V at New Delhi on 4th February 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely;

- (1) Shri P. C. Baweja,  
B-5, Satgung Enclave,  
New Delhi-29. (Transferor)
- (2) Shri G. Sagar Suri & Sons (HUF),  
Sagar Apartments,  
6, Tilak Marg,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S-24, Green Park Extension, New Delhi.

ASHOK K. MANCHANDA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, V  
New Delhi

Date : 13-8-1986  
Seal :



## FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII,  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 13th August 1986

Ref. No. IAC/Acq. Range-V, New Delhi.—Whereas, I, ASHOK K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Y-26, Hauz Khas, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the IAC (Acq.) Range-V at New Delhi in January, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jatendra Nath Verma,  
Shri Brij Mohan Lal,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Satish Wahi,  
Smt. Kanchan Wahi,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. Y-26, Hauz Khas, New Delhi, measuring 200 sq. yards.

ASHOK K. MANCHANDA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-V  
New Delhi

Date : 13-8-1986  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VII,  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 13th August 1986

Ref. No. IAC/Acq.V/SR-III/12-85/1321.—Whereas, I, ASHOK K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. F-30, Hauz Khas Enclave, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on December, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Homai Maneckshaw Vyrawalla and Dr. Farouq Vyrawalla, 17, Matru Chhaya Society, Nizampura, Vadodara-390002, (Gujarat State).

(Transferor)

(2) Shri Suresh Chand Jain and Smt. Kusum Jain, B-1/30-A, Hauz Khas Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Double Storey residential house built on Plot No. F-30, Hauz Khas Enclave, New Delhi.

ASHOK K. MANCHANDA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-V,  
New Delhi

Date : 13-8-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Gurmukh Singh Anand,  
No. S-43, Panchshilla Park,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ravi Vachani,  
Mrs. Tina Vachani,  
B-22, Mayfair Garden,  
Hauz Khas Enclave,  
New Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-V  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 13th August 1986

Ref. No. IAC/Acq.V/SR-III/12-85/326.—Whereas, I, ASHOK K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. F-43, Panchshilla Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on December, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. S-43, measuring 600 sq. yards, Panchshilla Park, New Delhi.

ASHOK K. MANCHANDA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-V,  
New Delhi

Date : 13-8-1986  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-V  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE  
NEW DELHI

New Delhi, the 13th August 1986

Ref. No. IAC/Acq.Range-V, New Delhi.—Whereas, I, ASHOK K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H-31, Green Park Extension, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the I.A.C. (Acq.), on March 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Kaushalya Rani Malhotra,  
Shri Ramesh Chander Malhotra,  
Shri Rajesh Chander Malhotra,  
Shri Anil Malhotra and  
Shri Pradip Malhotra.  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Indu Rai.  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Ground floor with garrage and servant quarter above the garrage on first floor and 60% undivided share in the land measuring 277.8 sq. yards. Part property bearing No. H-31, Green Park Extension, New Delhi. Total measuring 463 sq. yards.

ASHOK K. MANCHANDA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax  
Acquisition Range-V,  
New Delhi

Date : 13-8-1986  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-V  
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI

New Delhi, the 13th August 1986

Ref. No. IAC/Acq.Range-V, New Delhi.—Whereas, I, ASHOK K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1, Kaushalya Park (Surya Mansion), Hauz Khas, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under I.T. Act, 1961 in the office of the I.A.C. (Acq.) Range-V, New Delhi in March 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
29—226GI/86

- (1) Mr. Manju Modi,  
Mr. R. K. Modi,  
New Delhi, (Transferor)
- (2) Mr. Dwarka Das Khurana,  
Mr. Narender Kumar Khurana,  
Mr. Ravinder Kumar Ahuja,  
Mrs. Sunita Ahuja,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 202, measuring 836 sq. ft. at Surya Mansion  
No. 1, Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi-110016.

ASHOK K. MANCHANDA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax  
Acquisition Range,  
New Delhi

Date : 13-8-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-V  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1

New Delhi, the 13th August 1986

Ref. No. IAC/Acq./V/37-EE/3-86/1726.—Whereas, I, A. K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-53, situated at Sarvodaya Enclave, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under I.T. Act, 1961 in the office of the I.A.C. (Acq.) Range-V, New Delhi in March 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. P. A. V. Pillai,  
7, Cambridge Layout, 3rd Main Road,  
Bangalore-8.

(Transferor)

- (2) Shri D. C. Rastogi,  
S-252, Greater Kailash-II,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

B-53, Sarvodaya Enclave, New Delhi.

A. K. MANCHANDA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range V  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date : 13-8-1986  
Seal :

## FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1

New Delhi, the 13th August 1986

Ref. No. IAC/Acq-VI/37EE/12-85/951.—Whereas I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 14 situated at Sri Ram Road, Civil Lines, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under I.T. Act, 1961 in the office of the I.A.C. (Acq.) Range-V, New Delhi in December 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Attar Chand Khanna,  
Sh. Jawahar Lal Khanna &  
Sh. Promod Chand Khanna,  
7-Hailey Road, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Mrs. Tushar Bhargava,  
M/s. Surya Holdings Pvt. Ltd. and  
Mr. S. K. Bhargava, A-21, Oberoi Apartment,  
2-Shyam Nath Marg, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

14, Sri Ram Road, Civil Lines, Delhi measuring 1149 Sq. Mt.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date : 13-8-1986  
Seal :

## FORM ITNS.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1

New Delhi, the 13-8-1986

Ref. No. IAC/Acq-VI/37EE/12-85/1154.—Whereas I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 101, 107 & 108, Plot No. 16 & 17 situated at Pushpa Vihar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC ACQ. III, New Delhi on December 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Capricon Industrials Ltd.  
B-4/205, Satdarjung Enclave,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Ram Kishan Associates (P.) Ltd.,  
E-31, Green Park, New Delhi-16. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 101, 107 & 108 on first floor, Plot Nos. 16 & 17, Local Shopping Centre, Pushpa Vihar, New Delhi. Total Area of Three flats—1205 Sq. ft.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date : 13-8-1986  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI

AGGARWAL HOUSE

4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1

New Delhi, the 13th August 1986

Ref. No. IAC/Acq VI/37EE/12-85/1155.—Whereas I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 102, 103, 104 & 105, Plot No. 16 & 17 situated at Pushpa Vihar, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the IAC ACQ. VI, New Delhi on December 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of,—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ms. Capricon Industries Ltd.,  
B-4/205, Safdarjung Enclave,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Tech Consultants,  
E-31, Green Park,  
New Delhi-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 102, 103, 104 & 105, on first floor, Plot Nos. 16 & 17, Local Shopping Centre, Pushpa Vihar, New Delhi.  
Total area of four flats—1205 Sq. ft.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-VI  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date : 13-8-1986  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VI  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1

New Delhi, the 13-8-1986

Ref. No. IAC/Acq III/37EE/12-85/1156.—Whereas, I. S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 106, 109 & 110 Plot No. 16 & 17 situated at Pushpa Vihar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 and registered in the office of the IAC ACQ, III, New Delhi in December, 1985 IAC ACQ, III, New Delhi on December 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Capricon Industrial Ltd.,  
B-4/205, Safdarjung Enclave,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. R. K. & Associates,  
E-31, Green Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 106, 109 & 110 on first floor, Plot No. 16 & 17, Local shopping Centre Pushpa Vihar, New Delhi. Area of three flats—1205 Sq. ft.

S. C. GUPTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date : 13-8-1986  
Seal :

## FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 6th August 1986

Ref. No. 2/Dec. 85.—Whereas, I,  
SRI A. R. REDDY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. Door No. 1, Sterling Road, Madras-34,  
situated at Nungambakkam,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Thousandlights/Doc. No. 576/85,  
in December 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Mr. B. Govindarajulu,  
s/o Mr. R. Bakthavathsalu,  
Flat No. 1, 18, Wheaterofts Road,  
Nungambakkam, Madras-34.  
(Transferor)
- (2) Messrs. Tata Iron and Steel Company,  
'Bombay House',  
24, Homi Mody St.,  
Bombay-400 023.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat, III Floor, Door No. 1, Sterling Road, Madras-34.  
Thousandlights/Doc. No. 576/85.

A. R. REDDY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 6-8-1986  
Sd/-

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th August 1986

Ref. No. 6/Dec. 85.—Whereas, I,  
SRI A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R.S. No. 533/12, Block No. 29, Door No. 19 situated at Wheat Crofts Road, Nungambakkam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thousandlights/Doc. No. 606/85 in December 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :—

- (1) Sri Abid Mirza Namazi,  
19A, Flat No. 6, Wheat Crofts Road,  
Madras-34. (Transferor)
- (2) Sri K. T. M. Ahamed Mustafa,  
7, 4th St., N. H. Road, Madras-34. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building Door No. 19, Wheatcrofts Road, Nungambakkam, Madras-34,  
Thousandlights/Doc. No. 606/85.

A. R. REDDY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 6-8-1986  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th August 1986

Ref. No. 8/Dec. 85.—Whereas, I,  
SRI A. R. REDDY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. 16-A, East Lokamanya St., R.S. Puram,  
situated at Coimbatore,  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Competent Authority at  
Coimbatore/Doc. No. 5589/85 in December 1985,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—  
30—226GI/86

- (1) Sri D. Ramswarup, s/o Diptyal,  
Residing at 16A, East Lokamanya St.,  
R.S. Puram, Coimbatore.  
Smt. Raj Rani Ramsarup Malhotra,  
w/o Sri D. Rani sarup,  
R.S. Puram, Coimbatore.  
(Transferor)
- (2) Sri Ramchand Radha Kishindas, (HUF),  
s/o Radhakishindas Hinduja,  
and Gopichand Radhakishindas, HUF,  
60 (New D. No. 114), Venkatasay Road,  
R.S. Puram Coimbatore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later; \
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Bldgs. D. No. 16A, Old T.S. No. 8/547 to 550,  
part old T.S. No. 6 of ward 7, New T.S. No. 8/863, Block  
22, Site No. 13, Block 17, R.S. Puram, Coimbatore.  
Coimbatore/SRO Doc. No. 5589/85.

A. R. REDDY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 6-8-1986  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th August 1986

Ref. No. 1/Dec. 85.—Whereas, I,  
SRI A. R. REDDY,  
being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereunder referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No. Door 12, Nungambakkam High Road, situat-  
ed at Madras-34,  
(and more fully described in the schedule annexed hereto).  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Thousandlights/Doc. No. 570/85 on Dec. 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair mar-  
ket value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteenpercent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

(1) Smt. R. V. Sarojini Devi,  
12, Nungambakkam High Road,  
Madras-34.

(Transferor)

(2) M/s. Vorion Chemicals & Distilleries Ltd.,  
By Managing Director, Mr. N. P. V. Ramaswamy  
Udavar, 10, Shriman Srinivasan Road,  
Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are  
as defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in the  
Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and bungalow : 'Dunduan' No. 4B (Now No. 12)  
Nungambakam High Road, Madras-34.

Thousandlights/Doc. No. 570/85.

A. R. REDDY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 6-8-1986  
Seal :

## FORM ITS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th August 1986

Ref. No. 3/Dec. 85.—Whereas, I,  
SRI A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 24, College Road, situated at Madras-6, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights/Doc. No. 583/85 in December 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Apex Constructions,  
Lakshmi Bhavan (IV Floor),  
609, Mount Road, Madras-600 006.

(Transferor.)

- (2) M/s Padmapriya Real Estates,  
24, College Road,  
Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building : No. 24, College Road, Madras-6.  
Thousandlights/Doc. No. 583/85

A. R. REDDY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 6-8-1986  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006**

Ref. No. 4/Dec. 85.—Whereas, I, SRI A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 24, College Road, situated at Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Competent Authority at Thousandlights Doc. No. 583/85 in December 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- |   |              |
|---|--------------|
| (1) M/s Padma Priya Real Estates,<br>24, College Road,<br>Madras-34.                          | (Transferor) |
| (2) M/s Apex Constructions,<br>Lakshmi Bhavan,<br>4th Floor,<br>609, Mount Road,<br>Madras-6. | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :** The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and Building : No. 24, College Road, Madras-6.  
Thousandlights/Doc. No. 583/85.

A. R. REDDY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 6-8-1986  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600006, the 6th August 1986

Ref. No. 7/Dec.85.—Whereas, I,  
SRI A. R. REDDYbeing the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearingAgricultural land 49, Somanjeri village  
situated at Kovalam Panchayat(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Thirupporur/Doc. No. 2773/85  
in December, 1985for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to be-  
tween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. D. B. Kotian,  
No. 31, Miami 70A,  
Bhulabhadesai Road,  
Bombay-400026.

(Transferor)

(2) Mrs. Zubaida Begum (Partner),  
Shift Farms and representing  
the said firm residing at  
55, Triplicane High Road,  
Madras-5.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land 49, Somanjeri Village, Kovalam Pan-  
chayat, Kovalam.  
Thirupporur/Doc. No. 2773/85

A. R. REDDY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 6-8-1986  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600006, the 6th August 1986

Ref. No. 11/Dec.85.—Whereas, I,  
SRI A. R. REDDY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 4, Vijayaraghavachari Road, situated at I Cross Street, T. Nagar, Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras South/Doc. No. 3681/85 in December, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the persons, namely :—

(1) Sri S. R. Gnanam,  
S/o S. Ramachandran,  
No. 5, Vijayaraghavachari Road,  
1st Cross Street, T. Nagar,  
Madras-17.

(Transferor)

(2) Kum. M. Bhanupriya,  
No. 27/1, Habibullah Road,  
T. Nagar,  
Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building : No. 4, Vijayaraghavachari Road, I Cross Street, T. Nagar, Madras-17.  
Madras South/Doc. No. 3681/85

A. R. REDDY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 6-8-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600006, the 6th August 1986

Ref. No. 15/Dec.85.—Whereas, I,  
SRI A. R. REDDY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 9, Shanmugha Mudali Street, situated at Royapettah, Madras-14 and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras Central Doc. No. 1221/85 in December, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (c) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri K. Srinivasan,  
No. 17, Gowdiya Mutt Road, Royapettah,  
Madras-600014,

(Transferor)

(2) Smt. Jamuna Bai Devji Asher,  
162, Govindappa Naicken Street,  
Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building : No. 9, Shanmugha Mudali Street,  
Royapettah, Madras-14.

Madras Central/Doc. No. 1221/85

A. R. REDDY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-8-1986  
Seal:

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600006, the 7th August 1986

Ref No. 5/Dec.85.—Whereas, I,  
SRI A. R. REDDYbeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

811, Anna Salai, Madras-2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Thousandlights/Doc. No. 605/85  
in December, 1985for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Seal :

(1) M/s. Vummidiars Shopping Centre,  
Rep. by V. Sudhakar, V. Ramaiah,  
No. 811, Anna Salai,  
Madras-2.

(Transferor)

(2) Sri Vikram A. Jogani,  
Aditya A. Jogani,  
Hayagriv A. Jogani,  
Mahavir B. Jogani,  
Rep. by Bharat Jogani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons.  
whichever period expires later; .

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building : 811, Anna Salai, Madras-2,  
Thousandlights/Doc. No. 605/85.

A. R. REDDY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 7-8-1986  
Seal:

**FORM I.T.N.2.****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600006, the 7th August 1986

Ref. No. 17/Dec.85.—Whereas, I,

SRI A. R. REDDY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Agricultural land—Kottakaram

situated at Mavalur village, Sriperumpudur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras North/Doc. No. 3601/85 in December, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

31—226G1/86

- (1) Sri K. Umapathy Sivam,  
19, Karunika Street,  
Vadapalani,  
Madras-26.

(Transferor)

- (2) Sri Badrinathan and others,  
B. 254, 50th Street,  
Ashok Nagar,  
Madras-83.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands at Kottakaram and Mavalur village  
Sriperampudur Taluk.

Madras North/Doc. No. 3601/85

A. R. REDDY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 7-8-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600006, the 7th August 1986

(1) Sri R. Santhanakrishnan Chettiar,  
74, Calve Subraya Chettiar Street,  
Pondicherry-605001.

(Transferor)

(2) Smt. Neena Devi,  
Sri Aurobindo Ashram,  
Pondicherry-605002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by way of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other persons interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION : The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

Ref. No. 16/Dec.85.—Whereas, I,  
SRI A. R. REDDY  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
6-A, TS. No. 72, Ward C, Block 23, Resurvey No. 239 pt.  
Jawaharlal Nehru Street, Pondicherry Town  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Pondicherry/Doc. No. 3012/85  
in December, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Portion of land and building : 6A, Jawaharlal Nehru St.,  
Pondicherry.  
Pondicherry/Doc. No. 3012/85

A. R. REDDY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 7-8-1986  
Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th August 1986

Ref. No. 1/December/85.—Whereas, I,  
R. JANAKIRAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Door No. 18, Gilchrist Avenue, Harington Road, Chetput, Madras-31

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 1441/85) on December 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri R. Natarajan,  
S/o Sri K. P. Ramasami,  
No. 18, Gilchrist Avenue,  
Chetput, Madras-600 031.

(Transferor)

(2) Smt. K. Tamil Selvi,  
No. 18, Gilchrist Avenue,  
Chetput, Madras-31.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 18, Gilchrist Avenue, Chetput, Madras-31.

(Doc. No. 1441/85).

R. JANAKIRAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date : 4-8-1986  
Seal :

FORM NO. ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 25th July 1986

Ref. No. 2/December/85.—Whereas, I, R. JANAKIRAMAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereunder referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 28, Thirunarayana Avenue, New Avadi Road, Kilpauk, situated at Madras-10, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 1396/85) on 4-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Sri Cherukuru Prabhakar Reddy,  
2. Sri C. Ramachandra Reddy  
3. Sri C. Priyamvada Reddy.  
SG-4, Railways Quarters,  
Sterling Road, Madras-34.

(Transferee)

- (2) Mrs. Mumtaz Kabier,  
W/o A. V. M. Ahmed Kabier,  
No. 87, Harrington Road,  
Madras-31.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 28, Thirunarayana Avenue, New Avadi Road, Kilpauk, Madras-10.  
(Doc. No. 1396/85).

R. JANAKIRAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 25-7-1986  
Seal:



FORM NO. I.T.N.S. \_\_\_\_\_

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006**

MADRAS-600 006, the 28th July 1986

Ref. No. 3/December/85.—Whereas, I,  
R. JANAKIRAMAN,being the Competent Authority under Section 269AB of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'Said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding Rs  
1,00,000/- and bearing No.1, Rajarathnam Street, Kilpauk, Madras-10  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the registering officer atPeriamet (Doc. No. 1424/85) on 11-12-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Dr. G. Atmarama Rao, M.S.,  
No. 2, Rajaratnam Street,  
Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

- (2) Shri R. Rajaratnam,  
No. 150, Poonamallee High Road,  
Kilpauk, Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and Building at Door No. 1, Rajarathnam Street,  
Kilpauk, Madras-10.  
(Doc. No. 1424/86).

R. JANAKIRAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date : 28-7-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st July 1986

Ref. No. 4/December/85.—Whereas, I,  
R. JANAKIRAMAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. T.S. No. 16/1 and 16/2 situated at Ammapet Village,  
Salem Town  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at Salem East (Doc. No. 3748/85) on 13-12-85  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Smt. P. V. Subbammal and Others,  
No. 49, Arthanari Chetty St.,  
Shevapet, Salem Town.

(Transferor)

- (2) Sri S. Rajamannar and his brothers,  
Sons of Sri R. Srinivasa Chettiar,  
22, Andal Street, Shevapet,  
Salem Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
**45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;**
- (b) by any other person instead in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building (Cinema Talkies) at Ammapet, Salem  
Town, in T.S. No. 16/1 and 16/2 called Jyothi Talkies  
measuring 29,076 Sq. ft. (Doc. No. 3748/85)

R. JANAKIRAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date : 31-7-1986  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 5th August 1986

- (1) Smt. Jamuna Bai,  
No. 162, Govindappa Naicken St.,  
Madras-1. (Transferor)
- (2) Shri Moolchand Kothari and 4 Others,  
No. 28, Ramaswami Street,  
T. Nagar, Madras-17. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in the writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

Ref No. 5/December/85.—Whereas, I,  
R. JANAKIRAMAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Door No. 162, Govindappa Naicken Street, situated at  
Madras-1.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at Sowcarpet (Doc. No. 624/85) on December 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 162, Govindappa Naicken  
Street, Madras-1. Doc. No. 624/85).

R. JANAKIRAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date : 5-8-1986.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1986

Ref. No. P.R. No. 4648.Acq.23-II/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land with building bearing S. No. 620/P/622/2, 622/7 and 627/P of Baroda, Kasba, Baroda. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Office at at 37/EE, A'bad on 24-1-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Paushak Ltd.,  
Regd. Office, Alembic Road,  
Baroda-390 003.

(Transferor)

(2) M/s. Paraan Ltd.  
Regd. Office; Udyog Mandir,  
No. 1, Bhagoji Keer Marg,  
Hahim, Bombay-400 016.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The form No. 37 EE is fixed in this office on 24-1-86.

A. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 1-8-1986  
Seal :

## FORM ITN8

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE 1/II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 1st August 1986

Ref. No. P. R. No. 4649 Acq. 23-II/86-87.—Whereas, I  
A. K. SINHA,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
R.S. No. 308.1 (I.S. No. 777) of Babajipura, Baroda  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Baroda on 24-2-86  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to be-  
tween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
namely:—

- (1) Shri Chandulal Mohanlal Ghanchi,  
Urte Lotwala,  
Chokhand Wadi,  
Baroda.  
(Transferor)
- (2) Kanam Pradesh Patidar Seva Samaj,  
President : Shri Chunibhai Chhitabhai Patel,  
A/1, Ajanta Society,  
R.C. Dutt Road, Baroda.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The sale-deed was registered by S.R. Baroda on 24-2-86 in  
respect of A.C. Rs. 8,48,450/-.

A. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range 1/II, Ahmedabad

Date : 1-8-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE I/II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 1st August 1986

Ref. No. P. R. No. 4650 Acq. 23-II/86-87.—Whereas, I  
A. K. SINHA,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter  
referred to as the 'said Act') have reason  
to believe that the immovable property having a fair market  
value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. A-1 type Shed No. 292, G.I.D.C., Umbergaon, Dist. :  
Bulsar  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the registering officer at  
37EE, A'bad on 9-4-86  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax  
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

(1) M/s. Hindustan Pencils Pvt. Ltd.,  
510, Himakya House,  
79 Palton Road,  
Bombay-1.

(Transferor)

(2) Apsara Art Materials Pvt. Ltd.,  
510, Himakya House,  
79, Palton Road,  
Bombay-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons;  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The Form No. 37 EE is fixed on 5-4-86.

A. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range I/II, Ahmedabad

Date : 1-8-1986  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE I/II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 1st August 1986

Ref. No. P. R. No. 4651 Acq. 23-II/86-87.—Whereas, I  
A. K. SINHA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
C.T.S. No. 378 to 402 (Part), Kasba Vadodara, Sayaji Ganj,  
Baroda  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) of the registering Officer at  
37 EE, Ahmedabad on 2-1-86  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated  
in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Vijaykumar Somesvarpuri Goswami & Others,  
Bhimnath Mandir,  
Sayaji Ganj,  
Baroda,  
(Transferor)
- (2) Lal Bul De Corporation,  
Kubar Bhavan,  
Bajaj Road,  
Vile Parle (West),  
Bombay-400 066,  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in the writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

The Form No. 37 EE is fixed in this office on 2-1-86.

A. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range I/II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 1-8-1986  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE I/II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 4th August 1986

Ref. No P R. No. 4652 Acq. 23-II/86-87.—Whereas, I  
A. K. SINHA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Land at Ghordod Road, Athwa Lines, Surat, T.P.S. 5, F.P.  
559A & 559B Form No. 37EE is submitted in the Office of  
undersigned on 24-2-86  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Jaswanthlal Ranchhoddas & Others,  
Begampura,  
Khangad Sheri,  
Surat.

(Transferor)

(2) M/s. M. S. Corporation & Others,  
C/o J. M. Ganatra,  
903, Triveni Apartments,  
Nanpura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Form No. 37 EE is submitted in the Office of the under-  
signed in February 1986.

A. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range I/II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely:—

Date : 4-8-1986  
Seal :



**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.**

ACQUISITION RANGE I/II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 4th August 1986

Ref. No. P. R. No. 4653 Acq. 23-II/86-87.—Whereas, I A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 8 at Trade House, Ward No. 3, Nondh No. 2886/B-2 & B-3, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 6-1-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moveable or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

33—226GI/86

(1) Manish Corporation,  
Trade House,  
Ring Road,  
Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Priyadarshani,  
Prop: Zaimudin Mohammad Diwan,  
606, Badrinath Apartments,  
Ambica Niketan,  
Athwa Lines, Surat.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

The document was registered at S.R. Surat vide No. 175 dated 6-1-86.

A. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range I/II, Ahmedabad

Date : 4-8-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE I/II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 4th August 1986

Ref. No. P. R. No. 4654 Acq. 23-II/86-87.—Whereas, I A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 261/2 land at Village Bhimpore, Dist. Daman (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Daman on 5-2-86 & 7-2-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shantilal Ishwarlal Shah,  
126/28, Veer Savarkar Marg,  
Ganesh Bhavan 2nd Floor,  
Mahim, Bombay-400 016. (Transferor)
- (2) M/s. Perma Seal Auto Products Pvt. Ltd.,  
51, Summerset House,  
Opp. Warden Road,  
Bombay-400 026. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

## THE SCHEDULE

The document was registered at S.R. Daman vide No. 15 & 16 dated 5-2-86 & 7-2-86.

A. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range I/II, Ahmedabad

Date : 4-8-1986  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I/II,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th August 1986

Ref. No. P.R. No. 4655 Acq. 23-II/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property at Surat, Majura Ward Old S. No. 107 194, Ward No. 13 Nodh No. 1610 T.P.-6, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 25-2-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(1) Nanubhai Nathubhai Mali,  
Ashok Niketan,  
Hira Modini Sheri,  
Sagrampura,  
Surat.

(Transferor)

(2) M/s. R. T. Son,  
Partner : Nitinkumar Ratilal & Others,  
33/4, Diwalibaug,  
Athwa Lines,  
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The document was registered at S.R. Surat vide No. 1796 dated 25-2-86.

A. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I/II  
Ahmedabad

Date : 4-8-86  
Seal:

SNLI WYOH

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th August 1986

Ref.No. P.R. No. 4656 Acq. 23-II/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bungalow No. 60, Sugam Co-op. Housing Society, Ward No. 17, Nodh No. 461 & 462 Paiki, Adajan Rander Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 10-2-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Niranjanaben Babubhai Parikh,  
Bombay.

(Transferor)

(2) Vasantlal Ishwarlal Shroff,  
Bungalow No. 60, Sugam Society,  
Rander Adajan Road,  
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The document was registered at S.R. Surat vide No. 219 dated 10-2-86.

A. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-8-86  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, hc 4th August 1986

Ref. No. P.R. No. 4657 Acq. 23-II/86-97.—Whereas, I,  
A. K. SINHA,being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Piece of land bearing S. No. 173 Sim of Gundlav, Tal.  
Valsad(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the registering officer at  
S.R. Valsad on 2-7-86for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
thereof by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reducing or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

- (1) Jitendra Balubhai Desai & Others,  
Kailash Road,  
Valsad.

(Transferor)

- (2) M/s. Naner Industries,  
Vishal Apartments,  
Mathurdas Vasanji Road,  
Near Prakash Studio,  
Andheri (East), Bombay-400 065.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

The sale-deed was registered by S.R. Valsad on 3-1-86  
in respect of A.C. Rs. 5,20,000/-.

A. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Ahmedabad

Date : 4-8-86  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th August 1986

Ref No. P.R. No. 4658 Acq. 23-II/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land bearing C.S.T. No. 3749 of Bhagdavad, Valsad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Valsad on 7-5-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Janardhan Bapubhai Desai,  
Maninagar Society,  
Tithal Road,  
Valsad.

(Transferor)

(2) M/s. Divyesh Corporation,  
"Matrukrupa",  
Behind Bagini Samaj,  
Halar Road, Valsad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The Form No. 37G was filed on 7-5-86 in the office of S.R. Valsad.

A. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Ahmedabad

Date : 4-8-86  
Seal :

## FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th August 1986

Ref. No. P.R. No. 4659 Acq. 23-II/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Building bearing R.S. No. 533 C.T.S. No. 1999.3, 1995.1, 1955.2 of Sayaji Ganj, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on February 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Kamla Laxmiben Ishverlal Sheth,  
Krishna Kunj,  
R. C. Road,  
Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Krishna Corporation,  
Satish Chhotabhai Patel,  
Manjalpur,  
Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The sale-deed was registered by S.R. Baroda in February 1986 in respect of A.C. Rs. 25,01,700/-  
Ahmedabad

A. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-8-86  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th August 1986

Ref. No. P.R. No. 4660 Acq. 23/II/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Ward No. 3 bearing City Survey Nos. 2157(part), 2158|A|1c, 2158|A|D, 2158|A|1|B(Part), 2885|B|2, Plot No. 1, 2885|B|2, Plot No. 3 and 2885|B|2, Plot No. 4 in the Registration District and Sub-District at Surat contained by admeasurement 17564.58 sq. metres and the structures built thereon by M/s Sanjeev Builders P. Ltd. a company having Registered Office at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay New Delhi in November 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s Sanjeev Builders P. Ltd.  
Kedia and Parasram Puria Enterprises,  
351/2, Mittal Towers,  
'A' Wing,  
Nariman Point,  
Bombay-400 021.

(Transferor)

- (2) M/s Sanjeev Premises Co-operative  
Housing Society Ltd.,  
C/o Dineshbhai Pachariwala,  
211-A, India Textile Market,  
Ring Road,  
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Ward No. 3 bearing City Survey Nos. 2157 (Part), 2158|A|1c, 2158|A|D, 2158|A|1|B (Part), 2885|B|2, Plot No. 1, 2885|B|2, Plot No. 3 and 2885|B|2, Plot No. 4 in the Registration District and Sub District at Surat contained by admeasurement 17564.58 sq. metres and the structures built thereon by M/s. Sanjeev Builders P. Ltd., a company having Registered Office at Bombay.

A. K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Ahmedabad

Date : 4-8-86  
Seal :